हरिभूमि रायपुर भूमि

खतरे में जीवन, भारी बारिश में मुसीबत
कई जगह छज्जे तक गिरने लगे हैं

3 नोटिस के बाद निगम को तोड़ने का अधिकार फिर भी कार्रवाई नहीं

गाइड लाइन के अनुसार जर्जर हो चुके भवन को तोड़ने के लिए निगम नोटिस जारी करता है। तीन बार नोटिस जारी होने के बाद भी यदि मालिक भवन को स्वयं से तोड़वाता नहीं है, तो निगम को उस भवन को तोड़ने का अधिकार है। इस अधिकार के बावजूद निगम अधिकारी हर साल भवन मालिकों को सिर्फ नोटिस जारी करता आ रहा है।

कार्रवाई करेंगे

जर्जर हो चुके भवनों की सूची तैयार है या नहीं देख लेता हूं। तैयार हो गई है तो इस पर जल्द कार्रवाई होगी।

- अबिनाश मिश्रा, आयुक्त नगर निगम रायपुर

इस साल सर्वे बिना सूची तैयार,नोटिस भी जारी नहीं

बारिश के दिनों में जर्जर भवनों से सबसे ज्यादा खतरा रहता है। इसके कारण निगम प्रशासन हर साल बारिश के सीजन से पूर्व सर्वे करके जर्जर भवनों की सूची तैयार करता है, लेकिन इस बार अधिकारियों ने सर्वे तक नहीं किया है। इसके कारण नई सूची भी तैयार नहीं की गई है। इसके कारण जर्जर भवनों के मालिकों को नोटिस भी जारी नहीं किया गया है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि सूची तैयार कर ली गई है। इन्हें जल्द ही नोटिस भी जारी किया जाएगा।

सिर पर हथौड़े की तरह तने हुए 100 से ज्यादा जर्जर मकानों को फिर नोटिस, पर कार्रवाई शून्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बारिश का सीजन शुरू हो चुका है, लेकिन शहर में हादसों को न्योता दे रहे 125 से अधिक पुराने जर्जर भवनों को नगर निगम अधिकारियों ने न ही तोड़ने की कार्रवाई की है और न ही नोटिस जारी किया है। निगम शहर में जर्जर भवनों की सूची हर साल तैयार करता है। पिछले साल भी तैयार की थी। इनमें कुछ भवनों में मालिकाना हक, बिक्री, बंटवारा आदि मामले कोर्ट में चल रहे हैं। इन्हें छोड़कर बाकी सभी भवनों के मालिकों को नोटिस जारी किया गया था। यह नोटिस पहला नहीं था। इससे पहले भी इन भवनों के मालिकों दर्जनों नोटिस जारी हो चुका है, इसके बावजूद न ही ⏭शेष पेज 11 पर

खर्च से बचने जिम्मेदारी से पीछे हट रहे अधिकारी

निगम के अधिकारी शहर में कई जर्जर भवनों को इसलिए भी नहीं तोड़ रहे हैं, क्योंकि कई जर्जर भवन सुने पड़े है। इनके मालिक दूसरे राज्य या विदेश में रहते हैं। इसके कारण निगम इन भवनों को तोड़ता है तो मशीन, लेबर, मलबा उठाने आदि का पूरा खर्च उन्हें ही उठाना पड़ेगा। इस खर्च से बचने के लिए निगम अधिकारी भवनों को तोड़ने में रुचि नहीं ले रहे हैं। हालांकि गाइड लाइन के अनुसार तोड़फोड़ का पूरा खर्च भवन मालिक को ही वहन करना होता है। इसके लिए निगम बाद भी भवन मालिक से खर्च की वसूली कर सकता है।

छ.ग. के सभी शासकीय ITI में प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन
cgiti.cgstate.gov.in
बी.एम. आई.टी.आई.
कोपा
इलेक्ट्रिशियन
हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
डीजल मैकेनिक
फायर टेक्नालॉजी
स्टेनो हिन्दी
गोकुल नगर, पुलगांव, दुर्ग
8770638793, 9340311314
9303893829, 9300850065
अंतिम तिथि-03/07/24

खबर संक्षेप

गाड़ी ठोकने का विरोध बुजुर्ग के साथ की मारपीट

रायपुर। कोतवाली थाने में सोमवार को शैलेंद्र नगर के रहवसियों ने थाने का घेराव कर प्रदर्शन किया। घटना दिनांक को ऋषभ बिल्डर के मालिक के घर के बाहर खड़ी कार को एक शराबी ने नशे की हालत में ठोकर मार दी। घर के बाहर टहल रहे बुजुर्ग ने नशेड़ी को ठीक से बाइक चलाने के लिए कहा तो उस नशेड़ी ने अपने अन्य दोस्तों को कॉल कर घटनास्थल पर बुला लिया और बिल्डर के घर में तोड़फोड़ करते हुए बुजुर्ग के साथ मारपीट की। घटना से गुस्साए लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए थाने का घेराव कर दिए। पुलिस घटना में शामिल तीन संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

दहशत फैलाने सोशल मीडिया पर कट्टे का रील वायरल

रायपुर। राजधानी पुलिस बदमाशों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है, बावजूद इसके बदमाश पुलिस को चुनौती देते हुए सोशल मीडिया पर खुलेआम कट्टा लहराने की रील वायरल कर रहे हैं। ऐसे ही एक मामले में पुलिस की सायबर सेल टीम सोशल मीडिया पर कट्टे की रील वायरल करने वाले दो बदमाशों की पतासाजी करने में जुटी हुई है।

कमांडेंट के सूने मकान में लाखों की चोरी

रायपुर। विधानसभा थाने में इंडो तिब्बत बार्डर पुलिस में पदस्थ एक कमांडेट ने अज्ञात के खिलाफ अपने सूने मकान से 45 हजार रुपए नकद तथा हीरे की अंगूठी तथा मंगलसूत्र चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। सकरी स्थित गैलेक्सी आईलैंड निवासी दुष्यंत राज जायसवाल ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। दुष्यंत ने पुलिस को बताया कि वह अपने मकान का काम करा रहा है, शनिवार को सुबह दुष्यंत अपने मकान में गया तो देखा कि कोई अज्ञात चोर दरवाजे का ताला तोड़कर आलमारी में रखे लॉकर से जेवर तथा नकदी पर हाथ साफ कर दिया है।

बीपी, शुगर, विटामिन, एंटीबायोटिक दवाओं की कीमत में पांच से सात फीसदी की राहत

शुगर-बीपी समेत 56 दवाओं पर ऐलान बड़ा लेकिन राहत छोटी, खप रहा अभी पुराना स्टॉक ही

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

14 जून को 54 तरह की जरूरी दवाओं की कीमतों का किया था पुनर्निधारण

ज्यादा डिमांड वाली जरूरी दवाओं की कीमतों में एनपीपीए ने कमी तो कर दी है, मगर इससे बड़ी राहत आम लोगों को नहीं मिलेगी। पुरानी की तुलना में नई दर में पांच से सात प्रतिशत की कमी की गई है। इससे आठ रुपए में मिलने वाली एंटीबायोटिक की दवा अब सात रुपए में लोगों को मिलेगी। एनपीपीए ने बीपी, शुगर, विटामिन, एंटीबायोटिक, एलर्जी जैसी दवाओं के दाम में भी कमी हुई है।

नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने 14 जून को 54 तरह की जरूरी दवाओं की कीमतों का पुनर्निधारण किया था। छत्तीसगढ़ के दवा कारोबारियों के मुताबिक एनपीपीए द्वारा दवाओं के खुदरा मूल्य की कीमत तय की जाती है। जीएसटी, होलसेल, रिटेलर कारोबारी की मार्जिन मिलाकर 36 प्रतिशत अतिरिक्त जोड़कर दवाओं की एमआरपी तय की जाती है। कारोबारियों का कहना है कि घटाए गए दाम से लोगों को पांच से सात प्रतिशत की कमी की छोटी राहत ही मिलने की संभावना है। कारोबारियों के मुताबिक एंटीबायोटिक एल्मॉक्स 500 एमजी का एक केप्सूल जो अभी 8.23 पैसे में मिलता है, वह नई दर से लोगों को 7.36 पैसे में मिलेगा। इस तरह दस केप्सूल की कीमत में दस रुपए तक कमी आएगी। पंद्रह से बीस रुपए में मिलने वाली डायबिटीज की दवा भी एक से दो रुपए तक कम होगी। सूत्रों ने बताया एनपीपीए कुछ अंतराल में जरूरी दवाइयों की कीमतों की समीक्षा करती है और उसके आवश्यकता के हिसाब से उनका मूल्य निर्धारित करती है।

हरिभूमि सरोकार

ऐसे होंगे दाम

बीमारी (प्रति गोली)	पुरानी	नई कीमत
डायबिटीज	15 से 20	14 से 19
ब्लडप्रेशर	13 से 15	12 से 14
गैस्ट्रिक	3 से 59	2.85 से 57
एंटीबायोटिक वैक्सीन	144	138
मल्टी विटामिन	3 से 30	2.85 से 29
आईड्राप	132	121

समय- समय पर निर्धारण

एनपीपीए द्वारा समय-समय पर समीक्षा के बाद जरूरी दवाओं का मूल्य निर्धारित किया जाता है। इस बार तय की गई कीमतों में पांच से सात प्रतिशत की कमी आई है।

- अश्वनी विग, उपाध्यक्ष रायपुर केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन

लगता है वक्त

सूत्रों के अनुसार एनपीपीए द्वारा निर्धारित दाम का नोटिफिकेशन होने के बाद दवा कंपनियां अपने नए उत्पाद में इसका जिक्र करती हैं। इसके पूर्व पुराने बाजार में आ चुकी दवाइयों की बिक्री पुराने दामों में की जाती है। आदेश जारी होने के बाद नई कीमतों के साथ दवाओं के बाजार में आने तक दस से पंद्रह दिन का वक्त लग जाता है।

रिटेलर को 16 प्रतिशत

कंपनी में दवा निर्माण के बाद उसके बिक्री के लिए दुकानों तक लाने के बीच की लागत निकालकर कीमत तय की जाती है। इसमें जीएसटी के 12 प्रतिशत, होलसेल कारोबारियों के 8 तथा रिटेलर दवा कारोबारी के 16 प्रतिशत मार्जिन तय होती है। नियम के मुताबिक दवाओं में दर्ज एमआरपी से अधिक दाम पर इसकी बिक्री करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

शाम होते ही शहर में थोड़ी देर फिर बरसे बादल, राज्य में भी कम होगी गतिविधि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दिनभर बादल शाम होने के बाद फिर थोड़ी देर बरसे और थम गए। अब राज्य में बारिश के लिए केवल एक द्रोणिका का सहारा है। एक द्रोणिका पंजाब और दूसरी हिमालयीन क्षेत्र तक जा चुका है जिसकी वजह से वर्षा की गतिविधि में कमी आएगी। पिछले चौबीस घंटे में कोरबा जिले में 11सेमी. की भारी बारिश हुई है।

- कोरबा जिले में भारी 11 सेमी. की भारी वर्षा

मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों के मुताबिक रायपुर जिले के लिए बारिश के मामले में जुलाई का प्रारंभ बहुत अच्छा नहीं है यहां अगले तीन चार दिनों तक भारी बारिश की संभावना नहीं है। अब दूसरे सप्ताह में ही मानसून के पुनः सक्रिय होने से मध्य क्षेत्र में वर्षा की गतिविधि में विस्तार होने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा ने बताया कि राज्य में बारिश के लिए उत्तर-पूर्व अरब सागर-दक्षिण तटीय गुजरात से मध्य मध्यप्रदेश तक स्थित द्रोणिका ही सहारा है। मंगलवार को विशेष बदलाव नहीं होने मगर बारिश की गतिविधि कम होने से बुधवार से तापमान में वृद्धि होने की संभावना है। वहीं पिछले चौबीस घंटे में बारिश ने अपना असर उत्तरी हिस्से में दिखाया है और दर्री में 114, पाली में 111, कोरबा में 106, कटघोरा में 85, मस्तूरी में 80, राजपुर में 70, लोरमी में 68 मिमी. बारिश हुई है। इसके अलावा सरगुजा और बिलासपुर संभाग के कुछ क्षेत्रों में भारी वर्षा दर्ज की गई है।

शराब घोटाला मामले में 9000 पन्नों का चालान चार आरोपी, 290 गवाह

- शराब घोटाला मामले में आने वाले दिनों में जांच एजेंसी पूरक चालान पेश कर सकती है

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राज्य में कथित तौर पर दो हजार करोड़ से ज्यादा क शराब घोटाले में सोमवार को ईओडब्लू ने स्पेशल कोर्ट में नौ हजार पन्नों का चालान पेश किया है। मामले में जांच एजेंसी ने 290 लोगों को गवाह बनाया है। शराब घोटाला मामले में जांच एजेंसी कुछ और लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के बाद कोर्ट में पूरक चालान पेश कर सकती है। अलग-अलग 20 से ज्यादा पैकेट में जांच एजेंसी ने कोर्ट में चालान की प्रति पेश की है।

ईओडब्लू ने कोर्ट में जो चालान पेश किया है, उसमें घोटाले का मास्टर माइंड एपी त्रिपाठी तथा अनवर ढेबर को बताया गया है। साथ ही सिंडिकेट बनाने में सेवानिवृत्त आईएएस अनिल टूटेजा की महत्वपूर्ण भूमिका बताई गई है।

गौरतलब है कि पूर्व में ईडी ने शराब घोटाला मामले को लेकर कोर्ट में 10 हजार पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी। ईडी के प्रतिवेदन पर ईओडब्लू ने 17 जनवरी को अपराध दर्ज किया है। ईओडब्लू ने कोर्ट को मामले की जांच जारी होने की बात कही है। जांच में नए तथ्य आने के बाद जांच एजेंसी और लोगों को गिरफ्तार कर सकती है। इसके साथ ही जांच एजेंसी इस मामले में सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल कर सकती है।

चार लोग आरोपी बनाए गए

जांच एजेंसी द्वारा कोर्ट में पेश चार्जशीट में एपी त्रिपाठी, अनवर ढेबर, अरविंद सिंह तथा त्रिलोक सिंह ठिल्लन आरोपी बनाए गए हैं। इसी के साथ ही कोल घोटाला मामले में न्यायिक रिमांड पर जेल में बंद निखिल चंद्राकर, सूर्याकांत तिवारी, समीर विश्नोई, लक्ष्मीकांत तिवारी, सुनील नायक, शिवशंकर नाग, रोशन सिंह, मुईनुद्दीन कुरैशी, हेमंत जायसवाल तथा चंद्रप्रकाश जायसवाल को कोर्ट में पेश किया गया। निलंबित आईएएस रानू साहू तथा सौम्या चौरसिया की वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पेशी हुई। कोर्ट ने सभी आरोपियों की रिमांड अवधि 12 जुलाई तक के लिए बढ़ा दी है।

बूढ़ापारा धरना स्थल पर बनेगा वेंडिंग जोन निगम से टेंडर जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी में बूढ़ातालाब के सामने स्थित धरना प्रदर्शन वाली जगह पर अब वेंडिंग जोन बनेगा। रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने इस क्षेत्र को पंजीकृत वेंडरों के लिए विकसित कर नगर निगम को वेंडिंग जोन विकसित करने का जिम्मा सौंपा है। योजना विभाग ने इसके लिए एजेंसी तय करने ऑनलाइन टेंडर किया है। अनुबंधित एजेंसी 5 साल तक इस जगह पर वेंडिंग जोन का संचालन करेगी। इसके साथ ही शहर के 2 अन्य स्थानों पर भी वेंडिंग जोन विकसित करने टेंडर हुआ है।

- पंजीकृत वेंडरों को स्मार्ट कार्ट के साथ आजीविका का साधन

शहर में 3 स्थानों पर नगर निगम से पंजीकृत फुटकर विक्रेताओं को रोजगार के लिए सुरक्षित जगह उपलब्ध कराने वेंडिंग जोन बनेगा। इसके लिए नगर निगम की योजना शाखा ने हाल ही में ⏭शेष पेज 11 पर

3 जगहों पर वेंडिंग जोन के लिए टेंडर

शहर के 3 स्थानों पर नए वेंडिंग जोन बनाने ऑनलाइन टेंडर किया गया है। 5 साल के लिए वेंडिंग जोन संचालन के लिए एजेंसी तय की जायेगी।

- राजेश शर्मा, अधीक्षण अभियंता, नगर निगम रायपुर

खारुन में नाले का झागदार गंदा पानी झांकने तक नहीं गए निगम के अफसर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर की जीवनदायिनी खारुन नदी में नालों का गंदा व बदबूदार झागवाला पानी धड़ल्ले से पूरे वेग के साथ मिलने से लोगों की सेहत दांव पर लगी है। इसके बाद भी निगम के आला अधिकारी वहां झांकने तक नहीं गये। वहीं रायपुर नागरिक समाज के नेतृत्व में शहर के जागरूक नागरिकों ने स्पॉट पर जाकर नदी के आधा दर्जन स्थानों से पानी के नमूने एकत्र कर इसकी जांच करने पीएचई के लैब में भेज दिया है।

हरिभूमि ने केमिकल युक्त पानी नालों के जरिये नदी में पहुंचने की खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया। खबर प्रकाशित होने के बाद रायपुर नागरिक समाज ने पानी की जांच कराने तत्परता दिखाई है। राजधानी के 15 लाख आबादी ⏭शेष पेज 11 पर

हरिभूमि फॉलोअप

जागरूक नागरिक संगठनों ने लिया संज्ञान, पानी जांच के लिए लैब भेजा सैपल, हरिभूमि ने की थी पड़ताल

पानी का नमूना लेकर जांच के लिए भेजा है : रायपुर नागरिक समाज

रायपुर नागरिक समाज के नेतृत्व में डॉ. राकेश गुप्ता, उमाप्रकाश ओझा, गौतम बंदोपाध्याय, पवन चंद्राकर, जीवेश प्रभाकर और अंजू मेश्राम की टीम ने खारुन नदी के प्रभावित हिस्से में जाकर पानी के नमूने जांच के लिए कलेक्ट किये। ⏭शेष पेज 11 पर

डीडीनगर में 3 जगह पाइप लाइन लीकेज

पंडित दीनदयाल उपाध्याय वार्ड के डीडीनगर में पाइप लाइन लीकेज के कारण लोगों के घरों में नाली का गंदा व बदबूदार पानी पाइप लाइन के जरिये पहुंच रहा है। 3 जगहों पर पाइप लाइन लीकेज की शिकायत मिली है। जल विभाग के कार्यपालन अभियंता नरसिंग फरेन्द्र ने बताया कि डीडीनगर में 3 स्थानों पर पाइप लाइन लीकेज की समस्या रही, इनमें से 2 स्थानों पर लीकेज मरम्मत का काम पूरा कर लिया गया है। 1 जगह पर पाइप लाइन लीकेज की मरम्मत मंगलवार को कराई जाएगी।

दो दिन पूर्व कबीर नगर थाना क्षेत्र की घटना

पत्नी के साथ लड़ रहे व्यक्ति की पड़ोसी ने की बेटों के साथ मिलकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कबीर नगर थाना क्षेत्र में पत्नी के साथ लड़ रहे एक व्यक्ति की उसके पड़ोसी ने अपने दो बेटों के साथ चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना शनिवार की है। हत्या की वजह लड़ाई के दौरान पड़ोसी के घर में ईंट का गिरना बताया जा रहा है। घटना के बाद पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, दो अन्य फरार हैं।

पुलिस के मुताबिक सोनडोंगरी निवासी मोहम्मद मुकीम खान की हत्या उसके पड़ोसी अल्ताफ तथा बेटे आरिफ और ⏭शेष पेज 11 पर

अस्पताल से लौटने के बाद मौत

पुलिस के अनुसार चाकू लगने से गंभीर रूप से घायल मुकीम को उपचार के लिए एम्स अस्पताल ले जाया गया। उपचार कराने के बाद डॉक्टरों के मना करने के बावजूद मुकीम अस्पताल से अपने घर चला गया। घर पहुंचने के कुछ देर बाद ⏭शेष पेज 11 पर

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

अभाविप संयोजक बनने पर राधेश्याम का स्वागत

अभनपुर। अभनपुर के ग्राम खोरपा निवासी राधेश्याम साहू को

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का बलौदाबाजार विभाग के विभाग संयोजक बनाये जाने से अभाविप के कार्यकर्ताओ मे हर्ष का माहौल है। धर्म नगरी कवर्धा मे आयोजित प्रदेश अभ्यास वर्ग मे राधेश्याम साहू को यह दायित्व दिया गया। बता दे कि राधेश्याम पूर्व मे अभनपुर नगर मंत्री एवं तीन कार्यकाल तक तिल्दा जिला रायपुर ग्रामीण के जिला संयोजक रहे। इस संबंध मे राधेश्याम साहू ने संगठन का आभार जताते संगठन ने जो विश्वास जताया है उस पर पूरे ऊर्जा के साथ कार्य करने का भरोसा दिया । दायित्व मिलने पर वरूण राठी,भावेश नवरंगे,विशु गुप्ता, कंचन साहू ,लक्ष्य साहू , दुष्यंत पटेल, नीलकंठ साहू, प्रदीप साहू, मेहुल सिन्हा, वासु अग्रवाल,अंजली, दिलेश्वर साहू, परिचय मिश्रा, सर्वेश्वर तिवारी , गीतांशु साहू, तेजेश्वर साहू सहित शुभचिंतको ने बधाई प्रेषित किया है।

पौधारोपण कर मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव

अभनपुर। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बड़े उरला परिसर में पौधरोपण कर प्रवेशोत्सव मनाया गया। उपस्थित अतिथियो द्वारा नवप्रवेशी बच्चो को तिलक,पुष्पगुच्छ व मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। शाला प्रवेश उत्सव मे अतिथियो ने छात्र छात्राओ को पुस्तक,पेन,गणवेश प्रदान करते कहा कि विद्यार्थी जीवन मानव जीवन का सबसे बहुमूल्य समय है जिसका समय रहते लाभ लेना चाहिए उन्होने बच्चो को नियमित रूप से स्कूल आने का आव्हान किया। इस मौके पर विद्यालय स्टॉफ, अतिथी व बच्चो को न्यौता भोज क राया गया। इस दौरान शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष रामदास मिरी,प्रधानपाठक पवन गुरूपंच, पूर्व पार्षद डॉ एसएल चन्द्राकर, सहायक खंड शिक्षा अधिकारी अजय वर्मा, पार्षद शिवनारायण बघेल, बीबी वर्मा, एचआर गिलहरे,रतन गिलहरे, इतवारी राम बघेल, व्यासनारायण पटेल, प्रेमलता साहू, दुलीचंद गिलहरे, विजयलक्ष्मी, आरती, फुलमनी उपस्थित रहे।

औद्योगिक नीति के लिए प्रदेश सरकार को सुझाव देने उद्योगों ने की बैठक

रायपुर। प्रदेश में विष्णुदेव साय की सरकार नई औद्योगिक नीति बनाने वाली है। इसके लिए उद्योगों से सुझाव लिए जा रहे हैं। इसको देखते हुए उरला एसोसिएशन ने सोमवार को उद्योग संघों की एक बैठक करके उनसे सुझाव लिए हैं। अब इन सुझावों को प्रदेश सरकार को भेजा जाएगा। उरला एसोसिएशन के अध्यक्ष अश्विन गर्ग ने बताया, छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कामर्स सहित प्रदेश के 21 उद्योगों की एक बैठक की गई। इसमें उद्योगों ने सुझाव लिए गए हैं। अब सभी संघों के सुझावों को शामिल करके एक सुझाव पत्र बनाकर सरकार को दिया जाएगा।

न्याय संहिता : मंदिर हसौद थाना प्रांगण में आयोजित किया नए कानून पर कार्यक्रम

गृहमंत्री शाह के नेतृत्व में कानून व्यवस्था होगी सुदृढ़ : खुशवंत

हरिभूमि न्यूज ⏭ चंदखुरी/मंदिर हसौद

मंदिर हसौद थाना प्रांगण में आयोजित /"नए भारत का नया कानून जागरुकता शिविर में शामिल हुए विधायक श्री गुरु खुशवंत साहेब जी कार्यक्रम में उपस्थित जनों को सम्बोधित करते हुए विधायक श्री गुरु खुशवंत साहेब जी ने कहा

- नए कानून से मिली राहत और न्याय मिलेगा शीघ्र

कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल निर्देशन एवं गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के नेतृत्व में कानून व्यवस्था सुदृढ़ हो रहा हैं। भारतीय दंड संहिता अब भारतीय न्याय संहिता बन चुकी है। अंग्रेजों के बनाए /"दंड विधानों/" से हम /"न्याय विधानों/" की ओर उन्मुख हो चुके हैं। जहां भारतीय दंड संहिता, 1860 के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता, 2023, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 के स्थान पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के स्थान पर भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 को नये सिरे से नये क्लेवर में प्रस्तुत किया गया है। इस अवसर पर तहसीलदार राजकुमार साहू, नायब तहसीलदार श्रुति शर्मा,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायपुर ग्रामीण कीर्तन राठौर, सचिन सिंह थाना प्रभारी मन्दिर हसौद, उपनिरीक्षक गोकुल साहू जी, रामेंद्र यादव, सहायक निरक्षक छक्कन साहू जी,

सहायक उपनिरीक्षक रेखलाल भारती, चंद्रहास वर्मा, प्रधान आरक्षण धर्मेंद्र वर्मा,अशोक वर्मा, आरक्षक निहाली साहू, किशोर कुमार देशमुख, सुरेश भगत, यादराम यादव, राकेश साहू, राकेश हिरवानी, लुकेश्वर वर्मा, प्रदीप चंद्रवंशी, अशोक प्रधान, धर्मेंद्र भरतपहरी, देवेंद्र माधुरी, सुरुति पटेल, मोहन कोसरिया, बंशी साहू, निहाली साहू, मंजीत भट्ट, हरिश्चन्द्र नायक, राजेश यादव, भूपेंद्र खूंटे, नपेंद्र सिंह, खिलेश्वरी साहू, मोहित रावटे, जितेंद्र सलामे, संतोष चंद्राकर, तुलशी नेताम, महिला आरक्षक पार्वती जांगड़े, रामकुमार वर्मा , निर्मल सुल्तान, सहित पुलिस विभाग के अधिकारी कर्मचारी, जनप्रतिनिधिगण कृष्णा वर्मा, बलवंत यादव, अनुज वर्मा, रामजी वर्मा, उमेश निर्मलकर, बलराम सोनवानी, दिवाकर जांगडे सरपंच छतौना, भुनेश्वर यदु सरपंच नवागांव, गोपी मार्कण्डेय, भागी गहने, बबला चेलक, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, गणमान्य, आमजन उपस्थित थे।

थाने में हुई कार्यशाला, दी नए कानूनों की जानकारी

आरंग। पुरे देश में 1 जुलाई से नया कानून लागू हुआ है, इसके संबंध में आरंग थाना में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें एसडीएम पुष्पेंद्र शर्मा, थाना प्रभारी राजेश सिंह ने उपस्थित बाजार समिति के सदस्यों एवं आम जनता को नए कानून के संबंध में सभी को जानकारी दी और बताया कि तीन कानून जनता के हित को ध्यान में रख कर बनाये गए हैं। भारतीय दंड संहिता अब भारतीय न्याय संहिता में परिवर्तित कर दिया गया है। भारतीय दंड संहिता 1860 के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता 2023, दंड प्रक्रिया संहिता 1973 के स्थान पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 के स्थान पर भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 को नये सिरे से नये क्लेवर में प्रस्तुत किया गया है। इस अवसर पर बाजार समिति के अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन के नेतृत्व में आरंग थाना के नए थाना प्रभारी राजेश सिंह से सौजन्य मुलाकात कर उनका स्वागत किया।

सामूहिक हत्या में मॉब लीचिंग के तहत फांसी की सजा

तिल्दा नेवरा। 1 जुलाई से भारतीय न्याय संहिता में एक बड़ा बदलाव हो गया है। केंद्र सरकार द्वारा लाए गए इस बदलाव के तहत भारतीय न्याय संहिता में कई धाराएं बदल गई, वहीं पुलिस विभाग के भी कई नियमों में परिवर्तन देखने को मिलेगा। नए कानून के तहत पुलिस के काम करने के तरीके में भी कई अहम बदलाव देखने को मिलेगा, नए कानून के लिए पुलिस अनुसंधान के अधिकारियों को इसकी ट्रेनिंग दी गई है यह सभी कानून आज 1 जुलाई से लागू हो गए है।

अब तक हत्या के आरोप में 302 के तहत कार्रवाई होती थी लेकिन अब इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 ए के तहत कार्रवाई होगी। ऐसे ही धोखाधड़ी करने वालों पर धारा 420 के तहत अपराध दर्ज होता था इसमें भी अब बदलाव कर इसे भारतीय न्याय संहिता की धारा 316 कर दिया गया है, इसी तरह सामूहिक हत्या में पहले कोई धारा नहीं थी लेकिन अब मॉब लीचिंग के तहत फांसी की सजा दी सजा सकेगी। इसी तरह दुष्कर्म के लिए 376 की जगह 64 बीएस लगाई जाएगी। बता दे की आईपीसी 1960 की 511 धारा थी जिन्हें अब नए कानून भारतीय न्याय संहिता में घटाकर 358 कर दिया गया है। इंडियन पेनल कोड की जगह भारतीय न्याय संहिता और क्रिमिनल प्रोसीजर कोड की जगह भारतीय नागरिक संहिता अधिनियम लागू हो जाएगा। नए कानून के अनुसार किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार करने पर पुलिस को उसके परिवार को जानकारी देनी होगी।आज नेवरा थाना में कार्यक्रम आयोजित कर इसकी जानकारी दी गई।थाना प्रभारी जितेंद्र एसैया, तहसीलदार ज्योति मशियारे, पालिका अध्यक्ष लेमिक्छा गुरु डहरिया सहित पार्षद गण गण्मनायजन उपस्थित हुए।

बच्चे शिक्षा के साथ संस्कार व संस्कृति भी ग्रहण करें

हरिभूमि न्यूज ⏭ तिल्दा नेवरा

तिल्दा ब्लॉक के शासकीय हाई स्कूल भींभोरी में सोमवार को भव्य रूप से संकूल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया। नवप्रवेश में बच्चों को पुस्तक गणवेश के साथ मिष्ठान वितरण किया गया। आज अतिथियों के साथ- साथ पालकों शिक्षक ने नन्हे बच्चों का स्वागत किया गया। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष राम पंजवानी, जिला पंचायत सदस्य राजू शर्मा, जनपद पंचायत सदस्य चंद्रकांत साहू, सरपंच आर के वर्मा, उपसरपंच नरसिंह वर्मा, प्राचार्य बीपी वर्मा, संकुल समन्वयक सुभाष गिरी गोस्वामी, शाला प्रबंधन समिति और पालक गण विद्यालय में हो रहे कार्यों से प्रसन्नता व्यक्त की। सरकारी स्कूल के इस तरह से कायाकल्प पर सभी अतिथियों ने प्रधान पाठक शिक्षक सहित पूरे ग्रामवासियों को शुभकामनाएं दी। राम पंजवानी ने कहा कि बच्चे शिक्षा के साथ संस्कार व संस्कृति भी ग्रहण करें, जीवन में हर क्षेत्र में आपको आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। स्वच्छता पर विशेष ध्यान रखें शिक्षकों से कहा जो बच्चे स्कूल नहीं आते हैं या पढ़ाई ठीक से नहीं करते हैं तो उनके परिवार जनों से सम्पर्क कर बच्चों स्कुल आने के लिए प्रेरित करें। जिला पंचायत सभापति राजू शर्मा ने कहा कि आज का युग इंगलिश मिडियम का है, शासकीय स्कुल में दर्ज संख्या कम हो रहीं हैं पढ़ाई की गुणवत्ता में सुधार करें। नियमित स्कूलों में शिक्षकों उपस्थिति रहे। पौधारोपण पर भी ज़ोर दिया, कहां हर पालक एक पौधा ज़रूर लगाये जनपत पंचायत के सदस्य चंद्रकांत साहू ने कहा बच्चे पढ़ेंगे तो देश आगे बढ़ेगा समाज और परिवार आगे बढ़ेगा। बच्चों से कहा नियमित स्कुल आ कर पढ़ाई करें सरपंच आर के वर्मा ने कहा गाँव का विकास तभी होगा जब शिक्षा का स्तर सुधरेगा। स्कूल में बड़ा रंगमंच और प्रार्थना के लिए शेड निर्माण की मांग रखी।

पीपला फाउंडेशन ने किया शिक्षादान केंद्र का शुभारंभ

आरंग। सोमवार को पीपला वेलफेयर फाउंडेशन एवं गायत्री शक्तिपीठ के संयुक्त संयोजन में शिक्षादान केंद्र का शुभारंभ गायत्री मंदिर आरंग में वेदमाता गायत्री व मां सरस्वती की छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित व गायत्री मंत्र से किया गया। फांऊडेशन के संयोजक महेन्द्र पटेल ने बताया गत वर्ष भी शिक्षादान केंद्र जून से फरवरी माह के अंत तक सफलता पूर्वक संचालित किया गया। जिसमें सैकड़ों छात्र–छात्रएं नियमित रूप से उपस्थित होकर लाभान्वित हुए। शिक्षादान केंद्र में पढ़ने वाले सभी छात्रें का परीक्षा परिणाम बेहतर रहा। अरूंधति स्कूल में कक्षा दसवीं में टापर रहे छात्र टीकम चेलक शिक्षादान केंद्र में अध्ययनरत रहे। वहीं हास्टल की बालिकाओं का परिणाम भी शत–प्रतिशत रहा। गत वर्ष की शानदार सफलता को देखते हुए इस वर्ष भी शिक्षा सत्र के शुभारंभ से ही शिक्षादान केंद्र संचालित किया जा रहा है। जिसमें आरंग के इंजीनियरिंग की पढ़ाई किए हुए नीरज साहू प्रतिदिन गायत्री शक्तिपीठ आरंग में नवमी, दसवीं के छात्र–छात्रओं को प्रातः 8 बजे से गणित व विज्ञान विषय निःशुल्क पढ़ाएंगे। वहीं शिक्षादान केंद्र संचालन के लिए विशेष रूप से फांऊडेशन के अध्यक्ष दूजेराम धीवर, संयोजक महेन्द्र कुमार पटेल, सक्रिय सदस्य छत्रधारी सोनकर, ब्रजेश अग्रवाल सहित फाउंडेशन के अन्य सदस्यगण प्रतिमाह सहयोग प्रदान करेंगे। वहीं शिक्षादान केंद्र संचालन के लिए आवश्यक सामग्री वर्ष भर सोनू–मोनू बुक डिपो द्वारा प्रदान किया जाएगा।

इस अवसर पर पीपला फाउंडेशन से दूजेराम धीवर, महेन्द्र पटेल, कोषाध्यक्ष कोमल लाखोटी, सचिव अभिमन्यु साहू, नीरज साहू, भागवत जलक्षत्री, रमेश देवांगन, प्रतीक टोण्डरे, ब्रजेश अग्रवाल, राहुल पटेल, गायत्री शक्तिपीठ आरंग से मुन्नालाल साहू, शिक्षक ओमप्रकाश साहू सहित शिक्षा दान केंद्र में अध्ययन करने वाले छात्र–छात्रओं की उपस्थिति व सहभागिता रही। वहीं फाउंडेशन के सदस्यों ने नवमी, दसवीं पढ़ने वाले छात्र–छात्रओं को शिक्षा दान केंद्र गायत्री शक्तिपीठ आरंग में भेजने अपील किए हैं।

शिक्षकों को एफएलएन प्रशिक्षण बच्चों की प्रतिभा निखारने का कारगर उपाय

आरंग। सोमवार को एफएलएन प्रशिक्षण के चौथे चरण का सफलतापूर्वक समापन किया गया।

- प्रशिक्षण के समापन पर चुनौती के लिए संकल्पित हुए शिक्षक

ज्ञात हो की यह प्रशिक्षण राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद रायपुर के मार्गदर्शन में विकासखंड में आयोजित हुआ। जिसमें विकासखंड के सभी शिक्षकगणों की सहभागिता रही। चौथे चरण में मास्टर ट्रेनरों ने ई–जादुई पिटारा ऐप, पुस्तकालय प्रबंधन, पुस्तकालय से विद्यार्थियों एवं पालको को जोड़ना, प्रिंट रिच वातावरण का निर्माण, बहुभाषा शिक्षण, एफएलएन प्रश्न मंच, विशय मित्र, गली मित्र, नवाजतन एवं एफएलएन प्रशिक्षण का आउटपुट बच्चों की प्रतिभा का निखरना एवं तेजी से सीखने के लिए प्रोत्साहित होना आदि पर टिप्स दिए। वहीं शिक्षकों ने भी अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए सामूहिक

गतिविधियों के माध्यम से गीत, कहानी एवं सहायक सामग्री का उपयोग, कबाड़ से जुगाड़, रूम टू रीड की समीक्षा आदि पर रोचक प्रस्तुतीकरण देते हुए सामूहिक स्वर में कहा कि बच्चों के लर्निंग आउटकम, दक्षता की दिशा में शैक्षिक कार्य में समस्याएं आती है पर वे इस प्रशिक्षण के बाद इन चुनौतियों को स्वीकार करते हुए बच्चों को उनके वांछित लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए अधिकतम प्रयास करेंगे। विकासखंड शिक्षा अधिकारी निहाली प्रसाद कुर्रे एवं विकासखंड स्त्रेत समन्वयक मातली नंदन वर्मा के संयुक्त निर्देशन व शिक्षकों तथा ट्रेनरो के उत्साह से चार चरणों में 48 संकुल की सहभागिता रही। इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर राजमोहन श्रीवास्तव (एसआरजी), अमित अग्रवाल, सुमन चतुर्वेदी, युवराम साहू, डोमन लाल डहरिया, विश्राम बंजारे, रितेश ठाकुर, गिरजाशंकर अग्रवाल, विजय देवांगन, होरीलाल पटेल, भागीरथी धर्मगुड़ी लखमेंदर बौद्ध, किशोर शर्मा, शैक्षिक मिडिया प्रभारी अरविंद वैष्णव आदि के साथ–साथ शिक्षक समुदाय इंद्रा साहू, अनुसुइया साहू, छोटूराम साहू, उमेंद्र चंद्राकर, रुक्मणी पटेल, संज्ञा चंद्राकर, मयूरी गोंड़, संध्या सोनी त्रिवेणी धुरव, विवेक प्रकाश सिन्हा, गिरिजा चंद्राकर, रमेश यादव, उदयराम साहू, सुशील आवड़े, हेमूराम साहू, सोनल मिश्रा, संतोष चंद्राकर, सीमा भांडेकर, पिंकी गुप्ता, पवन कुमार साहू, गणेश साहू सहित सहित आरंग समोदा एवं चंदखुरी जोन के चार चरणों में कुल 890 शिक्षकों की सहभागिता रही।

आईटीआई भवन व हॉस्टल निर्माण के लिए भूमिपूजन

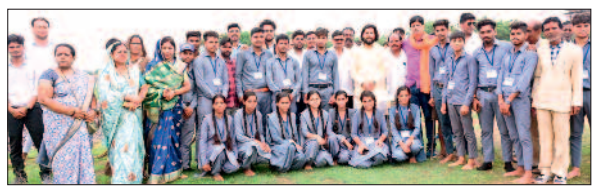

आरंग। विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने आरंग विधानसभा के अंतर्गत ग्राम पंचायत टेकारी में बनने वाले आईटीआई भवन एवं 50 छात्रें के क्षमता वाले हॉस्टल भवन का विधिवत भूमिपूजन किया।

भूमिपूजन कार्यक्रम पश्चात शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला टेकारी में आयोजित शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल होकर नवीन सत्र के लिए सभी छात्र–छात्रओं को बधाई दी। विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने छात्रें को संबोधित करते हुए कहा कि सभी बच्चे मन लगाकर पढ़ाई करें और राष्ट्र को सशक्त बनाने में अपनी भूमिका निभाये।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य ललिता वर्मा, जनपद सदस्य संजय शर्मा, मंडल अध्यक्ष —ष्णा वर्मा, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि डुमेन्द्र साहू, भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण, लोकनिर्माण विभाग के अधिकारीगण, शिक्षक–शिक्षिकाएं, विद्यार्थीगण एवं गणमान्यजन उपस्थित रहें

शाला प्रवेशोत्सव में बच्चों के साथ पहुंचीं मम्मियां

तिल्दा नेवरा। शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला तिल्दा में शाला प्रवेश उत्सव एवं पढ़ाई तिहार के अंतर्गत अंगना में शिक्षा कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हमारी शाला समिति के अध्यक्ष श्री लक्ष्मी नारायण वर्मा, श्री दिलीप वर्मा, श्री डोमार् सिंह नायक, कोमल चौहान ,देवा दास टंडन श्रीमती गौरी वर्मा जी , प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला के प्रधान अध्यापिकाएं श्रीमती भुवनेश्वरी वर्मा श्रीमती स्वाति भारद्वाज एवं समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के साथ-साथ भारी संख्याओं में माताओ ने भी अपनी उपस्थिति दी। माताओ ने बच्चों के साथ मिलकर विभिन्न तरह के खेल भी खेले अध्यक्ष श्री लक्ष्मी नारायण वर्मा ने माताओ को संबोधित करते हुए कहां की बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए माता का सहयोग अति आवश्यक है बच्चों को रोज स्कूल आने के लिए प्रेरित करें एवं घर में भी उन्हें पढ़ाई के लिए उचित माहौल प्रदा प्रदान करें । बच्चों को तिलक लगाकर उनका मुंह मीठा कराकर कापी किताब एवम गणवेश भी वितरण किया गया।

केक काटकर डा. विधानचंद्र राय को याद किया

डाक्टरों ने मनाया चिकित्सा दिवस और हेल्थ शिविर लगाने पर चर्चा की

हरिभूमि न्यूज ⏭ चंदखुरी

चिकित्साको के योगदान को मान्यता देने के लिए मनाया जाने वाला दिन है. डॉक्टर्स डे की तारीख अलग-अलग देशों में भिन्न होती हैं. कुछ देशों में इस दिन को छुट्टी होती है. पूरे भारत में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस 1 जुलाई को मनाया जाता है. इस दिन भारत के प्रसिद्ध चिकित्सक और पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र रॉय की याद किया जाता है. उनका जन्म 1 जुलाई 1882 को हुआ था और इसी तारीख को 1962 में उनका निधन हो गया था। पहला डॉक्टर्स दिवस 28 मार्च 1933 को विंडर, जॉर्जिया में मनाया गया था इसी उपलक्ष्य में आरंग विधानसभा क्षेत्र के माता कौशल्याधाम चंदखुरी में राष्ट्रीय चिकित्साक दिवस के अवसर पर डॉक्टरों ने काटकर मनाया गया।

चिकित्सा दिवस डॉक्टर रॉय ने

मानवता की सेवा में जो अभूतपूर्व योगदान दिया उसको मान्यता देने के लिए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस को मनाने की शुरुआत की थी। आज डॉक्टर डे पर त्रिवेणी डेंटल केयर और माता कौशल्या हॉस्पिटल चंदखुरी रायपुर के द्वारा आस पास के ग्रामीण क्षेत्र में सेवा देने वाले डॉक्टर के साथ आज चिकित्सक दिवस मनाया गया।

माता कौशल्याधाम चंदखुरी में सन 2023 से चिकित्सा दिवस मनाने की प्रक्रिया प्रारंभ किया गया है डॉक्टरों की सूझबूझ से उत्सव में प्रमुख रूप से द्वितीय वर्ष में डॉक्टर गौरव साहू, डॉ मीनाक्षी साहू, डॉ पंकज वर्मा, डॉ आरती वर्मा, डॉ सन्तोष वर्मा, डॉ राम जी वर्मा, नन्द साहू भूपेन्द्र साहू और हॉस्पिटल के सभी स्टाफ़ उपस्थित थे । डॉक्टर ने बताया कि माता कौशल्या धाम चंदखुरी के क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्रामों में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। त्रिवेणी डेंटल केयर 2 वर्षों से लगातार सेवा देते आ रहे है, यहाँ दांतों के सभी इलाज होते है ग्रामीण क्षेत्रों में सुविधा मिलना अच्छा है। माता कौशल्या हॉस्पिटल 6 वर्षों से कार्य कर रहा है। यहाँ लैब, एक्स रे, सोनोग्राफी, फार्मेसी, ऑपरेशन की सुविधा है। प्रमुख सुविधाओं का आसपास के क्षेत्र ग्रामीणों को प्रमुख स्वास्थ्य मुद्दिया उपलब्ध करया जा रहा है

राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस पर डाक्टरों किया का सम्मान

आरंग। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ द्वारा "राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे" कार्यक्रम सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मे मनाया गया। ब्लॉक आरंग के सभी डॉक्टरो का पुष्पगुच्छ, श्रीफल एवं पेन भेट कर सम्मान किया गया। ब्लॉक अध्यक्ष सालिक नौरंगे ने बताया की 1 जुलाई को राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे मनाया जाता है, विगत 4 वर्ष से आरंग मे संघ द्वारा डॉक्टरो के सम्मान के लिए यह आयोजन किया जा रहा है। हमारे डॉक्टर्स पीड़ित मानव के सेवक है, कोरोना काल मे बहुत बड़ी त्रसदी से फ्रंटलाईन वर्कर बनकर हमारे चिकित्सको ने अपनी जान की परवाह न करते हुए कोरोना को हराने मे अहम भूमिका निभाया है इनको धरती का दूसरा भगवान माना गया है और इनके योगदान की सराहना पूरा समाज करता है। सम्मानित होने वाले डॉक्टर्स मे खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय लक्ष्मी अनंत, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ ए.एन टोप्पो, डॉ दास, डॉ. हरीश बाघ, डॉ. विजय डेमरा, डॉ. अनामिका कुर्रे, डॉ. देवेंद्र बंजारे, डॉ. अबार मुहम्मद खां, डॉ. शिल्पा कटारिया, डॉ. शिवानी नायक, डॉ. भूपेश गेंन्द्रे, डॉ. राहुल चोपड़ा को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बीपीएम दीपक मिरे, अरविंद चंद्राकर, रुनू दत्ता, महेश चंद्राकर, बेदराम चतुर्वेदी, मुकेश टंडन, नरेश साहू, ईश्वर कन्नौजे, जयप्रकाश गेंन्द्रे, एम.डी. बेडकर, शिव साहू, असवन टंडन, संतोष कन्नौजे, भुनेश्वर खंडेलवाल, चंद्रशेखर राव, टकेश सेन, रमा भारती झा, मौसमी कर्मकार, दिलीप सिंह, अनपूर्णा वर्मा, गिरधर साहू, मुकेश साहू, प्रहलाद, टीकम साहू एवं बड़ी संख्या मे स्वास्थ्य कर्मचारी उपस्थित थे।

ओवैसी का शिवसेना ने किया पुतला दहन

आरंग। नए सरकार के गठन के बाद संसद भवन मे सांसदों के शपथ ग्रहण समारोह में भारत माता का अपमान करते हुए फिलिस्तीन का जयकारा लगाने वाले तेलंगाना के सांसद ओवैसी का शिवसेना आरंग ने पुतला दहन किया। रायपुर ग्रामीण जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा के नेतृत्व मे बस स्टैंड आरंग मे ओवैसी मुर्दाबाद का नारा लगाते हुए पुतला दहन किया गया। साथ ही महामहिम राष्ट्रपति के नाम अनुविभागीय अधिकारी आरंग को ज्ञापन सौंप ओवैसी की संसद सदस्यता खत्म करने की मांग की गई। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष केशव वैष्णव, विधानसभा अध्यक्ष राजा तोड़े, विधानसभा उपाध्यक्ष बादल सूर्यवंशी, नगर अध्यक्ष राज दुबे, व्यास सोनकर, राकेश चंद्राकार, टेकु देवांगन, सूरज शर्मा, उजाला जलक्षत्री, रोशन ठाकुर, रेखराज अग्रवाल, जागेश्वर कुर्रे, रवि लोधी, कोमल यादव, कमलेश निर्मलकर, जितेन्द्र निषाद, नवीन यादव, बादल निषाद, ढालेंद लोधी, पुनेश्वर गिरी, अभिनय यादव एवं अधिक संख्या में शिवसैनिक उपस्थित थे

खबर संक्षेप

शिवसेना ने जलाया गो-तस्करों का पुतला

रायपुर। लगातार बढ़ रही गो-तस्करी के विरोध में सोमवार को शिवसेना (शिंदे गुट) रायपुर जिला इकाई द्वारा रायपुरा चौक में गौ-तस्करों का पुतला दहन किया गया। इस मौके पर कामगार सेना जिलाध्यक्ष संजू साहू ने बताया कि प्रदेश में लगातार गौ-तस्करी बढ़ रही है और ये गौ-तस्कर सोशल मीडिया पर भी सक्रिय हैं। प्रदेश में सक्रिय गो-तस्करों का पुतला जलाकर उन्हें समझाइश दी गई कि तस्करी छोड़ दो। इस दौरान गौ तस्कर मुर्दाबाद के नारे लगाकर पुतला जलाया गया। पुतला दहन में मुख्य रूप से संजय सोनकर, किशन साहू, गिरिराज देवांगन, अमर नायक, महावीर यादव, नरेंद्र प्रजापति, लीलाधर यदु, सदा साहू, मोनू निर्मलकर, मुकुंदा यादव, खिलेश्वर देवांगन, रितेश साहू एवं अधिक संख्या मे शिवसैनिक उपस्थित थे।

महापौर की तबीयत बिगड़ी डाक्टरों ने कहा- निगरानी में

रायपुर। महापौर एजाज ढेबर की तबीयत सोमवार को अचानक खराब हो गई। उन्हें इलाज के लिए सिविल लाइंस स्थित फरिश्ता

नर्सिंग होम में दाखिल किया गया है। कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. ए फरिश्ता ने बताया कि उनकी हालत ठीक है, केवल सावधानी बरतते हुए उन्हें चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है। ढेबर सोमवार की रात लोगों से मिल रहे थे, इसी दौरान उनकी तबीयत बिगड़ी। असहज महसूस होने पर उन्हे उपचार के लिए तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। सावधानी बरतते हुए चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच के बाद उन्हें आईसीयू में दाखिल किया है। आशंका जताई जा रही है कि उनका ब्लड प्रेशर हाई हो गया था।

वाहन किराए पर लेने पर प्रतिबंध में मिली छूट

रायपुर। राज्य शासन द्वारा शासकीय अधिकारियों के लिए किराए पर वाहन लेने पर प्रतिबंध लागू किया गया है। यह प्रतिबंध इसी साल मई से लागू है, लेकिन अब राज्य सरकार ने इस प्रतिबंध में कुछ छूट का आदेश भी जारी किया है। इस संबंध में शासन के सभी विभागो, अध्यक्ष राजस्व मंडल, सभी विभागाध्यक्ष, सभी संभागायुक्त, सभी कलेक्टरों को इस निर्णय से अवगत कराया गया है। इस संबंध में अब सरकार के वित्त विभाग ने आदेश जारी किया है। वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि नक्सल विरोधी कार्य एवं वीआईपी सुरक्षा के लिए वाहनों को किराए पर लेने के लिए पुलिस महानिदेशक, एवं जिला कलेक्टर को प्रतिबंध से मुक्त रखा गया है।

जमीनों के खसरों के क्रय-विक्रय पर प्रतिबंधित और मुक्त करने का खेल

रायपुर। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा, भाजपा की सरकार बनते ही रायपुर में आदेश पारित किया जाता है कि अवैध प्लाटिंग पर लगातार कार्रवाई की जायेगी। वहीं रसूखदार एवं

भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों के प्लाटिंग पर किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं की जा रही है और यदि कहीं-कहीं पर की गई है, तो उसे पुनः प्रतिबंधित सूची से हटा दिया गया। हम ऐसे दोहरे चरित्र वाली कार्रवाई का विरोध करते हैं और सरकार से मांग भी करते हैं कि छोटे-छोटे भू-स्वामी लोग प्लाटिंग करके जीवन-यापन कर रहे हैं, इस पर कार्रवाई न की जाये। उन्होंने इसी संदर्भ में जिलाधीश को एक पत्र लिखा है जिस पर रायपुर जिले में भू-स्वामियों द्वारा उनके निजी जमीनों के खसरों के क्रय-विक्रय पर प्रतिबंधित लगाया जा रहा है। अवैध प्लाटिंग का रूप देकर फिर उन्हीं खसरों को किस मापदण्ड के आधार पर मुक्त भी किया जा रहा है, इसकी जानकारी मांगी है।

सरकार का आदेश, विभागीय जांच एक साल में हो पूरी, सचिव को समीक्षा के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य सरकार ने आदेश जारी किया है कि किसी भी अधिकारी कर्मचारी के खिलाफ अगर विभागीय जांच शुरु की जाती है, तो उसे एक साल में पूरा किया जाना चाहिए। इसके साथ ही ये भी कहा गया है कि विभागीय सचिव समय-समय पर विभागीय जांच प्रकरणों की समीक्षा भी करते रहें। यह आदेश इसलिए जारी किया गया है कि सरकारी विभागों में विभागीय जांच के मामले बरसों-बरस चलते रहते हैं। इसकी वजह से निलंबन की अवधि में शासकीय सेवक को वेतन देना पड़ता है और संबंधित अधिकारी कर्मचारी कोई काम भी नहीं करते हैं। छत्तीसगढ़ सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में प्रदेश के सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव, विशेष सचिव, के लिए आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि शासन के ध्यान में यह आया है कि विभागीय जांच के मामलों को लेकर पूर्व में जारी आदेश का पालन समुचित रूप से नहीं किया जा रहा है। विभागीय जांच के प्रकरणों को एक वर्ष के अंदर पूरा करना आवश्यक है। लेकिन कई विभागों द्वारा विभागीय जांच एक साल में पूरी नहीं की जा रही है। ऐसे में आरोपी शासकीय सेवक कई वर्षों तक निलंबन में रहते हैं। विभागीय जांच समाप्त होने के बाद उन्हें बहाल किया जाता है। यदि आरोपी विभागीय जांच में निर्दोष साबित होता है तो शासन को उसके निलंबन काल का पूरा वेतन और भत्ता देना पड़ता है।

सरकार ने सभी विभागों से सालभर से लंबित प्रकरणों का ब्योरा मांगा

बिना कारण जांच में करते हैं देर

सरकारी आदेश में यह भी कहा गया है कि अनेक विभागों में विभागीय जांच के प्रकरण बिना यथोचित कारणों से अनावश्यक रूप से लंबे समय तक लंबित रहते हैं। इसकी वजह से शासन और शासकीय सेवक दोनों पक्षों को अनावश्यक कठिनाई का सामना करता पड़ता है। इसलिए यदि किसी प्रकरण में निर्धारित समय से अधिक विलंब किसी स्तर पर होता है तो यथोचित कारणों के न पाए जाने पर विलंब के संबंध में उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए संबंधित उत्तरदायी अधिकारियों- कर्मचारियों के विरुद्ध सक्षम अधिकारी द्वार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जानी चाहिए।

विभागीय सचिवों को समीक्षा के निर्देश

राज्य शासन ने कहा है कि विभागीय जांच के प्रकरणों को समय सीमा में निपटाया जाना चाहिए। इसके साथ ही विभागीय सचिव को समय समय पर ऐसे जांच प्रकरणों की समीक्षा करना चाहिए। आदेश में यह भी याद दिलाया गया है कि विभागीय जांच प्रकरणों में विलंब की स्थिति को समाप्त करने के उद्देश्य से 10 मार्च 1997 में आदेश दिया गया था कि जांचकर्ता अधिकारी एवं प्रस्तुतकर्ता अधिकारियों की संविदा नियुक्ति सेवानिवृत्त अधिकारियों के पैनल से की जाए। राज्य सरकार ने सभी विभागों से कहा है कि वे अपने विभाग में एक साल से अधिक समय से लंबित प्रकरणों की जानकारी सामान्य प्रशासन विभाग को उपलब्ध कराएं।

एक गुमनाम पत्र में भूपेश बघेल सहित कई बड़े नेताओं को हार का जिम्मेदार बताया

कांग्रेस गुटबाजी, भितरघात और सत्ता-संगठन में तालमेल की कमी के कारण चुनाव हारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की हार की समीक्षा के दौरान राजीव भवन में सोमवार को राजनांदगांव और दुर्ग लोकसभा सीट से फैक्ट फाइंडिंग कमेटी ने 150 से अधिक लोगों से वन-टू-वन मुलाकात कर उनसे चर्चा कर हार के कारणों के बारे में जाना। चार दिन की समीक्षा के बाद यह बात सामने आई कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस गुटबाजी, भितरघात और सत्ता-संगठन में तालमेल की कमी के कारण चुनाव हारी। समीक्षा बैठक में फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के सदस्य वीरप्पा मोइली और हरीश चौधरी सभी लोकसभा की समीक्षा के बाद इसकी रिपोर्ट एआईसीसी को देंगे। सोमवार को राजनांदगांव और दुर्ग लोकसभा की बैठक के बीच एक गुमनाम पत्र बाहर आया, जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नाम से लिखे गए पत्र में भूपेश बघेल सहित कई बड़े नेताओं को हार का जिम्मेदार ठहराया गया है। इसमें लिखा गया कि बड़े नेताओं के अहंकार की वजह से छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की हार हुई है। डॉ. चरणदास महंत, अकबर और ताम्रध्वज के खिलाफ भी शिकायत की गई है। पत्र में यह भी लिखा गया है कि महंत ने भूपेश और डहरिया को निपटाया है। पत्र में कहा गया है कि चुनाव परिणामों पर समीक्षा करने आज नेता दिल्ली से रायपुर पहुंचे और विधानसभा, लोकसभा में हार के कारणों पर चर्चा की, जबकि आप स्वयं राहुल गांधी, कुमारी सैलजा, चन्दन यादव, रत्नगिरी उल्का और प्रदेश की जानती है कि हार के मात्र दो कारण हैं।

> ■ लोकसभा में कहां ज्यादा मत मिले, कहां कम, इसको लेकर जुलाई के पहले सप्ताह में होने वाली बैठक में होगा मंथन

हार के ये कारण बताए

पहला कारण भूपेश बघेल का अहंकार और बदतमीजी से बात करना, एकला चलो की रणनीति संगठन को दरकिनार करके चलना। जातिवाद की मानसिकता, उनका भ्रष्टाचार और गलत टिकट वितरण करना है। हार का दूसरा कारण बताते हुए कहा गया है सौम्या, रामगोपाल, गिरीश देवांगन, अनिल टुटेजा, सूर्यकांत, विनोद वर्मा, प्रदीप शर्मा, राजेश तिवारी, ढेबर जैसे लोग और सट्टा, शराब, कोयला, डीएमएफ, जीएसटी, पीएससी जैसे कई घोटाले, जिनके कारण बघेल पिता-पुत्र और दामाद पर ईडी की कार्रवाई की संभावना से डरकर भूपेश बघेल की भाजपा से डीलिंग हुई। विधानसभा और लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को हराने का पूरा षड्यंत्र हुआ, जिसमें बघेल ने पूरी कांग्रेस को प्रदेश में हासिए पर ला दिया, तभी इनके मंत्रिमंडल के सभी मंत्री भी हार गए।

हारे हुए चेहरों को लोकसभा में दिया टिकट

लोकसभा में फिर हारे हुए पुराने चेहरों को टिकट दिया। दुर्ग से पांच मंत्री थे, सब हारे थे, फिर दुर्ग से चार लोगों को दूसरे क्षेत्रों से टिकट दे दिया। परिणाम ये हुआ कि सब हार गए। ज्योत्सना महंत जीती, तो उसमें चरणदास या कांग्रेस का कोई रोल नहीं है। सरोज पाण्डेय को भाजपा के बड़े नेताओ ने ही हराया, इसमें दो मंत्री और तीन विधायक का रोल है। अमित जोगी और तुलेश्वर मरकाम का भी पैसा लेकर सहयोग लिया गया और भूपेश, ताम्रध्वज, चरणदास, चौबे, अकबर, सिंहदेव तो अपनी विधानसभा में भी पार्टी को लीड नहीं दिला सके।

सत्ता-संगठन में तालमेल की कमी से हारे चुनाव- बैज

वहीं फैक्ट फाइंडिंग कमेटी की बैठक को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, सत्ता-संगठन के बीच तालमेल था, लेकिन कुछ कमियां रहीं, जिसके कारण हमें चुनाव में सफलता नहीं मिली। उन्होंने कहा, सभी सीनियर नेताओं ने कमेटी को सुझाव दिए हैं। आने वाले समय में संगठन को नए तरीके से मजबूत करके सीनियर नेताओं को साथ में लेकर मजबूती से काम करेंगे। आने वाले समय में नगरीय निकाय, पंचायत चुनाव मजबूती के साथ लड़ेंगे। विधानसभा चुनाव के बाद जिला स्तर पर समीक्षा की गई थी। कहीं ना कहीं कुछ कारण रहा होगा। नई रणनीति के साथ आने वाले समय में लड़ा जाएगा।

राजधानी की चारों विधानसभाओं के बूथों की बन रही कुंडली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश में इस साल के अंत में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव को लेकर भाजपा ने अभी से तैयारी प्रारंभ कर दी है। इसके लिए भाजपा के प्रदेश संगठन ने लोकसभा चुनाव में एक-एक बूथ में मिले मतों को लेकर रिपोर्ट बनाने का काम प्रारंभ किया है। राजधानी रायपुर की चार विधानसभाओं का जिम्मा पूर्व सांसद चंदूलाल साहू को दिया गया है। इन विधानसभाओं के हर बूथ की कुंडली बनाने का काम चल रहा है। इस माह के पहले सप्ताह में रायपुर में होने वाली बैठक में बूथों की पूरी कुंडली रखी जाएगी और इस पर मंथन होगा। इसी के साथ संगठन के आने वाले समय में होने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा होगी। मतदाता अभिनंदन कार्यक्रम को लेकर चर्चा करते एक तिथि भी तय की जाएगी। लोकसभा चुनाव में भाजपा के हाथ 11 में से 10 सीटें लगी हैं। इतना सब होने के बाद भी भाजपा प्रदेश ने हर लोकसभा का विश्लेषण कराने का काम प्रारंभ किया है। इसके पीछे सबसे कारण आने वाले समय में होने वाला नगरीय निकाय चुनाव है। भाजपा अब अपनी पूरी ताकत नगरीय निकाय चुनाव में झोंकने की तैयारी में है।

बूथों की बन रही कुंडली

प्रदेश में करीब 25 हजार बूथ हैं। लोकसभा चुनाव में किस बूथ में कितने मत मिले हैं इसको लेकर पूरी जानकारी एकत्रित की जा रही है। रायपुर लोकसभा के लिए राजधानी रायपुर की चार विधानसभाओं का जिम्मा महासमुंद के पूर्व सांसद चंदूलाल साहू को दिया गया है। उन्होंने बताया रायपुर की चारों विधानसभाओं की बैठक करने की तैयारी चल रही है। संभावित तिथि 3 या 4 जुलाई है। हर हाल में पहले सप्ताह में बैठक होगी। इस बैठक में विधानसभा के प्रभारी अपनी-अपनी विधानसभा के बूथों की पूरी जानकारी लेकर आएंगे। इसमें देखा जाएगा किस बूथ में कम मत मिले, किसमें ज्यादा मत मिले हैं। कम मत वाले बूथों पर फोकस करते हुए उन पर नगरीय निकाय चुनाव को देखते हुए उनको मजबूत बनाने की रणनीति तय होगी।

पूर्व में जारी आदेश में संशोधन भी

राप्रसे एवं सचिवालय सेवा के पांच अफसरों का तबादला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य प्रशासनिक सेवा एवं सचिवालय सेवा के पांच अफसरों के तबादला आदेश सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किए हैं। नीलम टोप्पो उपसचिव को सामान्य प्रशासन विभाग (पूल) से संसदीय कार्य विभाग में स्थानांतरित किया गया है। राकेश ध्रुव अवर सचिव को सामान्य प्रशासन विभाग (पूल) से उच्च शिक्षा विभाग, कीर्तिवर्धन उपाध्याय बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग एवं अतिरिक्त प्रभार उच्च शिक्षा विभाग को उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त करते हुए चिकित्सा शिक्षा विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। रेखा साहू अवर सचिव को चिकित्सा शिक्षा विभाग से संसदीय कार्य विभाग तथा सुश्री अंजू सिंह अवर सचिव को सामान्य प्रशासन विभाग कक्ष 9 से वर्तमान कर्तव्यों के साथ साथ सामान्य प्रशासन विभाग कक्ष 13 का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

आदेश में संशोधन भी

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा पूर्व में जारी आदेश में संशोधन करते हुए धुरसिंह धुर्वे अवर सचिव वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को वित्त विभाग के स्थान पर गृह विभाग में पदस्थ किया गया है। नीलम टोप्पो उप सचिव के संसदीय कार्य विभाग में कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से फरदी केरकेट्टा उप सचिव गृह विभाग (अतिरिक्त प्रभार संसदीय कार्य विभाग) केवल संसदीय कार्य विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त होंगे।

भाजपा नेता बोले-

आदिवासी युवक की हत्या पर बैज का बयान ओछी राजनीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर और भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विकास मरकाम ने राजधानी में एक आदिवासी युवक की हत्या के मामले में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के बयान को ओछी राजनीति का परिचायक बताया है। भाजपा नेताओं ने कहा, प्रदेश में विष्णु के

सुशासन की सरकार है और यहां हर एक व्यक्ति की जान अनमोल है। प्रदेश की भाजपा सरकार इस मामले को गंभीरता से लेकर आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई करेगी। श्री ठाकुर व श्री मरकाम ने कहा, कांग्रेस इस मुद्दे पर अपनी ओछी मानसिकता का प्रदर्शन कर घिनौनी राजनीति कर रही है। इस मामले में अपराधी कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा, यह भाजपा और हमारी प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता है। भाजपा नेताओं ने कहा, भाजपा सरकार के खिलाफ प्रलाप करने से पहले कांग्रेस नेताओं को शर्म आनी चाहिए, जिसकी पिछली भूपेश सरकार पर 40 हजार आदिवासी बच्चों की हत्या का कलंक लगा हुआ है। ये 40 हजार बच्चे इलाज के अभाव में मारे गए थे। यह तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने स्वीकार भी किया था।

बैज ने कहा- प्रदेश में बढ़ रहे अपराध, आदिवासी भी असुरक्षित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

एक आदिवासी युवक को पीट पीटकर मारने के मामले में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने साय सरकार पर आरोप लगाया है कि आदिवासी मुख्यमंत्री के राज में आदिवासी भी सुरक्षित नहीं हैं। बस्तर का आदिवासी अब रायपुर में भी सुरक्षित नहीं है। बस्तर के आदिवासी युवक का आखिर क्या कसूर था, जिसे रास्ता पूछने पर मौत के घाट उतार दिया गया? उन्होंने कहा, क्या अनुभवहीन गृहमंत्री दिग्भ्रमित हैं। आखिर क्यों आपराधिक घटनाओं को रोका नहीं जा रहा है। 6 माह में लगातार अपराध की घटनाएं हो रही हैं।

बदमाश पैदल ही चेन स्नेचिंग की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। थाने के भीतर चाकूबाजी की घटनाएं सामने आ रही हैं। नक्सलवाद की घटनाएं भी लगातार बढ़ रही हैं। हर दिन बलात्कार की घटनाएं हो रही हैं। गृहमंत्री अपना जिला नहीं संभाल पा रहे हैं। आदिवासी खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

ऐसे हुआ विवाद शुरू

बस्तर के लोहांडीगुड़ा निवासी मंगल मुरया कलिंगा यूनिवर्सिटी में फर्स्ट ईयर का स्टूडेंट था। वह 24 जून की रात करीब 1 बजे कालीबाड़ी चौक पर खड़ा हुआ था, इसी दौरान बाइक सवार दो लड़के वहां पहुंचे, उन्हें देखकर मंगल ने उनसे लिफ्ट मांगी और आगे तक छोड़ने के लिए कहा, इस पर बाइक सवार लड़के उसे गाली देने लगे। मंगल ने मना किया तो उनमें विवाद शुरू हो गया।

भाठागांव ले जाकर मारपीट, मौत

इसके बाद उन्होंने मंगल को बाइक पर बिठा लिया और भाठागांव स्थित बीएसयूपी कॉलोनी ले गए। जहां उनके साथ मारपीट की, फिर उसकी तलाशी ली तो मंगल के पास से एटीएम कार्ड, पासबुक और अन्य सामान मिला। आरोपियों ने मंगल से एटीएम का पासवर्ड पूछा तो उसने मना कर दिया, इसके बाद आरोपियों ने उसको लात-घूंसों से पीटा, फिर उसका सिर सड़क पर पटक-पटक मारा, जिससे उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

औद्योगिक नीति के लिए प्रदेश सरकार को सुझाव देने उद्योगों ने की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश में विष्णुदेव साय की सरकार नई औद्योगिक नीति बनाने वाली है। इसके लिए उद्योगों से सुझाव लिए जा रहे हैं। इसको देखते हुए उरला एसोसिएशन ने सोमवार को उद्योग संघों की एक बैठक करके उनसे सुझाव लिए हैं। अब इन सुझावों को प्रदेश सरकार को भेजा जाएगा। उरला एसोसिएशन के अध्यक्ष अश्विन गर्ग ने बताया, छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कामर्स सहित प्रदेश के 21 उद्योगों की एक बैठक की गई। इसमें उद्योगों ने सुझाव लिए गए हैं। अब सभी संघों के सुझावों को शामिल करके एक सुझाव पत्र बनाकर सरकार को दिया जाएगा ताकि उद्योगों के लिए एक अच्छी औद्योगिक नीति प्रदेश में बन सके। कई राज्यों ओडिशा, राजस्थान, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों की उद्योग नीति की अध्ययन भी किया जा रहा है। इन राज्यों में उद्योगों के लिए क्या नीति है, उनको देखकर जो भी नीति अच्छी होगी, उसको प्रदेश में लागू करने का सुझाव प्रदेश सरकार को दिया जाएगा।

मानसून सक्रिय, किसान फसलों की बोआई में जुटे

7 लाख हेक्टेयर में बोनी, धान की खुर्रा बोआई कर रहे किसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में 7 लाख 20 हजार हेक्टेयर में विभिन्न प्रकार की खरीफ फसलों की बोआई की जा चुकी है। इन फसलों में धान की खुर्रा बोनी लगभग 5.70 लाख हेक्टेयर और मोटे अनाज, गन्ना और अन्य फसल शामिल हैं। जून में पिछले साल के मुकाबले कम बारिश होने की वजह से कई इलाकों में बोनी पिछड़ गई है। जून के अंतिम सप्ताह में बारिश होने से अब पूरे प्रदेश में किसान खेतों में बोनी करने में जुट गए हैं। जुलाई के पहले सप्ताह में अच्छी बारिश की संभावना देखते हुए किसानों ने अपने खेतों को तैयार कर बोनी करने में लगे हैं। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि चालू खरीफ

सीजन में 48.63 लाख हेक्टेयर में फसल की बुआई की होगी, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 35 हजार हेक्टेयर बढ़ी है। जिन फसलों का रकबा पिछले सीजन के मुकाबले बढ़ा है, उनमें मोटे अनाज का रकबा 3.65 लाख हेक्टेयर हो गया है। पिछले साल के मुकाबले यह 30 हजार हेक्टेयर बढ़ा है। वहीं दलहन की फसल इस साल 2.89 लाख हेक्टेयर में लेने का लक्ष्य है। यह पिछले साल के मुकाबले 14 हजार हेक्टेयर से अधिक बढ़ा है। अन्य फसलों के रकबे में 8 हजार हेक्टेयर की कमी आई है। वहीं गन्ना फसल में कमी आई है। पिछले साल किसानों ने 15.28 हजार हेक्टेयर में गन्ना बोया था, जो इस साल घटकर 14.80 हजार हेक्टेयर हो गया है।

धान की बोनी का रकबा घटा

खरीफ सीजन की फसलों की बोनी शुरू हो गई है। इस बार खरीफ बुआई वाली अरहर, उड़द और मूंग जैसी दालों का रकबा बढ़ने का अनुमान है। अच्छे मानसून की संभावना ने किसानों का दालों के उत्पादन की ओर ध्यान खींचा है। छत्तीसगढ़ में कृषि विभाग ने खरीफ फसलों की बोआई का जो लक्ष्य तय किया है, उनमें धान की फसल 38.65 लाख हेक्टेयर है। यह पिछले वर्ष के मुकाबले लगभग 28 हजार हेक्टेयर कम है। उसके स्थान पर मोटे अनाज और दलहन का रकबा इस साल बढ़ा है।

तिलहन का रकबा बढ़ा

छत्तीसगढ़ में खरीफ सीजन में बोई जाने वाली तिलहन की फसलों में मूंगफली का रकबा 53.13 हजार हेक्टेयर तय किया गया है। यह पिछले साल के मुकाबले 3 हजार हेक्टेयर से अधिक है। वहीं तिल की फसल कुल 24.94 हजार हेक्टेयर में ली जानी है। इसके रकबे में भी 2 हजार हेक्टेयर बढ़ा है। सोयाबीन की बोनी का रकबा लगभग 39.02 हजार हेक्टेयर तय किया गया है। जो पिछले साल के मुकाबले डेढ़ हजार हेक्टयर बढ़ा है। रामतिल का रकबा 44.23 हेक्टेयर तय किया गया है, इसमें 3.23 हजार हेक्टेयर की वृद्धि हुई है।

नवीन कानूनों पर आधारित पुस्तक का किया विमोचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोमवार से देशभर में लागू हुए नवीन कानूनों पर आधारित पुस्तक का विमोचन किया। तीन नए आपराधिक कानूनों को लेकर यह संग्रह महत्वपूर्ण जानकारियों का संकलन है। छत्तीसगढ़ पुलिस की इस विशेष पहल से नवीन कानूनों को समझना आसान होगा। पुलिस अधिकारियों और विवेचकों के लिए यह पुस्तक महत्वपूर्ण संदर्भ होगी। अपराधों की विवेचना में भी उपयोगी होगी। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव गृह विभाग मनोज पिंगुआ, डीजीपी अशोक जुनेजा, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, बसव राजू एस. एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

रथयात्रा पर्व पर पुरी जाने ट्रेनों में लंबी वेटिंग, सप्ताहभर रहेगी भीड़, सीट कन्फर्म होने की संभावना कम

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

भगवान जगन्नाथ यात्रा में शामिल होने इस बार भी बड़ी संख्या में लोगों ने पुरी जाने की योजना बनाई है। पर्व के करीब आते ही मुंबई से पुरी जाने वाली ट्रेनों में भीड़ भी अब बढ़ने लगी है। 15 जुलाई तक रायपुर से पुरी जाने वाली दैनिक ट्रेनों के स्लीपर और एसी कोच में वेटिंग 60 से 80 तक पहुंच चुकी है। हालांकि इस बार वेटिंग की संख्या पिछले साल से कम है। 7 जुलाई को जगन्नाथ यात्रा है, लेकिन 5 तारीख को

दुर्ग-पुरी एक्सप्रेस में वेटिंग संख्या सबसे अधिक, जाने से ज्यादा वापसी की ट्रेनों में रहेगी भीड़

वापसी की ट्रेनों में वेटिंग अधिक

पुरी जाने से अधिक वापसी की ट्रेनों में वेटिंग फिलहाल ज्यादा है। 6-7 जुलाई को पुरी जाने वाली भुवनेश्वर-मुंबई एक्सप्रेस में वेटिंग जहां 40 है, वहीं 9 जुलाई को पुरी से रायपुर आने के लिए अभी से वेटिंग 60 पहुंच गई है। इसके अलावा दुर्ग-पुरी में 5 से 7 के बीच वेटिंग 50 से 70 है तो लौटने के लिए 10 जुलाई को यह 85 तक पहुंच गई है। अहमदाबाद एक्सप्रेस और गांधीधाम एक्सप्रेस में भी 8 और 9 जुलाई को पुरी से स्लीपर में वेटिंग 80 है तो वहीं एसी कोच में 45 है। यात्रियों को पुरी से लौटते वक्त भीड़ के बीच सफर करना पड़ सकता है।

कार्रवाई से कम हुए वेटिंग यात्री

रेलवे बोर्ड के निर्देश के बाद लगातार ट्रेनों में वेटिंग यात्रियों को सफर करने से रोका जा रहा है, जिसका असर अब टिकट बुकिंग में भी देखा जा रहा है। ट्रेनों में वेटिंग यात्रियों की संख्या कम होने लगी है। पिछले साल पुरी की ट्रेनों में दो सप्ताह पहले से वेटिंग 100 से अधिक पहुंच गई थी, इस बार अभी तक वेटिंग 100 तक नहीं पहुंची है। वेटिंग अधिक होने और सीट कन्फर्म नहीं होने की स्थिति में कई यात्री अब टिकट नहीं खरीद रहे।

पुरी जाने यात्रियों को केवल दो ट्रेनें ही मिलेंगी। इसमें दुर्ग-पुरी एक्सप्रेस में स्लीपर कोच में वेटिंग 60 पहुंच गई है तो वहीं अहमदाबाद-पुरी एक्सप्रेस में 55 है। 5 जुलाई को पुरी की ट्रेनों में भारी भीड़ देखने को मिलेगी। इसके अलावा 6 जुलाई को 4 ट्रेन दिनभर में मिलेंगी। इन ट्रेनों में भी वेटिंग 40 से 50 तक है।

टिकट एजेंट का कहना है कि दो से तीन दिनों में वेटिंग 100 के पार पहुंच जाएगी। ऐसे में कंफर्म सीट मिल पाना मुश्किल होगा। अभी तक रेलवे ने अतिरिक्त कोच लगाने की घोषणा नहीं है। रथयात्रा को लेकर रेलवे स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला ले सकता है।

सराफा एसोसिएशन की आज आभार रैली

रायपुर। छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के हाल ही में हुए चुनाव में विजयी पदाधिकारियों की विजय एवं आभार रैली मंगलवार शाम 5 बजे कोतवाली चौक से प्रारंभ होकर मेड क्षत्रिय स्वर्णकार समाज मंगल भवन कमासीपारा, सत्तीबाजार में संपन्न होगी। एकता पैनल के चुनाव संचालक हरख मालू एवं पवन सोनी ने बताया, इस अवसर पर सराफा संगठनों एवं मेड क्षत्रिय स्वर्णकार समाज द्वारा छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों अध्यक्ष कमल सोनी, महामंत्री प्रकाश गोलछा और कोषाध्यक्ष हर्षवर्धन जैन का सम्मान किया जाएगा।

जैन समाज का चातुर्मास 20 जुलाई से

रायपुर। नगर में इस वर्ष भी जैन समाज के अनेक चातुर्मास हो रहे हैं। फलस्वरूप जैन संतों व साध्वियों का आगमन भी प्रारंभ हो चुका है। यह जानकारी देते हुए सामाजिक कार्यकर्ता ओमप्रकाश बरलोटा ने बताया कि इस वर्ष चातुर्मास 20 जुलाई से प्रारंभ हो रहा है।

निधन

अवधराम साहू

रायपुर। कमल विहार निवासी अवधराम साहू का 1 जुलाई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मुक्तिधाम में किया गया। वे यशोदा देवी साहू के पति और शैलेंद्र साहू, कमल, किशोर कुमार साहू के पिता थे।

शशांक ढाबरे

रायपुर। टिकरापारा निवासी शशांक ढाबरे (46) का 1 जुलाई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 2 जुलाई को 10 बजे मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे टीना ढाबरे के पति, कनिष्क, अर्हत के पिता, संजीव ढाबरे के भाई थे।

ललित यादव

रायपुर। सुंदर नगर निवासी ललित यादव (40) का 1 जुलाई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे स्व. बिसाहू राम यादव एवं रंजना यादव के पुत्र तथा पूजा यादव के बड़े भाई थे।

बाजार हिला नहीं, सड़क पर रोज जाम पब्लिक हलाकान, ऐसा है नगर निगम

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

राजधानी के रिहाइसी इलाकों की व्यस्त सड़कों पर लगने वाले आधा दर्जन सब्जी बाजार व फुटकर दुकानों को नगर निगम 5 साल में टस से मस नहीं कर सका। चाहे वह पुरानी बस्ती इलाके के शीतला मंदिर से महामाया मंदिर मार्ग का सालों पुराना सब्जी बाजार हो या डगनिया चौक स्थित मुख्य मार्ग की सड़क पर लगने वाला सब्जी बाजार। टिकरापारा के नंदी चौक के पास वाले सब्जी व मछली बाजार के साथ ही भाठागांव में पुराने जोन दफ्तर के बाजू वाले सड़क पर लगने वाले सब्जी बाजार की कमोबेश यही स्थिति है। इन बाजारों की शिफ्टिंग 5 साल में भी नहीं हो पाई। नतीजत आम जनता को ट्रैफिक जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है।

केस 1

नंदी चौक में 1 करोड़ का दो मंजिला हाट बाजार 4 साल से वीरान

टिकरापारा के नंदी चौक के पास वाली सड़क के दोनों ओर एक अरसे सब्जी बाजार व मछली बाजार लगने से आए दिन सुबह शाम इस इलाके में ट्रैफिक जाम लगता है। सड़क पर लगने वाले सब्जी व मछली बाजार को सुव्यवस्थित रूप देने 1 करोड़ से ज्यादा की राशि खर्च कर नगर निगम ने वहां 2 मंजिला हाट बाजार बनवाया। इसके लिए प्रभावित सब्जी विक्रेताओं और मछली मटन विक्रेताओं का सर्वे भी कराया गया। मुख्यालय और जोन स्तर पर इसके लिए योजना बनी। 2 मंजिला बाजार के आमने-सामने दस कदम पर 100 से ज्यादा दुकानें और चबूतरें बनाये गये हैं। पर नए हाट बाजार में चबूतरों का आवंटन आज तक नहीं हो पाया।

बाजार शिफ्ट होंगे

सड़क पर लगने वाले बाजार के संबंध में संबंधित जोन से रिपोर्ट लेकर सब्जी विक्रेताओं को सुव्यवस्थित जगह पर शिफ्टिंग की योजना है।

- अबिनाश मिश्रा, आयुक्त, नगर निगम रायपुर

केस 3

पुरानी बस्ती का शीतला बाजार

महामाया मंदिर वार्ड के शीतला मंदिर से महामाया मंदिर तक सड़क के दोनों ओर सब्जी विक्रेता पसरा लगाकर सब्जी विक्रय करते हैं। इस बाजार के चलते रोज इस इलाके में लोगों को आने-जाने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। आपात स्थिति में एंबुलेंस की गाड़ी गंतव्य तक ले जाने में खासी परेशानी होती है। बुजुर्ग, दिव्यांग और बच्चों सहित महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी इस दौरान उठानी पड़ती है।

केस 2

डगनिया का सब्जी बाजार, खदान बस्ती के पास शिफ्ट की है योजना

ठाकुर प्यारेलाल वार्ड के डगनिया स्थित मुख्य मार्ग की सड़क पर शीतला मंदिर के सामने से शांतिविहार कालोनी जाने वाली सड़क के दोनों ओर सब्जी व फल बाजार, मछली बाजार व फुटकर लगने वाले दुकानों को खदान बस्ती के पास खाली जमीन पर शिफ्ट करने नगर निगम जोन 5 ने सर्वे कराकर योजना बनाई। इस बीच 3 कमिश्नर बदल गये पर सड़क पर लगने वाले सब्जी बाजार की शिफ्टिंग नही करा पाये। इसके चलते डगनिया, शांतिविहार कालोनी, डीडीनगर सहित आसपास के रहवासयों को सुबह-शाम अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी दिक्कत आती है। कई लोगों के घरों के सामने सब्जी विक्रेता पसरा लगाकर देर शाम तक डटे रहते हैं, लोगों ने इसकी शिकायत निगम कमिश्नर सहित वार्ड पार्षद से भी की है। सब्जी बाजार से निकलने वाले अपशिष्ट को नाली और खुली जगह पर डालने से बदबू फैलने और वहां मवेशियों का झुंड मंडराने से लोग परेशान हैं।

धुंआ मुक्त होगा आंगनबाड़ी केंद्र गैस चूल्हे पर तैयार होगा खाना

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों को अब धुंआ मुक्त बनाया जाएगा। सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में गैस-चूल्हे पर ही पौष्टिक युक्त खाना तैयार किया जाएगा। जिन केंद्रों में गैस-चूल्हा एवं सिलेंडर नहीं है, वहां पर इसे उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं, साथ ही आंगनबाड़ी भवनों की मरम्मत, पानी की सुविधा और विद्युत व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए भी कहा गया है।

■ कलेक्टर ने की महिला एवं विकास विभाग कार्यों की समीक्षा

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने सोमवार को कलेक्टोरेट स्थित रेडक्रास भवन में महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं व कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के रिक्त पदो की समय-सीमा में पूर्ति के लिए परियोजना अधिकारियों को निर्देशित किया।

उन्होंने महिला सशक्तिकरण व बच्चों के संरक्षण सखी वन स्टॉप सेंटर व चाइल्ड लाइन 1098 के व्यापक प्रचार-प्रसार करने के साथ ही प्राप्त नये प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा जिले में कुपोषण, बौनापन, दुर्बलता में सुधार करने तथा जिन ग्राम पंचायतों व वार्डो में कुपोषण का प्रतिशत अधिक है, उनका चिन्हांकन करते हुए विशेष कार्ययोजना बनाकर कार्यक्रम चलाया जाए।

सिंचाई विभाग की नहर पर भू-माफिया का कब्जा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

राजधानी रायपुर से 15 किलोमीटर दूर दोंदेकला और मटिया मार्ग पर भू-माफिया ने अपनी जमीन बेचने के लिए सिंचाई विभाग के नाले पर ही कब्जा कर लिया है। माफिया ने नाला को पाटकर वहां मुरुम रोड बना लिया है, जिसकी शिकायत विभाग में की गई है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने बताया कि दोंदेकला और मटिया क्षेत्र में भू-माफिया के हौसले बढ़े हुए हैं। इसके कारण अब माफिया सिंचाई

विभाग का नाला पर भी कब्जा करने लगे हैं। दोंदेकला-मटिया मार्ग पर सिंचाई विभाग का नाला बना हुआ है। इस नाले का बड़ा भाग भू-माफिया ने पाटकर वहां मुरुम रोड बना लिया है। इस नाले के पास माफिया का प्लाट है जिसे बेचने के लिए वह नाले पर रोड बना लिया है। उन्होंने बताया कि इसकी लिखित शिकायत कार्यपालन अभियंता संभाग क्रमाक 1 में की है, जिस पर जांच व कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

भू-माफिया के हौसले बुलंद

क्षेत्र में भू-माफिया के हौसले लगातार बढ़ रहे हैं। बताया जा रहा है कि क्षेत्र में माफिया अब तक अवैध प्लाटिंग कर जमीन बेचने का काम कर रहे थे, लेकिन अब यहां घास भूमि से लेकर शासकीय नाला पर भी कब्जा करना शुरू कर दिया है। विदित हो कि शासकीय जमीन पर कब्जा, अवैध प्लाटिंग के प्रकरण पूर्व में भी सामने आ चुके हैं। इनसे संबंधित कई प्रकरण तहसील में भी चल रहे हैं।

छात्रों ने निकाली शिक्षा व्यवस्था की शवयात्रा, किया अंतिम संस्कार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों पर कार्रवाई ना होने से नाराज एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने सोमवार को उग्र प्रदर्शन किया। एनएसयूआई द्वारा शिक्षा व्यवस्था की शव यात्रा निकालकर अंतिम संस्कार किया गया। इसके बाद श्रद्धांजलि दी गई। एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने डीईओ कार्यालय के सामने बैठकर जमकर नारेबाजी की। एनएसयूआई का आरोप है कि राजधानी में गैर मान्यता स्कूल चल रहे हैं। कई स्कूलों के पास मान्यता नहीं है। रायपुर में बड़ी संख्या में ऐसे प्ले स्कूल भी चलाए जा रहे हैं, जिनकी न तो मान्यता है और न ही दिशा-निर्देशों के अनुसार उन स्कूलों का संचालन हो रहा है। एनएसयूआई द्वारा जिला शिक्षा कार्यालय पर ऐसे स्कूलों को संरक्षण देने के आरोप भी लगाए गए हैं।

बच्चों के भविष्य संग खिलवाड़ : छात्र संगठन का कहना है कि जिला कार्यालय द्वारा आधी-अधूरी कार्रवाई की जा रही है। नाममात्र की इस कार्रवाई से बच्चों का भविष्य खतरे में है। नए सत्र के लिए स्कूलों में प्रवेश प्रारंभ है। जिन स्कूलों को मान्यता प्राप्त नहीं है, वे भी प्रवेश दे रहे हैं। इस पर किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। प्रदर्शन के दौरान हेमंत पाल, कुणाल दुबे, मोनू तिवारी, केशव सिन्हा, भक्तेश्वर वैष्णव, पुनेश्वर लहरे, अनुज शुक्ला, विशाल मानिकपुरी, रजत ठाकुर, शुभम शर्मा, मनीष बांधे, तनिष्क मिश्रा, अंकित बंजारे सहित अन्य इस प्रदर्शन का हिस्सा रहे।

सिर पर हथौड़े की...

भवनों को उनके मालिकों द्वारा स्वयं से तोड़ा जा रहा है और न ही निगम अधिकारी तोड़ने में कोई रुचि ले रहे हैं। इस तरह ये भवन अब भी शहर की जनता के लिए बड़ा खतरा बने हुए हैं। **ज्यादातर भवन 70 से 100 साल पुराने** : निगम की सूची में शामिल जर्जर भवनों में ज्यादातर 70 से 100 साल पुराने बने हुए हैं। ये भवन इतने जर्जर हो चुके है कि कभी भी ये धराशाही हो सकते हैं। इनमें सबसे ज्यादा जर्जर भवन जोन-4, 5 और 7 क्षेत्र में है। निगम की पुरानी सूची के अनुसार इन तीनों जोन क्षेत्र में जैसे सदरबाजार, रामसागर पारा, बैजनाथपारा, बूढ़ापारा, पुरानी बस्ती आदि इलाके शामिल हैं। **पूर्व में गिर चुके हैं मकान, छज्जा** : बारिश के सीजन तेज हवा के साथ भारी बारिश होने के कारण जर्जर भवनों के गिरने का खतरा बढ़ जाता है, जिससे इन भवनों के आसपास रहवासियों के साथ राह चलते लोगों को भी खतरा रहता है। पूर्व में सुंदर नगर में बारिश के दिनों में एक जर्जर मकान भरभराकर गिर गया था, वहीं गुढ़ियारी में भी एक हादसा हो चुका है। पंडरी गुरुद्वारा के पास एक दुकान का झज्जा गिर गया था, जिससे एक व्यक्ति घायल हुआ था।

खारुन में नाले का...

की प्यास बुझाने वाली खारुन नदी मैली हो गई है। शहर सहित आसपास के 17 बड़े नाले व नालियों का गंदा पानी खारुन नदी में मिलने से रोकने और सीवरेज के गंदा पानी को उपचारित कर दोबारा उपयोग लायक बनाने नगर निगम ने करोड़ों खर्च कर अमृत मिशन के तहत कारा, निमोरा और चंदनीडीह में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगवाया है। इसके बाद भी नालों का गंदा पानी और औद्योगिक कारखानों और खेतों में कीटनाशक का उपयोग किया जाने वाला दूषित केमिकल वाला झागवाला पानी नदी में जा रहा

पेज 9 के शेष ...

है। यह झाग मानव शरीर के लिए नुकसानदेह है। यह झाग चिंगरीनाला से नदी में प्रवेश कर रहा है। इससे नदी के किनारे 200 मीटर तक का पानी सफेद झाग से ढक गया है।

पानी का नमूना लेकर...

इस तरह के आधा दर्जन नमूने पीएचई के स्टेट लैबोरेटरी रिसर्च सेंटर के पास भेजे हैं। पर्यावरण विद व नदी घाटी मोर्चा के संयोजक गौतम बंदोपाध्याय ने बताया रायपुर नागरिक समाज के नेतृत्व में विभिन्न संगठन के लोग प्रदेश भर की नदी के लिए नदी नीति बनाने की मांग करने जा रहे हैं। न केवल रायपुर बल्कि प्रदेश के 46 शहरों व जिलों में जहां शहर से होकर नदी बहती है, या नदी किनारे जहां शहर बसा है वहां के पानी की स्थिति, उपचार के उपाय को लेकर शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित करायेंगे। खारुन नदी की 2 साल में क्या स्थिति रही, नगर निगम द्वारा यहां सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाने के बाद पानी की गुणवत्ता का तुलनात्मक अध्ययन हम पानी की जांच रिपोर्ट आने के बाद करेंगे। और राज्य सरकार तथा नगर प्रशासन दोनों से मिलकर इस संबंध में सुझाव देंगे। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ ही सचिव से मिलकर इसकी रिपोर्ट देंगे।

बूढ़ापारा धरना स्थल पर...

ऑनलाइन टेंडर किया है। इसमें स्वामी विवेकानंद-सदर बाजार वार्ड के बूढ़ापारा क्षेत्र स्थित पुराने धरना स्थल की खाली पड़ी जमीन पर नया वेंडिंग जोन बनाया जायेगा। इस जगह पर 10 वेंडरों के स्मार्ट कार्ट नजर आएंगे। ऑनलाइन टेंडर के लिए 13 जुलाई तक का समय दिया गया है। अनुबंधित एजेंसी नगर निगम को वेंडिंग जोन संचालित करने के एवज में एक निश्चित राशि रेवेन्यू के बतौर भुगतान करेगी। प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि बूढ़ातालाब के पास वाली सड़क को वेंडिंग फ्री जोन बनाने की योजना है। **टिकरापारा के पुजारी कांप्लेक्स के पास वेंडिंग जोन** : टाउन वेंडिंग कमेटी से मंजूरी के बाद टिकरापारा के पुजारी कांप्लेक्स के पास सड़क किनारे शहर का दूसरा नया वेंडिंग जोन बनाने टेंडर किया गया है। यहां पर पंजीकृत 8 वेंडरों को स्मार्ट कार्ट लगाकर रोजगार करने का मौका मिलेगा। इसके अलावा आउटर के इलाके में जब्बार नाला के पास सड़क किनारे 20 वेंडरों को सुव्यवस्थित करने वेंडिंग जोन बनाया जायेगा।

पत्नी के साथ लड़...

मोहम्मद जाकिर ने की है। पुलिस ने अल्ताफ को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार घटना दिनांक को मुकीम अपनी पत्नी के साथ किसी बात को लेकर झगड़ा कर रहा था। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले अल्ताफ के घर की बाल्टी में ईंट गिर गई। ईंट गिरने की घटना के बाद अल्ताफ मुकीम को समझाने के लिए गया। इसी दौरान अल्ताफ का मुकीम के साथ कहा सुनी हो गई। दोनों के बीच कहा सुनी होते देख एक अन्य पड़ोसी उन्हें समझाने गया। कुछ देर बाद अल्ताफ अपने दोनों बेटों के साथ मुकीम के घर पहुंचा और चाकू से मुकीम की छाती पर जानलेवा हमला कर दिया।

अस्पताल से लौटने...

मुकीम की तबीयत बिगड़ने लगी। इसके बाद परिजन मुकिम को पुनः अस्पताल लेकर गए। अस्पताल पहुंचने के पहले मुकीम ने रास्ते में दम तोड़ दिया। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने रविवार को अपराध दर्ज कर अल्ताफ को गिरफ्तार किया है।

उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की प्राप्ति हेतु आदेश-5, नियम-20 एवं 151 व्यवहार प्रक्रिया संहिता) न्यायालय-भूपेश कुमार बसंत, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, रायपुर छ.ग.

उत्तराधिकार क्र. 42/2024 प्रो.क्र.-468

पेशी तारीख 05.08.2024

खुशी घोष वगै .....**आवेदिकागण**

- बनाम-

आम जनता वगै. .....**अनावेदकगण**

प्रति,

आम जनता जिसका इस केस से संबंध हो अनावेदकगण

जो कि आवेदिकागण के मृतक दादी/मां अन्ना घोष के संबंध में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्राप्ति हेतु इस न्यायालय में पेशी 05.08.2024 को दिन प्रातः 11 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात हाजिर होने के लिए समंस किया जाता है।

आप इस न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसके सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह भी निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन सभी दस्तावेजों को प्रस्तुत करें जिस पर आपकी प्रतिरक्षा या प्रतिदावा आधारित है।

अतः आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में हाजिर नहीं होंगे तो दावे की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।

नोट :- यदि किसी कारणवश आगामी तिथि को अवकाश हो जाता है या कार्य स्थगित हो जाता है या पीठासीन अधिकारी अवकाश पर हो तो प्रकरण की सुनवाई ठीक अगले कार्य दिवस पर किया जावेगा।

यह आज तारीख 25.06.2024 को मेरे हस्ताक्षर से अधिकरण की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

रायपुर छ.ग.
दिनांक 25.06.2024

(भूपेश कुमार बसंत)
मुहर द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 1
रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरा पक्षकार शिव कुमार सेन पिता-स्व सीताराम सेन पता-ग्राम-सुंगेरा, तह. तिल्दा जिला-रायपुर छ.ग. के पैतृक शामिलता खाते की कृषि भूमि मौजा-ग्राम-सुंगेरा, प.ह.नं-02, रा.नि.मं-तरपोंगी, तह. तिल्दा, जिला रायपुर छ.ग. में स्थित पैतृक भूमि जिसका खसरा नंबर क्रमशः 414/2, 418/2, 478, 485/1, 483 रकबा क्रमशः 0.4370 हे., 0.1460 हे., 0.2830 हे., 0.1940 हे., 0.9380 हे., जो खातेदार राधेश्याम, सेन पिता स्व. सीताराम सेन के नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज है जिसमें से खसरा नंबर-478 रकबा 0.2830 हे. खसरा नंबर-483 रकबा 0.9380 हे. भूमि जो शिव कुमार सेन पिता स्व. सीताराम सेन को आपसी बंटवारे से प्राप्त हुई है और कब्जा कास्तकारी कर रहें है जिसे राधेश्याम सेन के द्वारा छल पूर्वक विक्रय करने के लिए प्रयासरत है।

अतः उक्त संव्यवहार में किसी व्यक्ति, संस्था, निकाय, बैंक, महाजन, साहूकार, शासकीय, अशासकीय विभाग, प्रधिकरण या अन्य किसी के क्रय किया जाता है तो वह शून्य व विधि विरूद्ध व अवैध होगा।

एतद् सूचना जाने

रायपुर छ.ग.
दिनांक- 01/07/2024

भवदीय
जितेन्द्र गिलहरे
अधिवक्ता

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार 03 रायपुर
मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भः- जिला - रायपुर तहसील - रायपुर प.ह.न.-00072 डूंडा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-. RD202324440726700215

ईश्तहार

तहसील रायपुर के प.ह.न. 00072 के अंतर्गत ग्राम डूंडा के वर्तमान भूमिस्वामी देवाराम महेंद्र नरेंद्र दुष्यंत पि. विशाल साहू पिता/पति- पता-सा. देह P-1833656 के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 525/2(0.1900), 526(0.9150) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता ममता साहू पिता/पति श्री देवाराम साहू पता-डबरी पारा डूण्डा रायपुर तेजेश्वरी साहू पिता/पति श्री देवाराम साहू पता-डबरी पारा डूण्डा रायपुर, महेश्वरी साहू पिता/पति देवाराम साहू पता- डबरी पारा डूण्डा रायपुर, लीना साहू पिता/पति श्री देवाराम साहू पता-डबरी पारा डूण्डा रायपुर, तेजी साहू पिता/पति महेन्द्र साहू पता-डबरी पारा डूण्डा रायपुर, नुतेश साहू पिता/पति स्व. श्री महेन्द्र कुमार साहू पता- डबरी पारा डूण्डा रायपुर, डूमेश साहू पिता/पति श्री देवाराम साहू पता- डबरी पारा डूण्डा रायपुर, धर्मिन साहू पिता/पति देवाराम साहू पता डबरी पारा डूण्डा रायपुर श्रीमती माधुरी साहू पिता/पति-महेन्द्र कुमार साहू पता-डबरी पारा डूण्डा रायपुर, कामेश साहू पिता/पति-श्री देवाराम साहू पता-डबरी पारा डूण्डा रायपुर के नाम पर पंजीयन / फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण /अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 05/07/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार 03 रायपुर पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/06/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर **अतिरिक्त तहसीलदार,**
रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार रायपुर
मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भः- जिला- रायपुर तहसील - रायपुर प.ह.न. - 00084 डोमा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-. RD202324440727200049

ईश्तहार

तहसील रायपुर के प.ह.न. 00084 के अंतर्गत ग्राम डोमा के वर्तमान भूमिस्वामी देवाराम, नरेंद्र, महेंद्र, दुष्यन्त, पिता/पति- विशाल राम साहू पता-डुंडा रायपुर के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 104/5 (0.4050), 104 / 8 (0.8900), 104/9(0.7120), 105/2(0.1420), 106 (0.2790) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता महेश्वरी साहू पिता/पति-पिता स्व. श्री देवाराम साहू पता- निवासी डबरी पारा, डूंडा रायपुर छ.ग., तेजेश्वरी साहू पिता/पति- पिता स्व. श्री देवाराम साहू पता- निवासी डबरी पारा, डूंडा रायपुर छ.ग., नुतेश साहू पिता/पति- पिता स्व. श्री महेन्द्र कुमार साहू पता - निवासी डबरी पारा, डूंडा रायपुर छ.ग., लीना साहू पिता/पति-पिता स्व. श्री देवाराम साहू पता- निवासी डबरी पारा, डूंडा रायपुर छ.ग. माधुरी साहू पिता/पति स्व. श्री महेन्द्र कुमार साहू पता-निवासी डबरी पारा, डूंडा रायपुर छ.ग., कामेश साहू पिता/पति-पिता स्व. श्री देवाराम साहू पता- निवासी डबरी पारा, डूंडा रायपुर छ.ग. तेजी साहू पिता/पति- पिता स्व. श्री देवाराम साहू पता- निवासी डबरी पारा, डूंडा रायपुर छ.ग. कामेश साहू पिता/पति- पिता स्व. श्री देवाराम साहू पता- 1 - निवासी डबरी पारा, डूंडा रायपुर छ.ग., डूमेश साहू पिता/पति- पिता स्व. श्री देवाराम साहू पता- निवासी डबरी पारा, डूंडा रायपुर छ.ग. धर्मिन साहू पिता/पति स्व. श्री देवाराम साहू पता निवासी डबरी पारा, डूंडा रायपुर छ.ग. ममता साहू पिता/पति-पिता स्व. श्री देवाराम साहू पता-निवासी डबरी पारा, डूंडा रायपुर छ.ग. के नाम पर पंजीयन / फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती /खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 03/07/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार रायपुर पर की जावेगी ।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 11/06/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर **तहसीलदार** : Pawan kosma
तहसील रायपुर

श्रीगुरु भागवत का छत्तीसगढ़ी और कोसली का विमोचन

रायपुर। हरियाणा के गुरुग्राम स्थित साईं का आंगन परिसर में गुरुवार शाम को गुरु डा. चंद्रभानु सतपथी द्वारा श्रीगुरु भागवत छत्तीसगढ़ी एवं श्रीगुरु भागवत कोसली नामक दो डिजिटल एलबम का विमोचन किया गया। साथ में गुरु भागवत छत्तीसगढ़ी प्रार्थना किताब का विमोचन भी किया गया। गुरु भागवत छत्तीसगढ़ी प्रार्थना, गुरु चंद्रभानू सतपथी द्वारा लिखित गुरु भागवत ओडिशा से ली गई 34 पंक्तियां हैं, जिसे ओडिशा के मंदिरों में प्रार्थना के रूप में गाया जाता है। दोनों एलबम में गीत व संगीत डॉ. सतपथी द्वारा दिया गया है। दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करने के बाद त डॉ. सतपथी ने इनका विमोचन किया।

इस अवसर पर अखिलेश चौबे ने श्रीगुरु भागवत छत्तीसगढ़ी की व चारुदत्त मिश्रा ने श्रीगुरु भागवत कोसली की आवश्यकता और उपादेयता पर विस्तार से प्रकाश डाला। अंत में साईं के आंगन के बच्चों ने श्रीगुरु भागवत की कुछ पंक्तियों का गायन और संबलपुरी नृत्य का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में गुरुग्राम के अलावा छत्तीसगढ़ और पश्चिम ओडिशा के अनेक बुद्धिजीवियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

खबर संक्षेप

कई वरिष्ठ सीए का सम्मान

रायपुर। नेशनल चार्टर्ड अकाउंटेंट डे पर रायपुर ब्रांच ऑफ इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया ने देश और प्रोफेशन के लिए दी गई सेवाओं लिए वरिष्ठ सीए को सम्मानित किया। पूर्व अध्यक्ष सीए अमित चिमनानी, संजय बिल्थरे, रवि अग्रवाल, आशुतोष श्रीवास्तव, मदन उपाध्याय, सुरेश अग्रवाल, संजीव राठी,शशिकांत चंद्राकर,दीपिका नतथानी,श्याम सुंदर अग्रवाल ,राजेश अग्रवाल,विनय पलसानिया, सिद्धार्थ पारख,योगेश पुरोहित जितेंद्र खनूजा,चेतन तारवानी, सुमित बड़वानी, आशीष सेवक,मनमिश राजपाल, रीना जैन सहित वरिष्ठ जन का सम्मान हुआ। सीआईआरसी के पूर्व अध्यक्ष जीएस अग्रवाल व किशोर बरडिया, रायपुर ब्रांच अध्यक्ष धवल शाह, सचिव रश्मि बांगला, मैनेजिंग कमिटी से रवि, ग्वालानी, विकास गोलछा, गोपाल अग्रवाल, रवि जैन माजूद रहे।

कॅरियर गाइडेंस सेमिनार 7 को

रायपुर। भारतीय बौद्ध महासभा का कॅरियर गाइडेंस सेमीनार और समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान समारोह 7 जुलाई को दोपहर 3 बजे से प्रेस क्लब सभागार में आयोजित है। कार्यक्रम में डॉ. केपी यादव वाइस चांसलर मैट्स युनिवर्सिटी प्रतिभागियों को मार्गदर्शन देने मौजूद रहेंगे। सेमिनार में सभी हाईस्कूल, हायर सेकंडरी और कॉलेज के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं, प्रवेश निशुल्क रखा गया है। भारतीय बौद्ध महासभा के जिला अध्यक्ष प्रकाश रामटेके ने यह जानकारी दी।

35 डॉक्टरों को किया सम्मानित

रायपुर। चिकित्सक दिवस के अवसर पर लायंस क्लब रायपुर सीनियर द्वारा कोटा रोड स्थित सुयश अस्पताल के संचालक डॉ. विवेक केशरवानी, डॉ. मनोज लाहोटी और नितिन गोयल सहित 35 चिकित्सकों का सम्मान किया। इस अवसर पर लायंस क्लब के संयोजक डॉ. निरंजन हरितवाल, संतोष गुप्ता, दीपक सिन्हा, दिवाकर अवस्थी, सुरेश अग्रवाल, शिव कुमार अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

छग पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप का समापन

रायपुर। वर्ल्ड पॉवर लिफ्टिंग इंडिया एसोसिएशन छग के तत्वावधान में आयोजित छग पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप रायपुर में हुई। पॉवर लिफ्टिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष मानिक ताम्रकार ने बताया कि प्रतियोगिता में चयनित छग पॉवर लिफ्टिंग की टीम में पुरुष वर्ग में राहुल सारथी, आदिल खान, खीलन सिंह, मोनू गोस्वामी, राजा राजपूत, लखपति सिंदूर, महेश आजाद, शुभम वैष्णव, विनय वैष्णव, दीपेश नायक, जयदीप गुप्ता, कैलाश कुर्रे, रोहित कुमार चौधरी, मुकेश कहार, रूपेंद्र सोनकर, दिनेश कारवा, आयुष शर्मा, अनुराग साहू, कुंदन साहू, दिव्यांश ओझा तथा महिला वर्ग में कमला देवी मंगतानी, शकुंतला सिंह, संजीदा खातून, सलीता पनेडिया, सुमन मरकाम, जया साहू, छग टीम पुरुष वर्ग के मैनेजर प्रदीप क्षत्रिय और महिला वर्ग के कल्याणी महोबिया होंगे।

झेरिया यादव समाज की बैठक एक जोड़े का आदर्श विवाह

रायपुर। महादेवघाट रायपुरा स्थित कार्यालय में गत दिनों छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज की प्रबंधकारिणी एवं प्रदेश कार्यसमिति की बैठक हुई। शुभारंभ भगवान राधा-कृष्ण की पूजा-अर्चना से किया गया। बैठक में पारित प्रस्ताव अनुसार 21 जुलाई को जांजगीर-चांपा में प्रदेश अध्यक्ष के विरुद्ध दुष्प्रचार करने वाले अन्य संगठन एवं व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई, सामाजिक नियमावली में आंशिक संशोधन एवं एक जोड़े का आदर्श विवाह संपन्न हुआ।

लापरवाही की भेंट चढ़ा सैकड़ों एपीएल कार्डधारकों का खाद्यान्न, हुआ लैप्स

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

उचित मूल्य की दुकानों के संचालकों और खाद्य विभाग की लापरवाही के कारण सैकड़ों एपीएल कार्ड धारकों को पिछले माह खाद्यान्न ही नहीं मिल पाया। इसके कारण इन सभी धारकों का खाद्यान्न भी लेप्स हो गया।

बताया गया है कि अप्रैल और मई का एक साथ दो महीने का चावल कार्ड धारकों को देने का आदेश विभाग ने जारी किया था। इस आदेश के तहत सभी कार्ड धारकों को दो महीने का चावल एक साथ दिया गया। इस दौरान कई राशन दुकानदारों ने एपीएल का आबंटन खत्म होने पर उन्हें बीपीएल कोटे का चावल बांट दिया। इसके कारण सिस्टम में जून माह में इन दुकानदारों के ऑनलाइन सिस्टम में एपीएल कोटे का चावल माइनस दिखाने लगा, जिसके कारण विभाग ने उनका चावल इस शर्त पर आबंटन नहीं किया कि जब तक वे एपीएल कोटे की राशि एक साथ जमा नहीं कराते उनका आबंटन रोका जाए। इसके लिए विभाग ने दुकानदारों को नोटिस भी जारी किया था। इस नोटिस के बाद कुछ को छोड़कर बाकी दुकानदारों ने राशि जमा नहीं कराई, जिसके उन्हें चावल भी आबंटन नहीं किया गया। चावल नहीं मिलने से इन दुकानों में कार्ड धारकों को खाद्यान्न भी नहीं मिला है।

हरिभूमि सरोकार

सिस्टम में ऑप्शन नहीं, इसलिए इस माह नहीं मिल पाएगा

अधिकारियों को पता था लैप्स हो जाएगा खाद्यान्न, फिर भी चुप्पी साधे रहे

जिलेभर में 50 से अधिक दुकानदारों ने एपीएल धारकों को बीपीएल कोटे का चावल बांट दिया है। इन सभी दुकानदारों को विभाग ने नोटिस जारी किया। इस नोटिस के बाद कुछ दुकानदारों ने ही राशि जमा कराई है। विभाग के अधिकारी भलीभाती जानते थे कि दुकानदारों को चावल आबंटन नहीं करने से धारकों को भी नहीं मिल पाएगा, जिससे उनका एक माह का राशन भी लेप्स हो जाएगा। इसके बावजूद विभाग ने धारकों का राशन लेप्स न हो इसके लिए कोई प्रयास नहीं किए।

दोबारा नोटिस जारी करेंगे

बीपीएल का चावल एपीएल को वितरण करने मामले में दुकानदारों को नोटिस जारी किया था। इसके बाद भी अब तक 35 से 40 दुकानदार एपीएल चावल की राशि जमा नहीं की है। इस कारण इन दुकानों को चावल आबंटन नहीं किया, जिससे कई धारकों को चावल लेप्स हुआ है। इस मामले में दुकानदारों पर कार्रवाई के लिए दोबारा नोटिस जारी करेंगे।

- **भूपेंद्र मिश्रा**, जिला खाद्य नियंत्रक

चावल के साथ शक्कर से भी हुए वंचित

राशन दुकान में कार्ड धारक को एक साथ चावल और शक्कर वितरित किया जाता है। दुकानों में एपीएल कोटे का चावल नहीं होने के कारण कई धारक शक्कर भी ले नहीं पाए। इसके कारण चावल के साथ शक्कर भी लेप्स हो गई।

सिस्टम में ऑप्शन नहीं, इसलिए पिछले माह का चावल नहीं मिलेगा

राशन दुकानों में ऑनलाइन सिस्टम के माध्यम से कार्ड धारक को खाद्यान्न मिलता है। अगर कोई धारक किसी कारण से किसी माह राशन दुकान से खाद्यान्न नहीं ले पाता है, तो उसका एक माह का खाद्यान्न लेप्स हो जाता है। इसका कारण ऑनलाइन सिस्टम में ऐसा ऑप्शन ही नहीं दिया गया है, जिससे दुकानदार कार्ड धारक को छूटे माह का राशन दे सके। इसलिए छूटे धारकों को भी पिछले माह का खाद्यान्न चालू माह में नहीं मिल पाएगा।

तात्यापारा-शारदाचौक सड़क चौड़ीकरण के लिए निगम को अधिकृत करने पर दिया जोर

तेलीबांधा से टाटीबंध की सड़क होगी चकाचक स्ट्रीट लाइट पर खर्च होंगे 2 करोड़ 64 लाख

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

तेलीबांधा से टाटीबंध तक की सड़क अब दूधिया रोशनी से जगमगाएगी। नगर निगम इस मार्ग पर स्ट्रीट लाइट लगाने 2 करोड़ 64 लाख रुपए खर्च करेगा। एमआईसी ने इस मार्ग में प्रकाश व्यवस्था के लिए टेंडर की अनुमति दी है। इसी तरह आक्सीजोन उद्यान का पूर्व मंत्री व महापौर स्वर्गीय तरुण चटर्जी के नाम पर करने का निर्णय लिया। इसके साथ ही शहर के घनी आबादी वाले व्यस्तम मार्ग तात्यापारा-शारदा चौक के दोनों तरफ के सड़क चौड़ीकरण के लिए एजेंसी बदलकर नगर निगम को अधिकृत करने पर जोर दिया गया।

गांधी सदन में सोमवार को महापौर एजाज ढेबर की अध्यक्षता में एमआईसी की बैठक हुई। इसमें 10 एजेंडों. पर सदस्यों ने चर्चा कर कर आपसी सहमति के बाद 8 एजेंडे पारित किये, 2 एजेंडे को लंबित रखा गया है। दरअसल, तात्यापारा से शारदाचौक सड़क चौड़ीकरण का बहुप्रतीक्षित मसला एमआईसी की बैठक में आया। महापौर एजाज ढेबर ने कहा, शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने तात्यापारा-शारदाचौक चौड़ीकरण का काम तत्काल शुरू होना आवश्यक है। 500 मीटर के प्रस्तावित मार्ग के चौड़ीकरण को लेकर श्री ढेबर ने राजस्व विभाग के अध्यक्ष अंजनी-राधेश्याम विभार की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई है, जिसमें वरिष्ठ एमआईसी सदस्य श्रीकुमार मेनन, ज्ञानेश शर्मा के अलावा इंदिरा गांधी वार्ड पार्षद सुरेश चन्नावार, विवेकानंद-सदर बाजार वार्ड पार्षद डॉ. सीमा-मुकेश कंदोई को इसमें सदस्य के रूप में शामिल किया है। इस समिति की जल्द बैठक होगी।

महापौर एजाज ढेबर ने हरिभूमि से बातचीत में बताया कि तात्यापारा-शारदा चौक सड़क चौड़ीकरण को लेकर बनाई गई समिति बैठक लेकर पुराने दस्तावेज का अध्ययन करेगी। इसमें तत्कालीन महापौर सुनील सोनी के कार्यकाल में सड़क चौड़ीकरण किस तरह किया गया, मुआवजा का आधार और इसके माध्यम पर विचार करेगी, क्योंकि उस समय दोगुना मुआवजा का प्रावधान नहीं था, जबकि वर्तमान में शहरी क्षेत्र जमीन के मुआवजा में प्रभावितों को दोगुना मुआवजा का प्रावधान है। श्री ढेबर ने राज्य सरकार से तात्यापारा शारदा चौक सड़क चौड़ीकरण के लिए 200 करोड़ दिये जाने की मांग की है।

पेंशन प्रकरणों को मंजूरी

बैठक में निराश्रित पेंशन योजना से संबंधित 25 पात्र प्रकरणों और राष्ट्रीय परिवार सहायता पेंशन योजना से संबंधित 8 पात्र प्रकरणों को सर्व सम्मति से मंजूरी दी गई।

■ एमआईसी की बैठक में 10 एजेंडों पर, चर्चा 8 पारित, 2 प्रस्ताव लंबित

आक्सीजोन उद्यान तरुण चटर्जी के नाम : एमआईसी ने आक्सीजोन का नामकरण पूर्व महापौर स्वर्गीय तरुण चटर्जी के नाम पर करने का निर्णय लिया है। इसी प्रकार स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पी. जगन्नाथ राव नायडू के नाम पर भमसानघाट काली मंदिर से मेडिसाइन हास्पीटल तक के मार्ग का नामकरण किये जाने के प्रस्ताव की अनुशंसा करते हुए इसे नगर निगम की सामान्य सभा में विचार के लिए रखे जाने के निर्देश दिये।

पौधारोपण के लिए सुझाव

महापौर ने जोन कमिश्नरों को सभी पार्षदों की जोन में बैठक लेकर मानसून के दौरान पौधारोपण अभियान में लगाये गये पौधों की सुरक्षा करने और नये पौधे लगवाने निर्देश दिये। बैठक के दौरान पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग अध्यक्ष सुरेश चन्नावार ने शहर में अविकसित गार्डन में खाली पड़ी जमीन पर पेड़ पौधे लगाने के सुझाव दिये। उन्होंने इस बार शहर में 5 से 6 फीट ऊंचाई वाले करीबन 2 हजार पौधों का रोपण के साथ ही उसकी सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड उपलब्ध कराने की जरूरत बताई।
एमआईसी की बैठक में निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, वरिष्ठ एमआईसी सदस्य श्रीकुमार मेनन, ज्ञानेश शर्मा, अंजनी-राधेश्याम विभार, सतनाम पनाग, सुरेश चन्नावार, जितेंद्र अग्रवाल, रितेश त्रिपाठी, आकाश तिवारी, सुंदर जोगी,द्रोपती पटेल, सहदेव व्यवहार, अपर आयुक्त विनोद पांडे, अधीक्षण अभियंता राजेश शर्मा सहित निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

एसयूवी कारों के टॉप मॉडल में अब दो माह से कम की वेटिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

■ 5 से 8 लाख तक की कम बजट वाली कारें मिल रहीं आन डिमांड

प्रदेश में चारपहिया वाहनों में लंबी वेटिंग का दौर अब लगभग समाप्ति की तरफ है। अब एसयूवी की किसी भी कार के टॉप मॉडल के लिए महज दो माह से भी कम का इंतजार करना पड़ रहा है। बीते दो तीन सालों से कई मॉडलों में एक से डेढ़ साल तक की वेटिंग चल रही थी, लेकिन अब सप्लाई ज्यादा होने के कारण ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ रहा है। अब मनपसंद मॉडल आसानी से मिल रहे हैं। वैसे जहां तक आन डिमांड का सवाल है, तो 5 से 8 लाख तक की कम बजट वाली कारें वो जरूर आन डिमांड मिल रही हैं।

आजकल जो भी कारें बन रही हैं, वे सब बीएस- 6 बन रही हैं। इसमें हाईटेक फीचर रहते हैं। इनके लिए सेमीकंडक्टर जरूरी होता है।सेमीकंडक्टर का मतलब अर्धचालक होता है और इसका इस्तेमाल करंट को नियंत्रित करने में किया जाता है। मौजूदा समय में जितनी भी कारें बाजार में आ रही हैं, उन सभी में सेमीकंडक्टर का इस्तेमाल किया जाता है। इनका इस्तेमाल करंट को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। इनके बगैर मौजूदा कारों की कल्पना करना बेकार है, क्योंकि ये न हों तो कार में हाईटेक फीचर्स का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। कारों को चलता-फिरता कंप्यूटर बनाने में सेमीकंडक्टर की अहम भूमिका है। इसकी कमी के चलते ही पिछले दो-तीन साल से कारों की सप्लाई प्रभावित रही है। लेकिन अब सप्लाई तो सामान्य हो गई है, लेकिन अब डिमांड ज्यादा हो गई है।

एसयूवी का क्रेज ज्यादा

बहुत सी ऐसी कंपनियां हैं जो एसयूवी टाइप की गाड़ियां बनाती हैं। इस गाड़ी को बनाने का मकसद यह है कि यह किसी भी परिस्थिति में और कहीं पर भी चलाई जा सकती है।

अब वेटिंग कम

कारों में अब वेटिंग बहुत कम हो गई है। कोई भी मॉडल डेढ़ से दो माह के अंदर मिल जा रहा है।

- **विवेक गर्ग**, अध्यक्ष, राजधानी ऑटोमोबाइल एसोसिएशन

■ जिले में दो निगम व एक नगर पंचायत, इनके पास पशुओं का हिसाब नहीं, सड़क पर मवेशी

संसाधन व सुविधा के बाद भी रायपुर निगम का प्रयोग फेल, बिरगांव में जगह तो माना में काऊकैचर ही नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जिले में दो निगम व एक नगर पंचायत इसलिए बनाए गए हैं, ताकि 16 लाख से ज्यादा लोगों को बेहतर सुविधा देने के लिए काम किया जा सके। रायपुर निगम के पास सुविधा व संसाधन होने के बाद भी 15 साल में मवेशी सड़क पर न आने पाएं।

पशु पालन आबादी के बाहर करने का दावा और प्रयोग भी फेल हैं। वहीं बिरगांव निगम के पास दबोचे गए मवेशियों को रखने के लिए जगह नहीं है। एक ही काउ केचर गाड़ी होने से कार्रवाई भी बेअसर है। माना नगर पंचायत के पास तो सुविधा व संसाधन का भी अभाव है। राजधानी की सड़कों, पॉश कॉलोनियों ही नहीं बल्कि इससे सटे बिरगांव निगम व माना नगर पंचायत क्षेत्र में तो इससे भी बुराहाल है। इसकी वजह जांचने के लिए पड़ताल में पता चला कि किसी भी निगम व नगर पंचायत के पास उनके क्षेत्र में कितने पशु पालक और उनके पास कितने मवेशी हैं, इसका भी कोई हिसाब नहीं है। यदा-कदा की जाने वाली कार्रवाई भी बेअसर है। इसका खामियाजा वार्ड की जनता को भुगतना पड़ रहा है। सड़क पर घूमने वाले सांड कहीं और कभी भी आपस में भिंड जाते हैं। इससे मुख्य मार्ग से आने- जाने वाले लोगों के लिए खतरा बने हुए हैं।

15 साल में फ्लाप यह प्लान

- मवेशी पालकों की गणना व उनके पास मवेशियों का संख्या को वार्डवार एकजाई करना, दो साल में जुटाया 15 सौ से ज्यादा मवेशियों पर कार्रवाई व एक लाख से ज्यादा जुर्माना वसूलने का रिकार्ड।
- शहर के चार कोने में इतने ही गोकुल नगर बसाने व वहां पशुओ का विस्थापन, एक ही गोकुल नगर बना पाए और वहां करीब 170 पशु पालकों को दिया जगह, बचे हुए लोगों को सिर्फ नोटिस दे रहे।
- पकड़े गए पशुओं को छुड़ाने के लिए पहुंचने वाले पशु पालकों के आधार नंबर सहित डाटा तैयार करने की मुहिम फाइलों में सिमट गई। गाय, बैल व सांड के कान में नंबरिंग भी नहीं करवा पाए।

निगम हर जोन में काऊकैचर : शहर सरकार द्वारा लोगों को घूमंतु मवेशियों व सांड से बचाव के लिए निगम के सभी जोन में मिलाकर 10 काउ केचर के साथ प्रत्येक गाड़ी के लिए 4-4 कर्मचारियों की टीम है। पकड़े गए मवेशियों को रखने के लिए चार काजी हाउस में से अभी सिर्फ लाखेनगर में ही संचालन हो रहा है। इसके अलावा जोन 05,06, 08 और 09 में गौठान का भी संचालन किया जा रहा है। इसके बाद भी घूमंतु मवेशी व सांड दिन व रात में आने-जाने वाले लोगों के लिए खतरा बने हुए हैं।

जोन को कार्रवाई करने निर्देश

सड़क पर आने वाले घूमंतु मवेशियों की रोकथाम के लिए सभी जोन की टीम को निर्देश दिया है। व्यवस्था बहाली के लिए प्रयोग होते हैं। पशु पालकों के विरोध की वजह से उन्हें आबादी से नहीं हटा पाए हैं।

- **आरके डोंगरे**, उपायुक्त, राजस्व विभाग, नगर निगम, रायपुर

जल्द शुरू करवाएंगे अभियान

आबादी के बीच घूमंतु मवेशियों की वजह से जो दिक्कतें हो रही हैं। उसे संज्ञान में लेते हुए काउ केचर ट्राली खरीदी गई है। ट्रेक्टर भी जल्द खरीदा जाएगा। इसके बाद समस्या से राहत देने अभियान चलाएंगे।

- **संजय यादव**, अध्यक्ष, नगर पंचायत, माना

चलाएंगे अभियान, बनाएंगे व्यवस्था

मवेशियों व सांड की शिकायत मिल रही है। जल्द ही अभियान चलवाया जाएगा। साथ ही पशु पालकों को हिदायत भी देंगे। पकड़े गए मवेशी रखने के लिए जल्द ही स्थाई व्यवस्था भी बनाई जाएगी।

- **नंदलाल देवांगन**, महापौर, नगर निगम, बिरगांव

सेंट पॉल्स स्कूल में 1973 बैच का मनाया शाला प्रवेशोत्सव

रायपुर। बैरन बाजार स्थित सेंट पॉल्स स्कूल में सोमवार को सेंट पॉल्स स्कूल 1973 बैच का शाला प्रवेशोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर शाला के प्रभारी प्राचार्य जयवंत मसीह ने पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह देकर मुख्य अतिथि, शिक्षक डेविड का स्वागत किया। इसी दौरान समारोह के संयोजक निरंजन सिंह यादव ने बताया कि सन 1967 में एंट्रेंस एग्जाम देकर सेंटपॉल्स स्कूल में भर्ती होने की याद को जीवंत रखने तथा छात्र जीवन को फिर से जीने की चाहत लिए यह कार्यक्रम में किया गया।

अस्पताल के कर्मचारियों को श्रम सम्मान राशि का लाभ देने ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

■ चिकित्सा अधीक्षक को सौंपा 19 सूत्रीय ज्ञापन

आंबेडकर अस्पताल में काम करने वाले कर्मचारियों को उनकी योग्यता के अनुसार श्रम सम्मान राशि का लाभ देने की मांग की गई है। इसके साथ ठेका कर्मियों को कलेक्टर दर पर भुगतान सहित 19 सूत्रीय मांगों पर चिकित्सा अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा गया है।

प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष एसएस सोनी के नेतृत्व में आंबेडकर अस्पताल के कर्मचारियों ने चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एसबीएस नेताम से मुलाकात की। उन्होंने मांग की है कि अस्पताल में चतुर्थ वर्ग कर्मचारियों की संख्या सात सौ बिस्तर के सेटअप के आधार पर है, जबकि यहां की क्षमता 14 सौ बेड की हो चुकी है। तमाम अड़चनों को दूर कर कर्मचारियों की भर्ती शीघ्र करने की मांग की गई है। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि ठेका एजेंसी कर्मचारियों को विभिन्न तरह से प्रताड़ित करती है। वर्दी देने के बदले उनके वेतन से राशि काट ली जाती है।

साथ ही समय पर वेतन भी नहीं दिया जाता, जिसकी वजह से कई बार आर्थिक परेशानी का सामना भी करना पड़ता है। कर्मचारियो ने अस्पताल के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को कलेक्टर दर पर भुगतान करने के मांग की है। कर्मचारियों ने अपने ज्ञापन में जिक्र किया है कि अस्पताल में काम करने वाले कर्मचारियों के परिवार को अस्पताल में उपचार की सुविधा प्रदान की जाए और उनके लिए पृथक से सुविधा युक्त बेड की व्यवस्था की जाए।

बिजनेस साइट

भारत सेवाश्रम संघ के स्थापना दिवस पर विशेष प्रार्थना सभा

रायपुर। भारत सेवाश्रम संघ की स्थापना दिवस के अवसर पर भारत सेवाश्रम प्रणवानंद अकादमी परिसर में सोमवार को शाला के छात्र-छात्राओं द्वारा विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शाला सचिव स्वामी शिवरूपानंद महाराज उपस्थित थे। उन्होंने बच्चों को भारत सेवाश्रम संघ का अर्थ समझाया और कहा कि अपने निजी स्वार्थ के स्थान पर भारत देश को सर्वोपरी मानो और अपना योगदान अपने देश के लिए दो। साथ ही डॉक्टर दिवस के उपलक्ष्य में डॉक्टरों के सेवाभाव एवं उनके महत्व पर विशेष प्रकाश डाला गया।

प्रदीप्त कुमार मिश्रा ने संभाला एनटीपीसी नवा रायपुर के क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक का पदभार

रायपुर। प्रदीप्त कुमार मिश्रा ने सोमवार को एनटीपीसी नवा रायपुर के क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक का पदभार संभाला। इससे पहले प्रदीप्त कुमार मिश्रा एनटीपीसी केंद्रीय कार्यालय में कार्यकारी निदेशक के रूप में पदस्थ थे। उन्होंने लगभग 38 वर्षों के कॅरियर में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया और एनटीपीसी विंध्याचल, सिम्हाद्री, दादरी, एनसीआर मुख्यालय और केंद्रीय कार्यालय में काम किया। उनके समृद्ध और विविध अनुभव के साथ, एनटीपीसी पश्चिमी क्षेत्र मुख्यालय (नवा रायपुर) और यूएसएससी (नवा रायपुर, सीपत और सिम्हाद्री) आने वाले दिनों में उनके मार्गदर्शन और कुशल नेतृत्व से बहुत लाभान्वित होंगे।

हरिभूमि

रायपुर, मंगलवार 2 जुलाई 2024

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि इस बार 6 से 15....

लाइव इवेंट

7 को जगन्नाथ प्रभु की रथयात्रा 15 को निकलेगी बाहुड़ा यात्रा

रायपुर। ब्रम्हाण्ड में एकमात्र श्री जगन्नाथ महाप्रभु ही ऐसे भगवान हैं, जो साल में एक बार बाहर आकर भक्तों को दर्शन देते हैं। साथ में प्रसाद के रूप में अपना आशीर्वाद देते हैं। पुरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में जगन्नाथ,बलभद्र एवं सुभद्रा के लिए अलग अलग रथ बनाए जाते हैं। वहां के अलावा राजधानी को ही यह गौरव प्राप्त है। ऐसे लाखों लोग हैं, जो किसी कारण से पुरी में दर्शन करने नहीं जा पाते हैं। ऐसे भक्तों के लिए रथयात्रा स्वर्णिम अवसर होता है, जब भक्त और भगवान के बीच की दूरियां कम होती है। गायत्री नगर में जगन्नाथ मंदिर से सात जुलाई को निकलने वाले रथयात्रा को लेकर यह जानकारी सोमवार को पत्रकार वार्ता में दी गई। संस्थापक अध्यक्ष पुरन्दर मिश्रा ने बताया कि अभी महाप्रभु विश्राम कक्ष में हैं। उनको विभिन्न औषधियों से तैयार किया गया काढ़ा पिलाया जा रहा है।

रथ खींचकर करेंगे रवाना

मंदिर में रथयात्रा के अवसर पर राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह शामिल होंगे। डिप्टी सीएम विजय शर्मा और अरूण साव के साथ रावतपुरा सरकार महाराज भी मौजूद रहेंगे। हवन कुण्ड के बाद छेरा पहरा (रथ के आगे सोने की झाड़ू से बुहारना) के बाद रथ खींचकर रवाना करने की रस्म अदा करेंगे। रथयात्रा गायत्री नगर, बीटीआई ग्राउंड से होते हुए गुण्डिचा मंदिर में समाप्त होगी। 7 जुलाई को रथयात्रा के बाद 15 को बाहुड़ा यात्रा निकलेगी।

एजुकेशन अपडेट

इग्नू में प्रवेश व पुनः पंजीकरण की अंतिम तिथि अब 15 जुलाई

रायपुर। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय ने ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग प्रवेश के लिए पंजीकरण की समय सीमा बढ़ा दी है। योग्य उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट- **ignouadmission.samarth.edu.in** पर जाकर ओडीएल और ऑनलाइन कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण कर इससे पहले इग्नू ओडीएल प्रवेश के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 जून थी। इग्नू ने सोशल साइट एक्स पर पंजीकरण की समय सीमा बढ़ाने की घोषणा की। इसमें कहा गया है कि जुलाई 2024 सत्र के लिए ओडीएल/ऑनलाइन मोड में पेश किए गए सभी कार्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि 15 जुलाई 2024 तक बढ़ा दी गई है। प्रवेश की पुष्टि के बाद योग्य छात्र राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर भारत सरकार की छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी क्षेत्रीय केन्द्र, रायपुर में स्वयं उपस्थित होकन इग्नू के हेल्प डेस्क पर कर्मचारियों से संपर्क कर सकते हैं। अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्रों के लिए बीए, बीकॉम व बीएससी में निःशुल्क नामांकन का प्रावधान है।

सहायक ग्रेड-3 के आवेदन प्रारंभ सिविल जज के पोर्टल भी खुले

व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा बिलासपुर उच्च न्यायालय के अंतर्गत सहायक ग्रेड-3 के लिए आवेदन प्रारंभ कर दिए गए हैं। इसके लिए पंजीयन 2 से 16 जुलाई तक किया जा सकेगा। प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा का आयोजन 28 जुलाई को किया जाएगा। इसके पूर्व प्रवेशपत्र 22 जुलाई को जारी किए जाएंगे। वहीं पीएससी ने सिविल जज परीक्षा के लिए आवेदन पोर्टल दोबारा खोल दिया है। पहले इसके लिए आवेदन 13 से 28 जून तक मांगे गए थे। अब 2 और 3 जुलाई का अतिरिक्त समय दिया गया है।

कैंपस इवेंट

बच्चों की मांग पर लगाया वॉटर कूलर, बांटी खुशियां

रायपुर। अग्रवाल महिला मंडल इन दिनों शहर के सरकार स्कूलों में पहुंचकर बच्चों को जरूरतमंद खाद्य सामाग्री और पढ़ाई से जुड़ी वस्तुओं का वितरण कर रहा है। इसी क्रम में पंडरी स्थित शहीद भगत सिंग स्कूल में बच्चों की मांग पर मंडल उपाध्यक्ष राजकुमारी अग्रवाल ने स्कूल में वॉटर कूलर लगाया है, ताकि बच्चों को स्वच्छ पानी मिल सके। इस दौरान बच्चों को मिठाई बांटकर खुशियां बांटी। प्रभारी कैलाश मुरारका ने बताया कि महिला संगठन स्कूलों में बच्चों की सुविधाओं को बढ़ाने कार्य कर रही है।

एकत्र कर रहे स्कूलों की जानकारियां

सरकारी स्कूलों में जाकर आवश्यक सुविधा की जानकारी लेकर मदद किया जा रहा है। बच्चों को पढ़ाई में कोई दिक्कत न हो, इसलिए पढ़ाई से जुड़ी वस्तुओं का वितरण किया जा रहा है। महिला मंडल द्वारा डॉक्टर्स डे के अवसर पर डॉक्टर कनोई का सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर महिला मंडल अध्यक्ष माया मुरारका, महामंत्री ममता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राज बंसल, निशा अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, संगठन मंत्री नीरू तायल, लेखा परीक्षक नीना अग्रवाल, प्रचार प्रसार ज्योति अग्रवाल, चिमन अग्रवाल, अनीता अग्रवाल व अन्य उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय डाक कर्मचारी दिवस पर कर्मियों ने नए व पुराने दौर को किया याद

चिट्ठी-पत्री में दिल की बात लिखने का जमाना निगल गया इंटरनेट, अब पता नहीं मिलने पर डाकिया लगाते हैं फोन

चिट्ठी में दिल की बात लिखने वाले लोग अब इससे दूरी बनाने लगे हैं। गलियों में डाकिए का कोई इंतजार भी नहीं करता है। 60 के दशक में डाकिया को देखकर लोगों के चेहरे खिल उठते थे। लोगों का पता खोजना भी डाकिया के लिए कोई मुश्किल काम नहीं होता था। जिस गांव या क्षेत्र की चिट्ठी-पत्री होती थी, वहां के किसी व्यक्ति से नाम पूछने पर लोग डाकिया को घर तक पहुंचाते थे।

सिर्फ आर्टिकल्स आते हैं चिट्ठी नहीं

तेलीबांधा क्षेत्र का डाक बांटने वाले विजय कुमार बताते हैं कि अब अंतरदेशी या पोस्ट कार्ड सिर्फ आकाशवाणी या दूरदर्शन को ही लोग लिखते हैं। इसके चलते लोगों का नाता डाक विभाग से बना हुआ है। अब लोग स्पीड पोस्ट के जरिए आर्टिकल्स बुक कराते हैं। इसमें मोबाइल नंबर भी लिखा होता है। डाकघर में डाक आने के बाद अब संबंधित व्यक्ति को मैसेज जाता है। इसके बाद लोग खुद डाकघर आते हैं या बाद में आने की जानकारी देते हैं। कॉलोनी व फ्लैट कल्चर शुरू होने से आर्टिकल पहुंचाना भी आसान हो गया है। अब लोग ऑनलाइन पैसे का लेन-देन करने लगे हैं। डाकघरों में सिर्फ अलीगढ़ से आने वाले मुहर का चलन अभी तक कायम है। यही एक व्यवस्था ऐसी है, जो अभी तक नहीं बदली है।

अब डाकिया को पहचानते नहीं

मुख्य डाकघर में सेवा देने वाले दिनेश पटेल ने यादें साझा करते हुए कहा कि 29 साल पहले जब सेवा शुरु किया था, तब और अभी के दौर में बदलाव आ गया है। अब लोग चिट्ठी लिखने की बजाय ऑनलाइन बात करने लगे हैं। मगर 29 साल पहले लोग एक-दूसरे से पत्र व्यवहार के जरिए ही संवाद करते थे। अभी के दौर में आर्मी के जवानों और विदेश में रहने वाले लोगों का आर्टिकल अर्थात किताब, दस्तावेज आदि ही पहुंचाने के लिए ही डाक आता है। इनकी बुकिंग के तुरंत बाद भेजने वाले लोग सामने वाले व्यक्ति को डिटेल भेज देते हैं। इससे वे डाकिया से संपर्क करने लगे हैं। अब लोगों की पहचान सिर्फ एड्रेस तक सिमट गई है। पहले लोग अपने क्षेत्र के डाकिया को अच्छे से जानते थे, अब पहचानते नहीं हैं।

लवकुश शुक्ला ⏭ रायपुर

अब चिट्ठी के उस दौर को इंटरनेट की दुनिया ने निगलना शुरू कर दिया है या यूं कहें की लगभग निगल ही लिया है। लोगों के पते भी अब फोन करके पूछे जा रहे हैं। बदलते दौर में भी डाकघरों व डाकिया से लोगों का रिश्ता टूटा नहीं है। अब भी लोगों तक डाक पहुंचाने की जिम्मेदारी कई डाकिए पुरानी व्यवस्था यानी साइकिल से ही निभाते हैं। मालवीय रोड स्थित डाकघर से शहर व गंज डाकघर से संभाग की डाक व्यवस्था का संचालन किया जाता है। अब पहले की तरह आने वाले डाक और बांटे गए डाक का हिसाब-किताब रजिस्टर में नहीं लिखा जाता बल्कि कंप्यूटर में अपडेट होने लगे हैं। जिस व्यक्ति का डाक आता है व जिसके द्वारा डाक भिजवाया जाता है, उन्हें इसकी सूचना भी मैसेज के माध्यम से देने लगे हैं। पहले खपरैल घरों में डाकघर होते थे, जहां टेबल-कुर्सी नहीं बल्कि जमीन पर चटाई बिछाकर आने वाले डाक की छटनी की जाती थी। अब डाक विभाग के ज्यादातर काम भी कंप्यूटर से होने लगे हैं। लोग आर्टिकल बुक कराने के बाद ऑनलाइन स्टेटस देखते हैं।

अब ऑनलाइन बात करने लगे

राजातालाब में रहने वाले रिटायर्ड डाक कर्मी विश्वनाथ यादव बताते हैं, 1962 में जब पुरानी बस्ती डाकघर में नियुक्ति हुआ तब लोग खुद घूमते-फिरते डाकघर में एक चक्कर लगाते थे। इनमें ऐसे लोग शामिल होते थे, जिनके परिवार के लोग परदेश में रहते थे। उन्होंने आगे बताया कि क्षेत्र का रहवासी होने से ज्यादातर लोग जानते थे। अब लोग दिल की बात चिट्ठी में लिखने की बजाय वाट्सऐप के दौर में ऑनलाइन बात करने लगे हैं। लोगों को भी किसी के पत्र का इंतजार नहीं होता है। 60 के दशक में लोग डाकिया को देखकर यह जानने के लिए ही दौड़ते थे कि मनीऑर्डर आया क्या। अब लोग ऑनलाइन बैंकिंग से जुड़ गए इसलिए सेवा के तौर-तरीके में भी बदलाव आ गया है।

मां के नाम पेड़ लगाएंगे स्कूली छात्र, गुलमोहर करंज, अर्जुन जैसे छायादार वृक्षों का करेंगे चयन

रायपुर। जिले के शासकीय विद्यालयों में बच्चों द्वारा अपने मां के नाम एक पेड़ लगाया जाएगा। इस संदर्भ में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा सभी जिला कलेक्टर को खत लिखा गया है। स्कूल शिक्षा विभाग का कहना है कि पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में पेड़ पौधों का अहम योगदान है। पेड़ पौधे हमारा भविष्य सुरक्षित करते हैं। हमारा भविष्य हमारे छात्र-छात्राएं हैं और उनके भविष्य को संरक्षित रखने के लिए पेड़ पौधों का होना अत्यंत आवश्यक है। इन्हीं तथ्यों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री द्वारा किए गए आह्वान 'एक पेड़ मां के नाम' के अनुपालन में सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं पालकों से अपील की है कि वे एक पेड़ मां के नाम पर अवश्य लगाएं। शाला परिसर में पौधा रोपण के संबंध में निर्देश भी दिए गए हैं।

पालक और शिक्षा भी लगाएंगे पौधे

विभाग के अनुसार, ऐसे स्कूल जहां अहाता है, उनके किनारे-किनारे छायादार पेड़ जैसे नीम, गुलमोहर, करंज, अशोक, अर्जुन आदि लगाये जाएं। पौधारोपण शाला के विद्यार्थी, शिक्षक अथवा पालक द्वारा किया जाएगा। वे अपने द्वारा लगाए गए पौधे का वृक्ष बनते तक पालन पोषण एवं सुरक्षा करेंगे। पौधारोपण के लिए उचित ऊंचाई के पौधे वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग से प्राप्त किया जाएगा।

करेंगे उचित मापदंड के गड्ढे

पौधारोपण के लिए उचित मापदंड के गड्ढे कराए जाएंगे तथा आवश्यक मात्रा में मिट्टी एवं खाद स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराया जाएगा। पौधारोपण शाला प्रवेश उत्सव के दौरान अवश्य रुप से करने कहा गया है। इसके लिए जिले का शालावार कैलेंडर तैयार किया जाएगा। विद्यालयों में पौधारोपण के दौरान जन प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाएगा। पौधारोपण के समय शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं से पौधों को सुरक्षित रखने बाबत शपथ ग्रहण भी कराया जाएगा। शपथ-पत्र का प्रारूप भी स्कूलों को भेजा गया है।

चिकित्सकों ने समझाई रक्तदान की महत्ता, 77 यूनिट रक्त संग्रह

रायपुर। डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मृति चिकित्सालय स्थित मॉडल ब्लड बैंक सेंटर एवं निरंकारी मंडल राजिम द्वारा सिंधी धर्मशाला, राजिम में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में रक्तदाताओं ने 77 यूनिट रक्तदान किया। चिकित्सक दिवस पर यह आयोजन किया गया। ब्लड बैंक से जुड़े चिकित्सकों व अधिकारियों ने स्वयं भी रक्तदान करके दूसरों को इसके लिए प्रेरित किया। निरंकारी मंडल की तरफ से कैंप का कार्यभार गुरबक्श कालरा ने और मॉडल ब्लड बैंक सेंटर की तरफ से डॉ. अविरल मिश्रा ने संभाला। मॉडल ब्लड बैंक के इंचार्ज डॉ. विजय कापसे के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। मॉडल ब्लड बैंक सेंटर रायपुर के रक्तदान शिविर की टीम में डॉ. अमित, डॉ. रूपेश, डॉ. रितिक, डॉ. रुद्र, मनोज, झूल सिंह, भूमिका, शोभाराम, राकेश बंजारे, राकेश शर्मा, करिश्मा भावना और मुकेश शामिल रहे। सभी के विशेष सहयोग से रक्तदान शिविर का सफल आयोजन हुआ।

इस मानसून बदला होटल का मेनू....इसमें कटहल बिरयानी भी

कार्नर न्यूज

रेस्त्रां सेहत के लिए परोस रहे आयुर्वेदिक काढ़ा, इसमें खास जड़ी-बुटियों का मिश्रण

रायपुर। प्रत्येक व्यक्ति की अपनी अलग पसंद होती है। वह अपनी पसंद से ही वस्तुओं का चयन करता है। ऐसे में भोजन के साथ ही प्रत्येक की अपनी अलग पसंद है। मानसून की शुरुआत होते ही बाजार में कई फल और सब्जियां दिखने लगी हैं। बारिश की शुरुआत होते ही होटल में तैयारी जारी है, लोगों की पसंद अनुसार मेनू में अनेक प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन शामिल किए जा रहे हैं। शहर के विभिन्न होटल में मौसमी सब्जियों और फलों के उपयोग से डिफरेंट डिश बनाई जा रही, जिसे बड़ों संग बच्चे भी खा सकते हैं।

बदलते वक्त के साथ अब होटल में लोगों की मनपसंद डिश को शामिल किया जा रहा है। इसमें मुख्य रूप से काढ़ा आकर्षण का केंद्र है, जो लोगों की स्वास्थ्य अनुसार बनाया जा रहा है। बरसात के दौरान अच्छे स्वास्थ्य के लिए काढ़ा सबसे अच्छा उपाय है, जिसके लिए अब शहर के होटल के मेनू में इसे शामिल किया जा रहा है।

मेनू में शामिल डिफरेंट डिश

मायरा रिसॉर्ट से सेफ सुधीर रावत ने बताया, मानसून के दौरान कई सब्जियों और फलों से व्यंजन तैयार किए जा सकते हैं। इस दौरान रिसॉर्ट में भी कटहल की बिरयानी, जामुन चीज केक, सीताफल बासुंदी और अंजीर का हलवा जैसे स्वादिष्ट व्यंजनों को परोसा जाएगा। मौसम के अनुसार रिसॉर्ट में नए व्यंजनों को शामिल किया जाता है, इस मानसून इन्हें शामिल किया जाएगा। कटहल बिरयानी लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगी, वहीं जामुन चीज, सीताफल बासुंदी और अंजीर का हलवा मौसमी फलों से तैयार किया जाएगा।

आयुर्वेदिक काढ़ा का तड़का

सयाजी होटल के प्रबंधक हरेंद्र कुमार शर्मा ने बताया, मानसून के दौरान चाय और पकौड़ा की डिमांड सबसे अधिक होती है। इसके अलावा होटल में आयुर्वेदिक काढ़ा भी तैयार किया जाता है, जिसे आयुर्वेदिक औषधि, जड़ी-बूटी के साथ बनाया जाता है। इसे विशेष तौर पर 20 से 25 मिनट तक पकाया जाता है। हेल्दी भोजन में लिए लोगों की पसंद वेज और नॉनवेज कबाब है, जिसमें विभिन्न प्रकार की मौसमी सब्जियों को शामिल किया जाता है।

सिटी लाइव

लोक व्यवहार में प्रभावी भाषा है छत्तीसगढ़ी, साहित्य भी समृद्ध

रायपुर। शहर में युवाओं को पीएससी सहित कई प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी निःशुल्क कराने वाली संस्था के सभागार में छत्तीसगढ़ी भाषा, साहित्य एवं छत्तीसगढ़ी राजभाषा का लोक व्यवहार विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। इसमें छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग के पूर्व सचिव डॉ. अनिल कुमार भतपहरी मुख्य वक्ता के रूप में मंचस्थ थे। इसमें देवलाल साहू ने स्वागत भाषण के साथ ही संस्था के अभियान एवं सार्थक प्रयास की जानकारी दी। मुख्य वक्ता डॉ. भतपहरी ने कहा, छत्तीसगढ़ी में हर भाषा को अपना लेने की क्षमता है। इसमें हम विभिन्न प्रकार के शब्दों को अपने बोली एवं भाषा में शामिल कर रहे हैं। प्राचीन समय से ही छत्तीसगढ़ी एक समृद्ध बोली रही है। इसमें बहुत से लेख एवं ग्रंथ भी लिखे गए हैं। आज रामायण, महाभारत एवं पंचतंत्र जैसे ग्रंथो का छत्तीसगढ़ी में अनुवाद हुआ है।

युवाओं को दी रोचक जानकारी

उन्होंने छत्तीसगढ़ी भाषा, साहित्य, छत्तीसगढ़ी राजभाषा के लोक व्यवहार और प्रशासनिक छत्तीसगढ़ी जैसे बिन्दुओं पर युवा प्रतिभागियों को नई व रोचक बातें बताई। आगे बताया कि 28 नवंबर 2007 में छत्तीसगढ़ राजभाषा विधेयक आया। इस कारण हर साल 28 नवंबर को छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस के रूप में मनाते हैं। 14 अगस्त 2008 में छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग का गठन किया गया। सेमिनार में युवा सदस्यों के अलावा पीएससी परीक्षा की तैयारी कर रहे विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र भी शामिल थे।

कैंपस लाइव

विद्यार्थियों को प्रकृति से जोड़ने अभियान, स्कूलों में इको क्लब

रायपुर। जिले के निजी स्कूल द्वारा बच्चों को प्रकृति से जोड़ने के लिए पहल की जा रही है। दिल्ली पब्लिक स्कूल द्वारा इको क्लब बनाकर पक्षियों की देखभाल करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत बच्चों को गर्मी की छुट्टियों में बच्चों को पक्षियों के लिए फीडर और ताजा बीज दिया गया। बच्चों ने भरकर उसे बगीचे या बालकनी में टांग दिया। इससे जुड़े अनुभव बच्चों ने स्कूल खुलने के बाद शिक्षकों को बताए। उन्होंने कहा, जब इस गर्मी में बहुत सारे पक्षी अपनी प्यास बुझाने के लिए आए और उन्होंने इन कटोरे को नहाने के टब के रूप में इस्तेमाल किया, तो इससे अभूतपूर्व खुशी मिली।

दोस्तों संग बांटे अनुभव

छात्रों ने केवल कक्षा में अपने अनुभव साझा किए बल्कि अपने दोस्तों के साथ भी इससे जुड़े अनुभव बांटे। पक्षियों पर चर्चा करते हुए छात्रों ने उनके पोषण संबंधित जानकारी आपस में साझा की। विभिन्न कक्षा के बच्चों ने बताया कि किस-किस तरह के पक्षी उनके घरों की छत पर दाना-पानी के लिए आए। प्रिंसिपल रघुनाथ मुखर्जी ने कहा, "यह प्रयास बच्चों को पक्षियों की मदद करने के लिए प्रेरित करेगा। उन्हें पोषण संबंधी व्यवहार जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करेगा और प्रकृति से सकारात्मक संबंध बनाने में मदद करेगा।" उन्होंने बच्चों के बीच इस गहन जागरूकता को बढ़ाने में शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की।

समाज इवेंट

व्यापारियों सहित आम नागरिकों ने सफल बनाया जीएसटी को

रायपुर। राजधानी के जीएसटी कार्यालय में 7वां राष्ट्रीय जीएसटी दिवस समारोह अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न ट्रेड यूनियनों और व्यापार और वाणिज्य जगत से जुड़े विभिन्न संगठनों, सीए एसोसिएशन, बार एसोसिएशन, छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स, उरला इंडस्ट्रियल एसोसिएशन, भिलाई स्टील प्लांट के प्रतिनिधियों ने भी समारोह में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई। समारोह की अध्यक्षता जीएसटी आयुक्त मोहम्मद अबु सामा ने की। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत के अब तक के सबसे बड़े कर सुधार के रूप में एक जुलाई को जीएसटी कर प्रणाली लागू हुई। अब तक जीएसटी ने 7 वर्षों का एक छोटा लेकिन सफल सफर पूरा कर लिया है। हम सबने एक राष्ट्र और एक कर की प्रणाली को सफल बनाने में अपना अमूल्य योगदान दिया है।

शुरुआत में आई कई दिक्कतें

जीएसटी अधिकारियों ने अपने उद्बोधन में यह भी कहा कि जब यह नई कर प्रणाली लागू हुई तो शुरुआत में न केवल हमारे करदाताओं को बल्कि विभागीय अधिकारियों को भी कई दिक्कतों का सामना करना पड़ा, लेकिन हमारे सभी करदाताओं और विभागीय अधिकारियों ने दिन-रात मेहनत करके और मिल-जुलकर इसे सरल, सहज और सफल बनाया। इसके लिए उन्होंने सबको धन्यवाद भी दिया। इसके अलावा उन्होंने अपने उद्बोधन में पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 और चालू वित्त वर्ष 2024-25 में रायपुर आयुक्तालय की उपलब्धियों का लेखा-जोखा भी प्रस्तुत किया।

● दो दिन होगी मां भुवनेश्वरी की पूजा, खरीदारी के कई शुभ योग भी

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि इस बार 6 से 15 जुलाई तक आदिशक्ति की आराधना के लिए मिलेंगे 10 दिन

"आषाढ़ माह की गुप्त नवरात्रि आगामी 6 से 15 जुलाई तक रहेगी। खास बात यह है कि शक्ति की साधना और उपासना का यह पर्व इस बार 9 की बजाए पूरे 10 दिन का होगा। इस अवधि में 9 देवियों के साथ ही दस महाविद्याओं की विशेष पूजा-अराधना भी की जा सकेगी। चतुर्थी तिथि 9 और 10 जुलाई दोनों दिन होने से यह स्थिति बनी है। इन दस दिनों में पूजा-आराधना के अलावा खरीद फरोख्त के लिए भी एक दिन पुष्य नक्षत्र, दो दिन सर्वार्थ सिद्धि और एक दिन भड़ली नवमी पर समापन दिवस पर अबूझ मुहूर्त रहेगा।

आज योगिनी एकादशी 5 को अमावस्या

गुप्त नवरात्र से पहले दुर्ग प्रमुख व्रत पर्व भी पड़ रहे हैं। पंडित चंद्र भूषण शुक्ला के अनुसार 2 जुलाई मंगलवार को योगिनी एकादशी है। मान्यता है कि इस एकादशी पर व्रत करने से घर में धन संपत्ति, वैभव आता है। भगवान विष्णु के योग निंद्रा में जाने से पहले इस एकादशी का विशेष महत्व है। इसी तरह आषाढ़ माह की अमावस्या 5 जुलाई को पड़ रही है। इस तिथि को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन कुछ विशेष कार्यों को करने से पितरों की नाराजगी को दूर किया जा सकता है। इस अमावस्या पर दान और पूर्वजों की आत्मा शांति के लिए गंगा स्नान करना बेहद शुभ होता है। आषाढ़ महीने के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 5 जुलाई को सुबह 4.57 बजे शुरू होगी, जो 6 जुलाई को सुबह 4.26 मिनट पर समाप्त होगी।

जानिए... कब, कौन से शुभ मुहूर्त

गुप्त नवरात्र के चलते 7 जुलाई को सूर्योदय से 8 जुलाई की सुबह 6.16 तक सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा। इसके बाद 9 जुलाई को सूर्योदय से शाम 6.54 तक भी यही योग रहेगा। पुष्य नक्षत्र योग 7 जुलाई को सूर्योदय से 8 जुलाई की सुबह 6.44 बजे तक रहेगा। इसके बाद नवरात्रि के समापन दिवस पर 15 जुलाई को भड़ली नवमी रहेगी। इन मुहूर्तों में किए गए कार्य सफल होंगे, वहीं खरीद-फरोख्त करना भी शुभ व मंगलकारी रहेगा। ऐसे में बाजारों में जबरदस्त खरीदारी का माहौल रहेगा।

रायपुर। नवरात्रि के इन दस दिनों में घरों व देवी मंदिरों में अखंड दीप जला कर मां शक्ति की उपासना की जाएगी। गौरतलब है कि दो गुप्त नवरात्रि में पहली माघ व दूसरी आषाढ़ महीने में होती है। पंडितों का कहना है कि आषाढ़ माह की गुप्त नवरात्र में मां दुर्गा-काली के विभिन्न स्वरुपों की पूजा की जाती है। साल में 4 बार नवरात्र होती हैं। पहली चैत्र माह में दूसरी आश्विन माह में मनाई जाने

वाली शारदीय नवरात्र होती हैं। दूसरी दो नवरात्र गुप्त रूप से मनाई जाती हैं। यह गुप्त नवरात्रि माघ माह और आषाढ़ माह में मनाई जाती है। मान्यता है कि इस गुप्त नवरात्रि में मां की आराधना करने से दस महाविद्याओं की सिद्धियां प्राप्त होती हैं। इधर गुप्त नवरात्र से पहले जुलाई में ही योगिनी एकादशी और आषाढ़ अमावस्या का विशेष दिन भी मिलेगा।

चतुर्थी तिथि दो दिन तक रहेगी पड़ेगा पूजा पर असर

पंडितों के अनुसार देवी मां काली, तारा, ललिता, भुवनेश्वरी, त्रिपुर भैरवी, छिन्नमस्तिका, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी और देवी कमला आदि शक्तियों की पूजा मुख्य रूप से गुप्त नवरात्रि में की जाती है। चतुर्थी तिथि दो दिन होने से इस बार मां भुवनेश्वरी की दोनों दिन पूजा-आराधना की जाएगी। इस तरह गुप्त नवरात्र पर भक्तों को माता की पूजा, आराधना के लिए 10 दिन मिलेंगे। कलश की स्थापना छह जुलाई सुबह पांच बजकर 11 मिनट से लेकर सात बजकर 26 मिनट पर करना शुभ होगा। वहीं अभिजीत मुहूर्त पर भी कलश स्थापना की जा सकती है, जो सुबह 11 बजे से लेकर 12 बजे तक रहेगा। अभिजीत मुहूर्त में घट स्थापना करना बेहद शुभ माना जाता है।

हम मित्र उसे ही कहते हैं, जो हमारी हां में हां मिलाए

विरागमुनि ने कहा, कल्याण मित्र चुनना सर्वाधिक मुश्किल कार्य

रायपुर। जैन दादाबाड़ी में 15 जुलाई को जैन संत श्री विरागमुनि का भव्य प्रवेश होगा। वहीं, मुनिजी का रायपुर प्रवेश हो चुका है और जिनवाणी की वर्षा करते हुए श्रावक- श्राविकाओं को लाभान्वित कर रहे हैं। जिनवाणी की वर्षा के क्रम में सोमवार को दीर्घ तपस्वी श्री विरागमुनिजी के श्रीमुख से चौबे कॉलोनी स्थित पार्श्वनाथ जिनालय में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने प्रवचन का लाभ लिया। प्रवचन के दौरान उन्होंने कहा कि आज हमें जीवन का कल्याण करना है। उसके लिए हमें कल्याण मित्र चुनना है जो कि एक बहुत ही मुश्किल कार्य है। आज तो कल्याण मित्र उसे माना जाता है, जो आपकी हां में हां मिलाए। जो आपका विरोध करता है या जिससे आपका वैचारिक मतभेद होता है वह तो आपका दुश्मन हो जाता है। मित्र मंडल की बात तो बहुत दूर की है आज तो घर में ही पिता अपने बच्चों के कल्याण के लिए उन्हें नहीं कह सकता। पिता भी अपने मोबाइल में व्यस्त है और बच्चा भी। यहां तक तो दादाजी भी मोबाइल में मस्त होते हैं। अब बच्चे को रोकें तो रोकें कैसे? वह तो वापस पलट कर बोल सकता है कि आप भी तो दिन भर मोबाइल चलाते हो, तो मुझे क्यों मना कर रहे हो? वैसे भी आज आप दुनियाभर में घुम रहे हो, फिर ऐसा क्या बच जाता है जो आपको रात में मोबाइल देखने की आवश्यकता पड़ जाती है?

सलाह के बदले सहयोग मिल जाए

मुनिजी ने आगे कहा कि आज कल्याण मित्र आपको बहुत कम मिलेंगे। सलाह देने के लिए दुनियाभर के लोग सामने आ जाएंगे और जब आप किसी से सहायता मांगोगे तो उन हजारों में शायद कोई इक्का-दुक्का ही सामने आएगा। कितना अच्छा होगा कि आपको सलाह के बदले सहयोग मिल जाए। अगर आपको ज्यादा दिमाग लगाना पड़ रहा है तो आप केवल जैन समाज के दो रत्नों को समझ लो आपको पूरा जीवन समझ में आ जाएगा, वह है स्यादवाद और अनेकांतवाद।

मुमुक्षु नीलेश मेहता को आज मिलेगा दीक्षा मुहूर्त

जैन संत श्री विरागमुनि जी मंगलवार को सुबह 5.30 बजे चौबे कॉलोनी से विहार करते हुए भाठागांव स्थित वॉलफोर्ट सिटी पहुंचेंगे। इसके पश्चात बुधवार की सुबह 8 बजे मुमुक्षु नीलेश महेता को दीक्षा का मुहूर्त गुरूवर द्वारा प्रदान किया जाएगा। अतिथियों के लिए प्रवचन के बाद नवकारसी, सुबह और शाम के भोजन की व्यवस्था क्लब हाउस में रहेगी। चातुर्मास समिति के प्रचार प्रसार संयोजक नीलेश गोलछा और तरुण कोचर ने बताया कि जिनवाणी की वर्षा के क्रम में 2, 3 और 4 जुलाई को वालफोर्ट सिटी में सुबह 8.45 से 9.45 बजे मुनिश्री का प्रवचन होगा।

आइसक्रीम स्टिक्स से बच्चों ने बनाए अल्फाबेट्स व फोटो फ्रेम

रायपुर। घर हो या स्कूल, बच्चों का मन खेलकूद में ज्यादा लगता है। केवल सैद्धांतिक ज्ञान ज्यादातर बच्चों में ऊब पैदा करती है। ऐसे में आजकल स्कूलों में बच्चों को विविध एक्टिविटी के माध्यम से पढ़ाई कराई जाती है, ताकि बच्चे खेल-खेल में बहुत कुछ सीख सकें। संत ज्ञानेश्वर विद्यालय में बच्चों को नो स्टडी ओनली एक्टिविटी की तर्ज पर कई गतिविधियां कराईं गईं। शिक्षिका अस्मिता कुसरे ने बताया कि प्री प्राइमरी के बच्चों में काग्निटिव स्किल (संज्ञानात्मक कौशल) बढ़ाने के लिए कई एक्टिविटी कराई गई। बच्चों ने जिगजैग लाइन और कर्व लाइन में चलना सीखा। आइसक्रीम की स्टिक से बच्चों ने अल्फाबेट बनाए। कुछ बच्चों ने इन्हीं स्टीक से शेप्स और फोटो फ्रेम भी तैयार किया। यह एक्टिविटी नर्सरी से पांचवीं तक के बच्चों को अलग-अलग कराई गई। प्री प्राइमरी कक्षाओं की शिक्षिका सुरेखा नायक, शिखा शर्मा, भारती सहगल ने बच्चों को योग कराया। अपर्णा आठले, सुदेवी विश्वास ने बच्चों से विविध एक्टिविटी कराई। प्राचार्य मनीष गोवर्धन ने बताया कि एक दिन बच्चों की एक्टिविटी के लिए रखा जाना चाहिए, ताकि मनोरंजन के साथ बच्चों की हम पढ़ा सकें। बच्चों में संज्ञात्मक कौशल के विकास के लिए यह बेहद जरूरी है।

सामाजिक संस्थाओं ने किसान और पर्यावरण के हित में शुरू किया टोकरी में फल और सब्जी देने की पहल

उपहार देने अनूठी पहल: फूलों के गुलदस्ते की जगह अब सब्जियों व मौसमी फलों की टोकरी देने का नया चलन

कार्नर न्यूज

रायपुर। शहर के सामाजिक संगठनों ने खास अवसर पर अपनों को उपहार देने एक अनूठी पहल की है, जिसे अब खूब पंसद किया जा रहा है। किसानों के हित में कुछ जागरूक समाजसेवियों ने फूलों के गुलदस्ते की जगह सब्जियों और मौसमी फलों की टोकरी देने की पहल शुरू की है। अक्सर देखा जाता है कि जन्मदिन पर दिए गए फूलों के गुलदस्ते समारोह के बाद वहीं छोड़ दिए जाते हैं और उनकी उपयोगिता समाप्त हो जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए लोगों ने अब टोकरी में सब्जी और फलों को सजाकर उपहार स्वरूप दे रहे हैं। मार्मिक चेतना वेलफेयर सोयायटी की संस्थापिका अंकिता पांडेय का कहना है कि टोकरी में मौसमी फल जैसे अमरूद, कच्चा आम, नींबू, आंवला, चीकू आदि रखे जा सकते हैं। बजट के अनुसार टोकरी का आकार और सब्जियों की मात्रा समायोजित की जा सकती है। यह पहल एक उदाहरण है कि कैसे समाज के छोटे-छोटे प्रयास बड़े बदलाव ला सकते हैं। इस पहल के माध्यम से एक नई उपहार देने की संस्कृति का विकास हो रहा है।

बाजार में कई तरह की टोकरियां

मार्केट में कई तरह की टोकरियां उपलब्ध हैं। इनका इस्तेमाल भी गिफ्ट देने के लिए किया जा रहा है। शास्त्री चौक स्थिति एक दुकान के संचालक मोहम्मद इरफान ने बताया कि बांस की ये टोकरियां कश्मीर से आती हैं। देश के दूसरे हिस्सों से भी टोकरियां मंगाई जाती हैं, लेकिन सर्वाधिक टोकरी यहीं से मंगाई जाती है। ये कई आकृति और आकार में मौजूद हैं। इसमें मोर, बास्केट और चांद डिजाइन सर्वाधिक पसंद की जाती है। इनकी कीमत 100 रुपए से लेकर हजार रुपए तक है। अधिक छोटे उपहार होने पर अत्यंत छोटे आकार की टोकरियां भी मौजूद हैं। कई बार कस्टमर तोहफे लेकर आते हैं। ऐसे में हम उन्हें पैक करके भी देते हैं। सभी आयु वर्ग के लोग इसे पसंद कर रहे हैं।

प्रयास से बदलेगा समाज

शहर के कुछ समाजिक संस्थाओं ने फिलहाल ये पहल शुरू की है, जिसे अब काफी पंसद किया जा रहा है। कार्यक्रम और लोगों के बीच इसका प्रचार भी किया जा रहा है। संस्थाओं का कहना है कि छोटे बदलाव समाज में क्रांति ला सकते हैं। पहल से न केवल किसानों को आर्थिक लाभ मिलेगा बल्कि पर्यावरण की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। आने वाले समय में यह चलन और भी लोकप्रिय हो सकता है और समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। यह किसान और पर्यावरण के लिए भी लाभकारी है। फूलों के गुलदस्ते की जगह सब्जियों और फलों की टोकरी देने से प्लास्टिक की पैकेजिंग में कमी आएगी।

उपहार देने का नए विकल्प

शहर के समाजिक संस्थाओं अब लोगों को भी फूलों की जगह सब्जियों और फल को उपहार स्वरूप देने के लिए लोगों को जागरूक कर रहे हैं। फुलवारी सामाजिक संस्था के प्रमुख नितेश साहू का कहना है कि अगर विभिन्न सब्जियां महंगी हैं, तो केवल एक या दो प्रकार की सब्जियां दी जा सकती है। यह सोचने का तरीका बदल सकता है और लोगों को उपहार देने के नए विकल्प प्रदान कर सकता है। वहीं दूसरी ओर टोकरी को प्लास्टिक से लपेटने की जगह सूती कपड़े या गमछे का इस्तेमाल करने पर हमारे द्वारा विचार किया जा रहा है, जो बाद में भी उपयोगी साबित हो सकता है। इससे पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों में कमी आएगी और एक स्थायी विकल्प प्रदान होगा।

ज्योतिष शास्त्र

शनि की उल्टी चाल से इन राशि वालों को होगा जमकर धन लाभ

ग्रहों में सबसे धीमी चाल से चलने वाला शनि ग्रह अपनी चाल बदलकर कुंभ राशि में प्रवेश कर गया है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, शनि देव वक्री (उल्टी चाल) अवस्था में 15 नवंबर तक रहने वाले हैं। ग्रहों में न्यायाधीश माने जाने वाले शनि देव 29 जून को मध्यरात्रि यानी 12 बजकर 35 मिनट पर कुंभ में वक्री हो गए। शनि की यह उल्टी चाल कुछ राशियों से जुड़े लोगों के जीवन में खास बदलाव लाने वाला है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, पांच राशियों मेष, वृषभ, सिंह, धनु और मकर राशि के जातकों को शनि-वक्री के दौरान जबरदस्त लाभ प्राप्त होगा। शनि देव की विशेष कृपा के परिणामस्वरूप करियर में तरक्की के साथ-साथ नौकरी-व्यापार में भी खूब लाभ देखने को मिलेगा। आइए जानते हैं कि शनि की वक्री चाल किन राशियों को मालामाल कर सकती है।

मेष राशि : शनि की वक्री चाल मेष राशि के लिए खास है। वक्री अवस्था के दौरान शनि देव आर्थिक उन्नति में सहायक होंगे। इसके साथ ही इस दौरान सामाजिक कार्यों में मान और प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी। करियर में उन्नति के अलावा नौकरी में प्रमोशन का भी लाभ प्राप्त हो सकता है। इस दौरान वो तमाम इच्छाएं पूरी होंगी जिसका लंबे समय से इंतजार था।

वृषभ राशि : शनि देव वक्री अवस्था के दौरान वृषभ राशि से जुड़े लोगों के लिए भी उन्नति के कारक बनेंगे। आर्थिक जीवन में उन्नति के साथ-साथ सुख और ऐश्वर्य के साधनों में भी बढ़ोतरी होगी। शनि की वक्री अवस्था के दौरान करियर में तमाम मोर्चों पर शुभ फल प्राप्त होगा। प्रमोशन का शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। प्राइवेट नौकरी करने वालों को नई जिम्मेदारी मिल सकती है। सामाजिक कार्यों का दायरा बढ़ेगा। नवंबर तक कोई बड़ी सफलता मिल सकती है।

सिंह राशि : सिंह राशि के लिए शनि का वक्री होना बेहद शुभ और लाभकारी है। इस अवधि में उन्नति के कई अवसर प्राप्त होने के साथ-साथ करियर में भी खास उन्नति देखने को मिलेगी। शनि वक्री की अवधि में बिजनेस में अच्छी आर्थिक उन्नति होगी। आकस्मिक धन लाभ के साथ-साथ कहीं फंसा हुआ पैसा भी वापस मिलेगा।

धनु राशि : धनु राशि से संबंधित लोगों के लिए शनि का वक्री होना काफी लाभदायक साबित होने वाला है। कार्यक्षेत्र में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। सामाजिक कार्यों में यश मिलेगा। बिजनेस में आर्थिक लाभ के कई स्रोत विकसित होंगे। अचानक धन लाभ होने के साथ ही संपत्ति में भी इजाफा हो सकता है।

मकर राशि : शनि का वक्री होना मकर राशि के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इस अवधि में आर्थिक स्थिति में जबरदस्त उछाल आएगा कर्ज के बोझ से छुटकारा मिलेगा। पारिवारिक जीवन खुशहाल नजर आएगा। लव लाइफ से लिए भी शनि का यह परिवर्तन खास है. इस दौरान प्रेम संबंधों का आनंद लेंगे। समाजिक कार्यों में प्रतिष्ठा मिलेगी।

मंगल का 12 को वृषभ राशि में प्रवेश, इन राशियों को 46 दिनों तक रहना होगा बेहद सतर्क

ज्योतिष में मंगल को भूमि, साहस, पराक्रम और उत्साह का कारक माना गया है। ज्योतिष शास्त्र की गणना के मुताबिक मंगल ग्रह 12 जुलाई को वृषभ राशि में प्रवेश करने जा रहा है। मंगल देव वृषभ राशि में 46 दिनों तक रहेंगे। इसके बाद मंगल का 26 अगस्त को मिथुन राशि में गोचर होगा। ज्योतिषीय गणना के मुताबिक, वैसे तो मंगल का यह गोचर सभी राशियों को प्रभावित करेगा लेकिन 5 राशियों को खास सतर्क रहना होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि मंगल का यह राशि परिवर्तन पांच राशियों के लिए कष्टकारी माना जा रहा है।

मिथुन राशि : मंगल का गोचर मिथुन राशि के लिए कष्टकारी हो सकता है। मंगल-गोचर की अवधि में सेहत का खास ख्याल रखना होगा। इस दौरान अधिक मेहनत करने की जरूरत पड़ेगी। अनावश्यक खर्च में वृद्धि होने की वजह से शारीरिक और मानसिक तनाव रहेगा। इस दौरान शादीशुदा लोगों को परिवार में सामंजस्य बनाकर चलना होगा। जीवनसाथी के साथ विवाद करने से बचना होगा।

कर्क राशि : कर्क राशि के लिए मंगल का गोचर शुभ नहीं माना जा रहा है। इस दौरान कोई बड़ी इच्छा अधूरी रह सकती है। कार्यस्थल पर छवि धूमिल हो सकती है। करियर में तरक्की के लिए काफी मेहनत करना पड़ेगा। सेहत संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अनावश्यक कार्यों की वजह से मानसिक तनाव बढ़ेगा।

वृश्चिक राशि : मंगल का यह गोचर वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा नहीं है। शादीशुदा जिंदगी में कुछ परेशानियां आ सकती हैं। पार्टनर के साथ रिश्ते में खटास आ सकती है। इस दौरान आत्मनियंत्रण ना होने की वजह से काफी संघर्ष करना पड़ेगा। साझेदारी वाले बिजनेस में पार्टनर के साथ विवाद हो सकता है।

कुंभ राशि : मंगल गोचर के दौरान कुंभ राशि से जुड़ लोगों को माता की सेहत का खास ख्याल रखना होगा। फिजूखर्ची की वजह से मानसिक तनाव बढ़ सकता है। नौकरीपेशा वालों को भागदौड़ व कार्यस्थल पर दिक्कतों का भी सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान कई महत्वपूर्ण काम प्रभावित होंगे। आर्थिक परेशानियों से विचलित हो सकते हैं।

मीन राशि : मंगल का गोचर मीन राशि के लिए भी अनुकूल नहीं है। गोचर की अवधि में कई प्रकार की उलझनों का सामना करना पड़ेगा। इस दौरान आय के साधन प्रभावित हो सकते हैं। इस दौरान की गई यात्रा कष्टकारी रहेगी।

चिपचिपी गर्मी और नमी के कारण त्वचा को होने लगता है नुकसान

बारिश के कारण हो रहा फंगल संक्रमण तो छुटकारा पाने के लिए कारगर हैं ये उपचार

मानसून के आगमन से गर्मी से राहत तो मिल जाती है लेकिन बारिश के मौसम में हवा में उच्च स्तर की नमी होने लगती है। इस चिपचिपी गर्मी और नमी के कारण त्वचा को नुकसान होने लगता है। मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी जल-जनित बीमारियों के अलावा, मानसून फंगल संक्रमण होने का एक प्रमुख कारक हो सकता है। ये संक्रमण हानिकारक बैक्टीरिया और वायरस के कारण होते हैं। आप मानसून में होने वाले फंगल संक्रमण के इलाज के लिए ये टिप्स अपनाएं।

शहद लगाना है कारगर उपाय

फंगल संक्रमण के लिए सबसे सरल घरेलू उपचारों में से एक है शहद का उपयोग। इसमें हाइड्रोजन पेरोक्साइड होता है, जो संक्रमण पैदा करने वाले कवक और बैक्टीरिया को मारने में अत्यधिक प्रभावी होता है। शहद में विटामिन, खनिज, आयरन, जस्ता और एंटीऑक्सिडेंट भी होते हैं। यह संक्रमण के इलाज, मेटाबोलिक सिंड्रोम से लड़ने और स्वस्थ त्वचा को बनाए रखने के लिए भी फायदेमंद है।

नीम का करें इस्तेमाल

नीम की पत्तियां त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं और फंगल त्वचा संक्रमण का प्रभावी ढंग से इलाज कर सकती हैं। आप अपनी संक्रमित त्वचा पर नीम का पेस्ट बनाकर लगाएं। नीम में सूजन-रोधी, एंटीऑक्सीडेंट और प्रतिरक्षा-बढ़ाने वाले गुण होते हैं। नीम त्वचा को हानिकारक अल्ट्रा वॉयलेंट किरणों, प्रदूषक और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से बचाने में सहायक साबित होती है।

नारियल का तेल आएगा काम

नारियल के तेल में पाए जाने वाले एंटीफंगल और माइक्रोबियल गुण दाद संक्रमण की जगह लगाकर उपचार में सहायता कर सकते हैं। यह दाद और कैंडिडा जैसे अन्य फंगल संक्रमणों के लिए एक बहुत ही शक्तिशाली घरेलू उपचार है। इसे दिन में कम से कम 3 से 4 बार संक्रमित अंगों पर लगाएं। आप नारियल तेल लगाकर स्ट्रेच मार्क्स से भी छुटकारा पा सकते हैं।

एलोवेरा जेल से मिलेगा आराम

मानसून के दिनों में अपनी त्वचा की देखभाल करने के लिए आप एलोवेरा का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें मजबूत जीवाणुरोधी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो मुक्त कणों से लड़ने में सहायता करते हैं। एलोवेरा दाद से जुड़ी परेशानी, जलन और खुजली से भी राहत दिला सकता है। आपको एलोवेरा के इस्तेमाल से ये फायदे और नुकसान हो सकते हैं।

टी-ट्री ऑयल का करें उपयोग

टी-ट्री ऑयल एक तरह का एसेंशियल आयल है, जिसे बनाने के लिए ऑस्ट्रेलियाई टी-ट्री पेड़ की पत्तियों को भांप में पकाया जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, टी-ट्री अपने एंटीफंगल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के कारण उपयोगी उपाय हो सकता है। टी-ट्री ऑयल की कुछ बूंदों को संक्रमित जगह पर लगाएं और दिनभर में कम से कम 3 से 4 बार इस तेल का इस्तेमाल करें।

पीरियड्स में होने वाली ज्यादा परेशानी से राहत पाने कुछ घरेलू नुस्खे

पीरियड्स महिलाओं की मासिक समस्या है, इस दौरान कई महिलाओं को अत्यधिक दर्द और असुविधा झेलनी पड़ती है। मेनोरेजिया पीरियड्स की एक ऐसी स्थिति है, जिसमें महिलाओं का सामान्य से अधिक खून निकलता है। इसका अनुभव करने वाली महिलाओं को अधिक मात्रा में रक्त की हानि होती है, जिससे एनीमिया, थकान, कमजोरी या अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। आपको पीरियड्स के दौरान होने वाली इन समस्याओं को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। अगर आप इस समस्या से निजात पाना चाहती हैं तो अपनाएं ये टिप्स।

डाइट में शामिल करें आयरन से भरपूर भोजन : पीरियड्स में अधिक खून बहने के कारण एनीमिया और आयरन की कमी हो सकती है। अपनी रोजाना की डाइट में आयरन से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करके खून के प्रवाह को नियंत्रित किया जा सकता है। आयरन के समृद्ध स्रोतों में खुबानी, किशमिश, बीन्स, पालक, ब्रोकली, सूखे फल और टोफू आदि शामिल हैं। इनके अलावा गेहूं के रोगाणु और शराब बनाने वाला खमीर भी आयरन की कमी को पूरा कर सकते हैं।

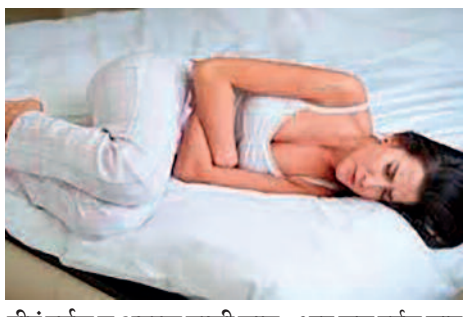

पीएं हर्बल व अदरक वाली चाय : आप कुछ हर्बल चाय का सेवन करके भी खून के प्रवाह को कम कर सकती हैं। अदरक के ऐंठन कम करने वाले गुण पीरियड्स के दर्द और खून की मात्रा को कम कर सकते हैं। अदरक की चाय बनाने के लिए ताजे अदरक के एक छोटे टुकड़े को कद्दूकस कर लें और इसे 5-10 मिनट के लिए पानी में उबालें। इसके अलावा आप धनिया-दालचीनी की चाय, शहद-केसर की चाय और इमली-शहद की चाय भी पी सकती हैं।

हीटिंग पैड का करें उपयोग : पीरियड्स में होने वाले दर्द और ऐंठन को कम करने के लिए पेट के निचले हिस्से पर एक हीटिंग पैड या गर्म पानी की बोतल रखी जा सकती है। गर्मी दर्द को कम करती है और रक्त के उत्पादन को कम करने का काम करती है। हीटिंग पैड गर्भाशय की मांसपेशियों को आराम देकर अत्यधिक रक्त प्रवाह को कम करने में आपकी मदद कर सकता है।

योग करने से मिलेगा आराम

पीरियड्स के दिनों में महिलाओं को तनाव, चिंता और उदासी महसूस होती है। यह सभी परेशानियां पीरियड्स के लक्षणों को बिगाड़ सकती हैं और अधिक खून बहनें का कारण बन सकती हैं। ऐसे में आप कुछ देर तक ध्यान लगाकर अपने मन को शांत कर सकती हैं। इसके अलावा बालासन, त्रिकोणासन और अपानासन जैसे कुछ योग अभ्यास भी पीरियड्स में आपको आराम पहुंचा सकते हैं।

रोजाना लें पर्याप्त नींद : पीरियड्स में अधिक खून बहने की समस्या से निपटने के लिए पर्याप्त नींद लेना जरूरी होता है। आराम करने से हॉर्मोन विनियमन में सहायता मिलती है, जो पीरियड्स को प्रभावित करते हैं। पर्याप्त नींद लेने से मूड अच्छा रहता है, जिससे महिलाओं के लिए पीरियड्स के दौरान होने वाले दर्द और थकावट से निपटना आसान हो जाता है। इस समस्या से निपटने के लिए आप रोजाना 8 घंटे की नींद जरूर लें और दिन में भी कुछ देर आराम करें।

धन-ऐश्वर्य, सुख-समृद्धि के कारक शुक्र के स्थान परिवर्तन से बदलेगी इन राशियों की जिंदगी

धन ऐश्वर्य और सुख-समृद्धि का कारक शुक्र ग्रह इस वक्त मिथुन राशि में मौजूद है। ज्योतिष शास्त्र की गणना के अनुसार, शुक्र 7 जुलाई को कर्क राशि में प्रवेश करेगा। चूंकि, ज्योतिष में शुक्र को शुभ ग्रह कहा गया है इसलिए इसका गोचर अक्सर शुभ फल देने वाला होता है। शुक्र ग्रह कर्क राशि में 30 जुलाई तक रहेगा। ऐसे में शुक्र देव इस दौरान राशिचक्र की तमाम राशियों को प्रभावित करेंगे। ज्योतिष शास्त्र की गणना के अनुसार, शुक्र का यह राशि परिवर्तन तीन राशियों के लिए विशेष लाभकारी है।

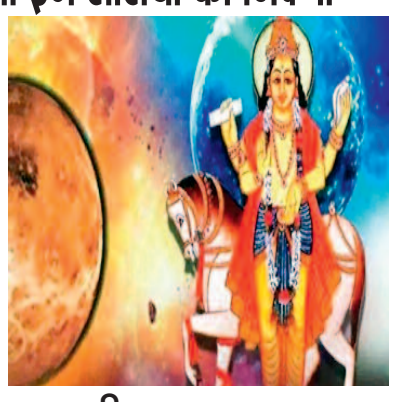

कर्क राशि

शुभ ग्रह शुक्र का गोचर कर्क राशि के लिए अत्यंत खास है। चूंकि, शुक्र देव चाल बदलकर इसी राशि में प्रवेश करने वाले हैं इसलिए इस दौरान सुख और ऐश्वर्य बढ़ेगा। सेहत के लिहाज से भी शुक्र का यह गोचर खास है। बिजनेस में खास आर्थिक लाभ होगा। करियर में तरक्की का भरपूर अवसर प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति में गजब का सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेगा। लव लाइफ और वैवाहिक जीवन में रोमांस बना रहेगा।

तुला राशि

शुक्र का गोचर तुला राशि से जुड़े लोगों के लिए भी अत्यधिक शुभ और लाभकारी माना जा रहा है। शुक्र-गोचर की पूरी अवधि में धन आगमन से कई स्रोत विकसित होंगे। व्यापारियों को अच्छा मुनाफा प्राप्त होगा। कार्यस्थल पर अधिकारियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। घर-परिवार में सुख और शांति बनी रहेगी। शादीशुदा जिंदगी में लाइफ पार्टनर का खूब साथ मिलेगा। नई नौकरी का ऑफर मिल सकता है।

वृश्चिक राशि

शुक्र की चाल बदलने से वृश्चिक राशि से संबंध रखने वालों को खास लाभ होगा। बिजनेस में आर्थिक उन्नति के कई द्वार खुलेंगे। नौकरी में मन के अनुकूल प्रमोशन मिल सकता है। ऐश्वर्य के साधनों में वृद्धि होगी। प्रॉपर्टी से जुड़े कार्यों में जमकर धन लाभ होगा। इस दौरान जो भी काम करेंगे उसमें भाग्य का साथ मिलेगा।

मिथुन से कर्क राशि में प्रवेश करेंगे सूर्य इन राशियों के लिए शुरू होंगे अच्छे दिन

ग्रहों के राजा सूर्य देव राशि परिवर्तन करने जा रहे हैं. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सूर्य देव मंगलवार 16 जुलाई को मिथुन से कर्क राशि में प्रवेश करेंगे। सूर्य देव इस गोचर के दौरान 30 दिनों तक चंद्रमा की राशि में संचरण करते रहेंगे। सूर्य के इस राशि परिवर्तन से कुछ राशियों को एक महीने तक खास लाभ प्राप्त हो सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि सूर्य का यह राशि परिवर्तन किन तीन राशियों के लोगों को खास लाभ होने वाला है।

वृश्चिक राशि : इस राशि से संबंधित लोगों के लिए सूर्य का यह राशि परिवर्तन कई मायनों में लाभकारी है। सूर्य के इस गोचर से करियर में अपार सफलता व प्रशंसा मिलेगी। नौकरी में मनोनुकूल परिणाम मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रॉपर्टी में अच्छी डील फाइनल हो सकती है। इस दौरान छोटी-मोटी यात्रा से भी लाभ होगा। आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहने वाली है।

सिंह राशि : सूर्य का कर्क राशि में परिवर्तन सिंह राशि के लिए अत्यंत खास है। चूंकि, सूर्य देव स्वयं इस राशि के स्वामी हैं इसलिए गोचर की अवधि में खास लाभ होगा। बिजनेस करने वालों के लिए यह अवधि शुभ रहने वाली है। इस दौरान निवेश से जबरदस्त आर्थिक लाभ होगा। सेहत अनुकूल रहेगा। पारिवार के सदस्यों के साथ खुशनुमा समय बिताएंगे।

मीन राशि : सूर्य का राशि परिवर्तन मीन राशि से जुड़े लोगों के लिए भी खास माना जा रहा है। सूर्य-गोचर की अवधि में बिजनेस में जबरदस्त मुनाफा प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति में जबरदस्त सुधार देखने को मिलेगा। कर्ज से छुटकारा मिल सकता है। दोस्तों से खास आर्थिक लाभ मिलेगा। सूर्य गोचर की अवधि में भाग्योदय तक माना जा रहा है। धार्मिक कार्यों को करने से मानसिक तक पर प्रसन्न रहेंगे। सामाजिक मान-सम्मान प्राप्त होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मानसून में डेंगू-मलेरिया जैसी बीमारियों से निपटने के लिए डाइट में शामिल करें ये जड़ी-बूटियां

मानसून जहां अपने साथ बारिश लेकर आता है, वहीं यह कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का भी कारण बनता है। अस्वच्छ वातावरण के कारण बरसात में पानी से फैलने वाली बीमारियां होने लगती हैं। इस मौसम में आपको फ्लू, डेंगू, हैजा, मलेरिया और सर्दी जैसी कई बीमारियों का खतरा हो सकता है। आप इन बीमारियों से निपटने के लिए अपनी डाइट में ये 5 आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां शामिल कर सकते हैं। इनके सेवन से आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहेगा और संक्रमण नहीं होगा।

चबा सकत हैं तीम की पत्तियां

आप मानसून के दौरान अपने खान-पान में नीम को शामिल करके अपने शरीर को मजबूत बना सकते हैं। इसके एंटीसेप्टिक, एंटीऑक्सीडेंट, जीवाणुरोधी और प्रतिरक्षा बढ़ाने वाले गुण आपके संपूर्ण स्वास्थ्य का समर्थन कर सकते हैं। नीम में मौजूद निम्बोलाइड और निंबिडिन नामक घटकों में एंटीफंगल और जीवाणुरोधी गुण होते हैं। मानसून के दौरान आप सुबह और शाम के वक्त नीम की चाय पी सकते हैं या नीम की पत्तियों को चबा सकते हैं।

अश्वगंधा

बारिश के मौसम में आप अश्वगंधा का सेवन करके अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं। ये थकान, सर्दी, संक्रमण और अन्य मौसमी बीमारियों को दूर करने के लिए जाने जाते हैं। अश्वगंधा में इम्यून-मॉड्यूलेटिंग गुण होते हैं, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में आपकी मदद कर सकते हैं।

अदरक में मौजूद है एंटीऑक्सीडेंट

अदरक में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट ऐसे मुक्त कणों के नियंत्रण में सहायता करते हैं, जो कोशिकाओं को अधिक मात्रा में नुकसान पहुंचा सकते हैं। आप मानसून के दौरान, सूप, स्टू या स्टिरफ्राई में घिसी हुई अदरक शामिल करके खा सकते हैं। इसके साथ ही आप रोजाना अदरक वाली चाय पीएं। अदरक में कई सूजनरोधी गुण होते हैं, जो डेंगू बुखार के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकते हैं।

नींबू घास यानि लेमनग्रास

नींबू घास एक तरह का औषधीय पौधा है, जिसे लेमनग्रास के नाम से भी जाना जाता है। इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट आपके शरीर से रोग पैदा करने वाले मुक्त कणों को खत्म करने में सहायता कर सकते हैं। आप नींबू घास से बनी हर्बल चाय या सूप पीकर अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ा सकते हैं और मानसून की बीमारियों से बच सकते हैं। यह एक ज्वरनाशक तत्व है, जो बहुत तेज बुखार को आसानी से कम कर सकता है।

गिलोय : आयुर्वेदिक चिकित्सा में एक जरूरी जड़ी-बूटी है गिलोय, जिसे हार्ट-लीव्ड मूनसीड के नाम से भी जाना जाता है। यह एंटीऑक्सिडेंट का एक बढ़िया स्रोत है, जो शरीर को डिटॉक्सीफाई करने में मदद करता है। यह मानसून के दौरान पाचन स्वास्थ्य को मजबूत बनाने, ब्लड शुगर और बुखार को कम करने में सहायता करता है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

इनसाइड आउट 2 सबसे तेज 100 करोड़ डॉलर की कमाई करने वाली एनिमेटेड फिल्म

लॉस एंजिलिस। इनसाइड आउट 2 बॉक्स ऑफिस पर लगातार कामयाबी के झंडे गाड़ रही है। डिज्नी /पिक्सर की इस फिल्म को दुनियाभर से बेशुमार प्यार मिल रहा है। टिकट खिड़की पर कई रिकॉर्ड बनाने वाली

इस फिल्म ने अब एक बड़ी उपबल्धि हासिल कर ली है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर एक बिलियन यानी 100 करोड़ डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है। इनसाइड आउट 2 ने 19 दिनों में 101.48 करोड़ डॉलर का वैश्विक कारोबार कर लिया है। इसके साथ ही यह फिल्म सबसे कम समय में एक 100 करोड़ी क्लब में जगह बनाने वाली फिल्म बन गई है। फिल्म ने फ्रोजन 2 को पछाड़कर यह नया रिकॉर्ड बनाया है, जिसे इस आंकड़े तक पहुंचने में 25 दिनों का समय लगा था। अब तक कुल 11 एनिमेटेड फिल्म ही इस प्रतिष्ठित क्लब का हिस्सा हैं, जिसमें डिज्नी और पिक्सर की संयुक्त रूप से आठ फिल्में शामिल हैं। केल्सी मान के निर्देशन में बनी 'इनसाइड आउट 2' इस साल की पहली फिल्म है, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये की कमाई की है। विदेशी बाजार में भी फिल्म को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है, जिसकी वजह से इसने अब तक कुल 54.5 करोड़ डॉलर की कमाई कर ली है। इस सप्ताहांत इनसाइड आउट 2 ने श्रेक फॉरएवर आफ्टर (51.4 करोड़ डॉलर), मैडागास्कर 3 (53.1 करोड़ डॉलर) तथा फाइंडिंग डोरी (54.3 करोड़ डॉलर) को पीछे छोड़ते हुए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 18वें स्थान पर अपना कब्जा किया।

टॉलीवुड

500 करोड़ी क्लब में पहुंची प्रभास की फिल्म, उत्तरी अमेरिका में बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली। 'कल्कि 2898 एडी' का डंका देश के साथ विदेश में भी बज रहा है। फिल्म को दुनिया के हर कोने से प्यार मिल रहा है। 27 जून को

रिलीज हुई यह फिल्म ताबड़तोड़ कमाई के साथ हर दिन नए रिकॉर्ड बना रही है। वैश्विक स्तर पर फिल्म 500 करोड़ी क्लब में शामिल हो गई है। छप्परफाड़ कमाई करते हुए यह फिल्म उत्तरी अमेरिका में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली शीर्ष 10 भारतीय फिल्मों की सूची में जगह बनाने में कामयाब रही है। प्रभास और दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दिशा पाटनी अभिनीत इस फिल्म ने चौथे दिन एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। नाग अश्विन के निर्देशन में बनी यह फिल्म 500 करोड़ के प्रतिष्ठित क्लब में शामिल हो गई है। कल्कि 2898 एडी के निर्माताओं ने रविवार रात को एक्स पर इस बात की आधिकारिक घोषणा कर दी। कलेक्शन के आंकड़े वैश्विक स्तर के हैं। इस कमाई के साथ कल्कि 2898 एडी पांचवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तेलुगु फिल्म बन गई है। इससे पहले बाहुबली द कन्क्लूजन, आरआरआर, सालार पार्ट 1 और बाहुबली द बिगिनिंग यह कारनामा कर चुकी है। इस लिस्ट में प्रभास की कुल चार फिल्में शामिल हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि पहले हफ्ते में प्रभास की यह फिल्म 1,000 करोड़ रुपए के क्लब में शामिल हो जाएगी। यह फिल्म 1500 करोड़ के क्लब में जगह बना पाएगी या नहीं, यह सोमवार के कलेक्शन पर निर्भर करेगा। वहीं, उत्तरी अमेरिका के कलेक्शन की बात करें तो फिल्म को लेकर लोगों में जबर्दस्त दीवानगी देखने को मिल रही है।

भोजपुरी

फिल्मफ्रीवे का दर्शकों को बड़ा तोहफा आधिकारिक भाषा के रूप में जुड़ी भोजपुरी

मुंबई। दुनिया भर में फिल्म फेस्टिवल सबमिशन प्रक्रियाओं के लिए डिफॉल्ट टूल बन गए फिल्मफ्रीवे ने भोजपुरी दर्शकों को बड़ा तोहफा दिया है। फिल्मफ्रीवे पर भोजपुरी भी ऑफिशियल भाषा के तौर पर जुड़ गई है। इस बात की जानकारी लेखक, पत्रकार और फिल्म निर्माता विमल चंद्र पांडे ने पोस्ट कर दी है। विमल ने अपनी खुशी जाहिर करने के लिए फेसबुक का सहारा लिया और उनकी पोस्ट से इसके लिए की गई उनकी मेहनत का भी खुलासा हुआ। विमल चंद्र पांडे ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'फिल्मफ्रीवे ऐसा वेबसाइट है जहां अपना फिल्म अपलोड करके देश-दुनिया के अलग-अलग फिल्म फेस्टिवल में भेजा जा सकता है। इसका उपयोग अपनी पहली फिल्म द होली फिश में किया गया था और उसका सलेक्शन राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों तरह के फिल्म फेस्टिवल में हुआ था।' उन्होंने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, 'बाकी जब अपनी भोजपुरी फिल्म मद्धिम को फिल्मफ्रीवे पर अपलोड किया तो मुझे ये जानकर आश्चर्य हुआ कि भाषा वाली श्रेणी में एक साईन लैंग्वेज की जगह दी गई थी लेकिन उसमें भोजपुरी का नाम नहीं था। मेल किया तो आश्वासन मिला कि इस पर विचार किया जाएगा। कई बार याद दिलाने और भोजपुरी ऑडियंस की रीच के बारे में समझाने के बाद वापस से मेल आया कि अब फिल्मफ्रीवे पर भोजपुरी भी ऑफिशियल लैंग्वेज होगी तो अंदर से बहुत अच्छा लगा। जब सामने से बताया जाएगा तो सामने वाले को जरूर समझ आएगा। धन्यवाद फिल्मफ्रीवे।' जानकारी हो कि फिल्मफ्रीवे फिल्म निर्माताओं के लिए विश्व स्तर पर सैकड़ों फिल्म समारोहों में अपनी फिल्में प्रस्तुत करने के लिए एक वेबसाइट है। 2014 में कनाडा में चार व्यक्ति के स्टार्टअप के रूप में शुरू हुआ, यह अमेजन के स्वामित्व वाली बड़ी कंपनी 'विदाउटअबॉक्स' के साथ प्रतिस्पर्धा में लगातार बढ़ता गया। उस समय तक, डिजिटल फिल्म महोत्सव प्रस्तुत करने की प्रक्रिया पर 'विदाउटअबॉक्स' का एक आभासी एकाधिकार था।

लाइफ स्टाइल

बारिश में बटोरें हर किसी की अटेंशन

बरसात का मौसम वैसे तो अपने साथ ताजगी और उमंग लेकर आता है लेकिन इस मौसम में कैसे कपड़ें पहनें जिसमें स्टाइल के साथ समझौता न करना पड़े ये थोड़ा चैलेंजिंग हो जाता है खासतौर से जब एथनिक वेयर्स पहनना हो तो इस मौसम में एथनिक वेयर्स में खूबसूरत नजर आने के लिए पीला नारंगी हरा नीला गुलाबी सफेद लाल और बैंगनी जैसे रंगों को शामिल करें। पीला रंग खुशी और ऊर्जा का प्रतीक है। यह रंग बारिश के दिनों में मूड को हैप्पी और पॉजिटिव रखता है। शादी-ब्याह या किसी फेस्टिवल में पीले रंग की कुर्ती, साड़ी या अनारकली सूट पहन सकती हैं। जो आपको भीड़ से अलग और आकर्षक बनाएगा।

क्यों डार्क हो जाते हैं होंठ, घरेलू नुस्खे अपनाने से हो जाएंगे गुलाबी

गुलाबी और लाल होठों को खूबसूरत माना गया है, लेकिन ये धीरे-धीरे कब काले हो जाते हैं पता भी नहीं चलता। जब हमें फर्क दिखने लगता है तो हम तमाम उपाय खोजने की कोशिश करते हैं। महिलाएं लिपस्टिक की मदद से उन काले धब्बों को छिपाती हैं लेकिन ये कोई कारगर या स्थायी उपाय नहीं है। आइए जानते हैं कि इसके काले होने के पीछे की क्या वजह है

होंठ काले होने के कई हैं कारण

विशेषज्ञों के अनुसार, धूप की किरणों से भी होंठ काले हो सकते हैं। इसके लिए आपको ऐसे लिप बाम का यूज करना चाहिए जो इन खतरनाक किरणों से आपको बचाए। कम पानी पीने की वजह से भी होंठ काले हो सकते हैं यानी आप अपनी बॉडी को हाइड्रेट नहीं कर रहे हैं। तीसरा सिगरेट पीने से भी आपके होंठ ब्लैक हो सकते हैं। टूथपेस्ट से एलर्जी भी इसकी वजह हो सकती है। अगर आप कैफीन का सेवन अधिक कर रहे हैं यानी खूब चाय और कॉफी पीते हैं तो होंठ काले हो सकते हैं।

कैसे सही करें अपना लिप कलर

होंठ के कालेपन का इलाज इन दिनों लेसर ट्रीटमेंट है। इसके अलावा हाइड्रोक्विनोन और कोजिक एसिड भी होंठ के काले धब्बे हटाने के लिए यूज किया जाता है। इसके अलावा आप घरेलू नुस्खों को भी फॉलो कर भी होंठों को गुलाबी कर सकते हैं।

नींबू : वर्ष 2002 के एक स्टडी में पाया गया कि खट्टे फल काले धब्बे को कम कर सकते हैं। रात में सोने से पहले आप एक कटा हुआ नींबू का रस होठों पर लगा सकत हैं। सुबह आप इसे ठंडे पानी से धो लें। कम से कम 1 महीने में आपको इसका फर्क दिखेगा।

हल्दी : वर्ष 2010 की एक स्टडी के मुताबिक, यह भी काले दाग को कम करने के माना जाता है। दूध में हल्की हल्दी मिलाकर आप गाढ़ा पेस्ट बना सकते हैं और इससे अपने होठों का मसाज करें। लगभग 5 मिनट के बाद इसे पानी से धो लें।

ऐलोवेरा : होठों पर आप ऐलोवेरा का इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐलोवेरा जेल को लगाकर करीब 10-15 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके अलावा आप इसका लिप बाम भी यूज कर सकते हैं।

लेटेस्ट फैशन में हैं ओवरसाइज्ड कपड़े तरीके से पहनें तो लगेंगे सबसे अलग

फैशन

फैशन के रुझान आते-जाते रहते हैं, लेकिन ओवरसाइज्ड कपड़ों का चलन अब तक बरकरार है। इसलिए बॉलीवुड सेलिब्रिटीज से लेकर इंटरनेशनल रनवे तक, ओवरसाइज्ड कपड़े हर जगह मौजूद हैं। इसका कारण है कि चाहे आप अपने फैशन गेम को बेहतर बनाना चाह रहे हों या बस अपनी रोजमर्रा की पोशाक को आरामदायक बनाना चाहते हों, ओवरसाइज्ड कपड़े आपके लिए बेहतरीन विकल्प हैं। आइए आज हम आपको बताते हैं ओवरसाइज्ड कपड़ों को स्टाइल करने के आसान तरीके।

ओवरसाइज्ड पैंट : चौड़ी टांगों वाली जींस से लेकर ढीले-ढाले जोगर तक, ओवरसाइज्ड पैंट स्टाइलिश लुक देने के साथ आरामदायक भी होती हैं। इसे आप फिटेड टॉप के साथ पहन सकती हैं। इसका लुक और आकर्षक बनाने के लिए आप इस पर कोट पहनें और लेयर नेकलेस को पहनना भी न भूलें। साथ ही सफेद स्नीकर्स के साथ अपने लुक को पूरा करें। यहां जानिए महिलाओं के लिए 5 तरह की स्टाइलिश पैंट।

ओवरसाइज्ड डेनिम जैकेट : सबसे क्लासिक कपड़ों में से एक ओवरसाइज्ड डेनिम जैकेट हर महिला की अलमारी में जरूर होनी चाहिए। यह एक फ्रेश और लाइट कैजुअल लुक देती है और यह रोजाना पहनने के लिए बढ़िया विकल्प है। इसके लिए आप डेनिम जैकेट को डेनिम स्कर्ट या जींस और एक ओवरसाइज्ड टी-शर्ट के साथ पहन सकती हैं। आप चाहें तो इसे ब्लैक पेंसिल जींस के साथ भी स्टाइल कर सकती हैं।

फैशन स्टेटमेंट है बॉयफ्रेंड शर्ट : ओवरसाइज्ड बॉयफ्रेंड शर्ट अब एक फैशन स्टेटमेंट है। यह शर्ट ढीली और आरामदायक हैं, जिसे आप जींस, शॉर्ट्स के साथ किसी ड्रेस के साथ भी पहनी जा सकती है। इस लुक को और अच्छा बनाने के लिए शर्ट पर बेल्ट लगाएं। हालांकि, अगर आप इसे किसी पार्टी में पहनने वाली हैं तो गले में लेयर नेकलेस पहनें। इसके साथ ही फुटवियर्स के लिए हाई हील्स या वेजीस को चुन सकती हैं।

आरामदायक के साथ सुंदर भी मैक्सी ड्रेस : मैक्सी ड्रेस न केवल आरामदायक है बल्कि सुंदर भी लगती है। आप हरे, नीले या मैरून जैसे रंगों में मैक्सी ड्रेस को चुन सकती हैं और इसे एक प्लेन व्हाइट टी-शर्ट और बूट्स या स्नीकर्स के साथ पहन सकती हैं।

बारिश के नमी भरे मौसम में पहनें ऐसे कपड़े जो हों स्टाइलिश के साथ आरामदायक

मानसून का आगमन हमें ढेर सारी खुशियां तो देता ही है लेकिन यह मौसम अत्यधिक आर्द्रता और मूसलाधार बारिश जैसी कई चुनौतियां पेश करता है। बारिश के दिनों में आरामदायक फैब्रिक्स चुनना बेहद जरूरी होता है। इस चिपचिपे और नमी युक्त मौसम में उपयुक्त कपड़े न पहनने से आपको सामान्य से अधिक पसीना आ सकता है। इसके कारण असुविधा, खुजली और दाने जैसी परेशानियां होती हैं। आज के फैशन टिप्स में हम आपको बताएंगे मानसून के उपयुक्त कपड़े।

कॉटन है बिल्कुल उपयुक्त फैब्रिक : कॉटन मानसून के लिए बिल्कुल उपयुक्त फैब्रिक है। यह कपड़ा हल्का और नमी को अवशोषित करने वाला होता है। यह आपको ठंडा रखता है और पसीने को आपकी त्वचा पर चिपकने से रोकता है। मानसून में कूल और आरामदायक लुक के लिए कॉटन की ड्रेस, शर्ट और शॉर्ट्स जैसे कपड़े पहनें।

लिनन बारिश में पहनने के लिए उम्दा : लिनन एक हल्का फैब्रिक होता है, जिसमें सांस लेना आसान होता है। यह बारिश में पहनने के लिए बढ़िया रहता है, क्योंकि यह आसानी से सूख जाता है। प्राकृतिक फाइबर होने के कारण, लिनन हवा को आर-पार होने देता है और पसीने व दुर्गंध को रोकता है। स्टाइलिश दिखने के लिए आप लिनन का जंपसूट, ढीली पैंट और शर्ट पहन सकते हैं।

सुंदरता और एलिगेंस को दर्शाता है जॉर्जेट

जॉर्जेट फैब्रिक सुंदरता और एलिगेंस को दर्शाता है। यह हल्के फाइबर से बना फैब्रिक मानसून के मौसम में पहनने के लिए बढ़िया रहता है। यह कपड़ा आपको नमी युक्त मौसम में भी सूखा रखता है और हवा को आसानी से आर-पार होने देता है।

कंडीशनर के लिए बालों पर करें प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल, मिलेंगे बाजार वाले से ज्यादा फायदे

आजकल बाजार में कई तरह के हेयर कंडीशनर उपलब्ध हैं, लेकिन उनमें मौजूद रसायन बालों को नुकसान पहुंचाने का कारण बन सकते हैं। इससे अच्छा है कि आप उनकी बजाय प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल करें क्योंकि वे आपके स्कैल्प को भरपूर पोषण देने के साथ बालों को मुलायम और चमकदार बनाए रखने में मदद कर सकती हैं। आइए आज हम आपको उन चीजों के बारे में बताते हैं, जो बाजार के कंडीशनर से अच्छा काम कर सकती हैं।

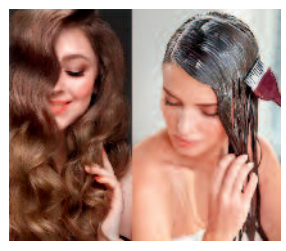

शहद के साथ लगाएं एलोवेरा का जेल : कंडीशनर के लिए सबसे पहले एक कटोरी में 1-2 एलोवेरा की पत्ती का जेल निकाल लें। इसके बाद इसमें एक चम्मच शहद और 2 बड़ी चम्मच जैतून का

तेल डालकर अच्छे से मिला लें, फिर इस मिश्रण को सिर पर लगाकर शॉवर कैप पहन लें। आधे घंटे के बाद सिर को गुनगुने पानी से धो लें। जब मिश्रण सिर से पूरी तरह निकल जाए तो इस पर तौलिया लपेट लें। यह कंडीशनर स्कैल्प को भरपूर हाइड्रेशन दे सकता है।

केले और दूध का मिश्रण बनाएं : केले और दूध का मिश्रण बालों को मॉइस्चराइज करने के साथ-साथ दोमुंहें बालों की समस्या को दूर करने में मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में एक पके केले का गूदा और 3 बड़ी चम्मच दूध डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण को बालों की जड़ों से लेकर सिरे तक लगाकर इसे सूखने के लिए छोड़ दें। लगभग आधे घंटे के बाद सिर को गुनगुने पानी से धो लें।

चायपत्ती का कंडीशनर : अगर आपके पास ब्लैक या ग्रीन टी मौजूद है तो आप उसका इस्तेमाल करके भी हेयर कंडीशनर तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आप एक कप पानी में 2 छोटी चम्मच चायपत्ती डालकर उबाल लें। जब यह अच्छे से उबल जाएं तो उसमें पुदीने की कुछ पत्तियां डालकर उसे फिर उबालें।

कार्नर न्यूज

60-70 के दशक की जींस का चलन 2020 से जोरदार वापसी कर रहा

अपनी मनपसंद वाइड लेग जींस को इन तरीकों से करें स्टाइल, दिखेंगी बेहद खूबसूरत

फैशन में पुराने ट्रेंड्स सालों बाद वापस चलन में आते रहते हैं। ऐसा ही एक बेहद पसंद किया जाने वाला फैशन रुझान है वाइड लेग जींस। 1960-1970 के दशक की वाइड लेग जींस का चलन 2020 से जोरदार वापसी कर रहा है। इस स्टाइल के आने के बाद महिलाएं टाइट जींस को अलविदा कहकर चौड़े पैरों वाली जींस पहनना पसंद कर रही हैं। आइए जानते हैं वाइड लेग जींस को स्टाइल करने के ऐसे टिप्स, जिनके जरिए आप शानदार दिखेंगी।

ओवरसाइज टी-शर्ट के साथ पहनें

इन दिनों वाइड लेग जींस के साथ-साथ ओवरसाइज टी-शर्ट को भी पसंद किया जा रहा है। ये ढीली-ढाली और पहनने वाले के साइज से बड़ी होती हैं। ओवरसाइज टी-शर्ट का कंधा भी चौड़ा होता है और उन पर अलग-अलग तरह के प्रिंट्स होते हैं। आप अपनी वाइड लेग जींस के साथ एक आरामदायक कपड़े से बनी ओवरसाइज टी-शर्ट को पहनें। इसे पीछे की तरफ से जींस के अंदर टक करें और आगे से बाहर निकला रहने दें।

स्पोर्ट्स ब्रा के साथ स्टाइल करें

अपने लुक को आरामदायक बनाने के लिए अपनी वाइड लेग जींस को स्पोर्ट्स ब्रा के साथ पहनने पर विचार करें। स्पोर्ट्स ब्रा अधिक फैशनेबुल वाइड लेग जींस में एक अनौपचारिक स्पर्श जोड़ती है। एक सामान्य से लंबी स्पोर्ट्स ब्रा पहनकर उसे नीली या काली रंग की वाइड लेग जींस के साथ स्टाइल करें। अगर आप केवल स्पोर्ट्स ब्रा पहनकर बाहर नहीं जाना चाहती हैं तो आप ऊपर से एक डेनिम जैकेट पहनें और स्लिग बैग भी लें।

लंबे गले वाले क्रॉप टॉप के साथ पहनें

अपनी वाइड लेग जींस को लंबी या छोटी आस्तीन वाले हाई नेक क्रॉप टॉप के साथ स्टाइल करें। ये लंबे गले वाले क्रॉप टॉप होते हैं, जिन्हें टर्टल नेक भी कहा जाता है। अगर आप क्रॉप टॉप पहनना पसंद नहीं करती हैं तो आप लंबी आस्तीन वाले टाइट टॉप पहनकर उन्हें जींस में टक कर सकती हैं। क्रॉप टॉप का हाई नेक डिजाइन वाइड लेग जींस के साथ मिलकर आपको एक आकर्षक और बोल्ड लुक देता है।

धारीदार शर्ट के साथ करें स्टाइल : वैसे तो वाइड लेग जींस एक बेहद अनौपचारिक कपड़ा है, लेकिन एक व्यवसायी लुक पाने के लिए वाइड लेग जींस को एक धारीदार शर्ट के साथ पहनें। आप शर्ट को पूरी तरह से जींस में टक कर सकती हैं या केवल पीछे से टक करके आगे से बाहर निकला रहने दे सकती हैं।